शुभ लाभ

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा ने कर्नाटक बस किराया वृद्धि का किया विरोध @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 05 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-5

यूनुस का रोल-मॉडल है हिंदुओं का कत्लेआम कराने वाला गुंडा

बांग्लादेश के बच्चों को पढ़ाया जाएगा 'सुहरावर्दी महान'

बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से लगातार इस्लामी कट्टरपंथ को लगातार बढ़ावा मिल रहा है। इस पूरे कुचक्र को बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार बढ़ावा दे रही है। कुचक्र की इसी कड़ी में अब बांग्लादेश में बच्चों को पढ़ाई जाने वाली किताबों में बदलाव किए गए हैं। हिंदुओं का नरसंहार करवाने वाले पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और मुस्लिम लीग नेता हुसैन शहीद सुहरावर्दी का महिमामंडन अब बांग्लादेश के बच्चों को पढ़ाया जाएगा। अब बांग्लादेश के बच्चे अपनी किताबों में कसाई की प्रशंसा पढ़ेंगे।

हुसैन सुहरावर्दी को हिंदुओं के नरसंहार के लिए बंगाल का कसाई कहा गया था। सुहरावर्दी ने यह नरसंहार बंगाल का प्रधानमंत्री रहते

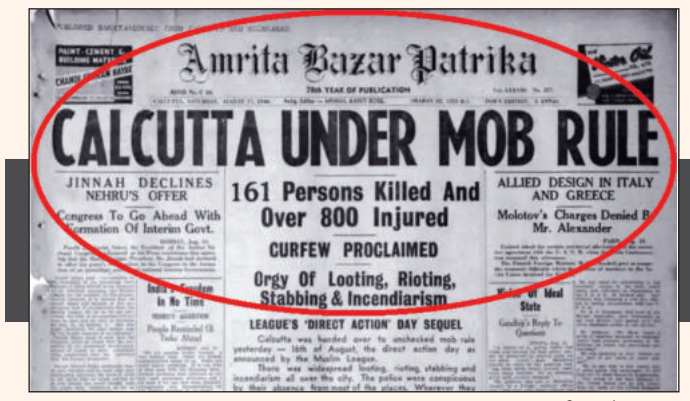
Amrita Bazar Patrika

CALCUTTA UNDER MOB RULE

JINNAH DECLINES NEHRU'S OFFER

161 Persons Killed And Over 800 Injured

CURFEW PROCLAIMED

Orgy Of Looting, Rioting, Stabbing & Incendiarism

LEAGUE'S 'DIRECT ACTION' DAY SEQUEL

ALLIED DESIGN IN ITALY AND GREECE

हुए करवाया था। सुहरावर्दी ही वह शख्स था जिसने 1943 में बंगाल के अकाल को बद से बदतर बना दिया था। सुहरावर्दी के ही राज में मुस्लिमों ने 1946 में डायरेक्ट एक्शन डे किया था और हजारों हिंदुओं को मरवा दिया था। अब बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हमले हो रहे हैं और यूनुस सरकार सुहरावर्दी का महिमामंडन कर रही है और उसके कट्टरपंथी विचारों को बढ़ावा दे रही है।

हिंदुओं के कसाई को बांग्लादेश में बनाया जा रहा हीरो

असल में यह बच्चों में भी उसी कट्टरपंथ को भरने की योजना है। 16 अगस्त 1946 भारतीय इतिहास में हिंदू विरोधी हिंसा के सबसे क्रूर दिनों में से एक है। इसे कलकत्ता का नरसंहार नाम से भी जाना जाता है। 5 दिनों तक चले इस नरसंहार में लगभग 5,000 लोग मारे गए थे। इस नरसंहार में हजारों हिंदू घायल हुए थे और 120,000 बेघर हो गए थे। इस नरसंहार के पहले डायरेक्ट एक्शन डे का आह्वान मुस्लिम लीग के सुप्रीमो मुहम्मद अली जिन्ना ने किया था। जिन्ना ने कलकत्ता की हिंदू आबादी के खिलाफ लूट, हत्या और यौन हिंसा के लिए लोगों को भड़काया था। जिन्ना ने अपने ऐलान में साफ कर दिया था कि मुस्लिम लीग अंग्रेज (ब्रिटिश) सरकार के साथ सहयोग करना बंद कर देगी और संवैधानिक तरीकों को अलविदा कह देगी। जिन्ना ने ऐलान किया था कि वह पूरे देश में हिंसा करेंगे। जिन्ना के हिंदू समुदाय का नरसंहार करने वाले सपने को साकार करने वाला व्यक्ति कोई और नहीं बल्कि हुसैन शहीद सुहरावर्दी था।

शुभ-लाभ सरोकार

1946 से पहले बंगाल एक मुस्लिम बहुल प्रांत था। बंगाल की कुल आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी केवल 42 प्रतिशत थी। लेकिन कलकत्ता शहर में हिंदू बहुसंख्यक थे। उनकी आबादी 64 प्रतिशत था। इस जनसांख्यिकीय असंतुलन ने कलकत्ता को सुहरावर्दी और मुस्लिम लीग के निशाने पर ला दिया। वे हिंदुओं को डराकर बंगाल को पाकिस्तान में शामिल करने के लिए मजबूर करना चाहते थे।ब्रिटिश प्रधानमंत्री क्लेमेंट एटली ने जून 1946 में सत्ता ट्रांसफर के लिए बातचीत को मिशन भेजा था। यह लोग भारत के बंटवारे पर भी बात करने वाले थे। हालांकि, कांग्रेस बंटवारे को लेकर राजी नहीं थी जबकि मुस्लिम लीग चाहती थी कि पाकिस्तान बन जाए। मुस्लिम लीग ने अपनी मांग मनवाने के लिए हिंसक तरीके अपनाने का फैसला लिया और 16 अगस्त 1946 को डायरेक्ट एक्शन डे घोषित कर दिया।

▶10पर

ग्रामीण भारत महोत्सव में प्रधानमंत्री ने कहा

जिन्हें किसी ने नहीं पूछा उन्हें मोदी ने पूजा है

नई दिल्ली, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रामीण भारत महोत्सव का उद्घाटन करते हुए कहा कि पूर्व की सरकारों ने दलितों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के लोगों की परेशानियों पर कभी ध्यान नहीं दिया, जिसके चलते गांवों से लोगों का पलायन हुआ और गरीबी बढ़ी। गांवों और शहरों में लगातार अंतर बढ़ा। लेकिन अब वह अंतर मिट रहा है। शहरों के साथ-साथ गांवों का विकास भी समान स्तर पर हो रहा है। जिन्हें किसी ने नहीं पूछा, उन्हें मोदी ने पूजा है। जिन इलाकों को विकास से वंचित रखा गया, अब वहां समान अधिकार मिल रहे हैं। कल ही स्टेट बैंक ने रिपोर्ट जारी की है,

जिसके अनुसार, साल 2012 में भारत में ग्रामीण इलाकों में गरीबी 26 प्रतिशत थी, लेकिन 2024 में यह घटकर पांच प्रतिशत से भी कम रह गई है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि साल 2025 की शुरुआत में ग्रामीण भारत महोत्सव का भव्य आयोजन भारत की विकास यात्रा को दर्शा रहा है। इसके आयोजन के लिए नबार्ड और अन्य सहयोगियों को बधाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज गांवों के लाखों घरों को पीने का साफ पानी मिल रहा है।

लोगों को डेढ़ लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। आज डिजिटल तकनीक की मदद से बेहतरीन डॉक्टर और अस्पताल भी गांवों से कनेक्ट हो रहे हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए जरूरी है कि आर्थिक नीतियां गांव के हर वर्ग को ध्यान में रखकर बनाई जाएं। बीते 10 वर्षों में हमारी सरकार ने ये काम किया है। ▶10पर

द्वीप विकास एजेंसी की बैठक में गृह मंत्री ने कहा

अंडमान और लक्षद्वीप का विकास केंद्र की प्राथमिकता

नई दिल्ली, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में बुनियादी ढांचे का विकास और पर्यटन सुविधाएं बढ़ाना नरेंद्र मोदी सरकार की प्राथमिकता है। द्वीप विकास एजेंसी (आईडीए) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार इन द्वीपों की संस्कृति और विरासत को संरक्षित कर रही है और विकास कार्यों में तेजी ला रही है। बैठक में गृह मंत्री ने अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में चल रही विकास पहलों की प्रगति की समीक्षा की।

अमित शाह ने कहा, ये द्वीप भले ही दिल्ली से दूर हैं, लेकिन ये हमारे दिल के करीब हैं, वहां बुनियादी ढांचे का विकास और पर्यटन सुविधाएं बढ़ाना सरकार की

विकास के साथ द्वीपों की संस्कृति का संरक्षण भी हो रहा

प्राथमिकता है। शाह ने दोनों द्वीप समूहों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया और सभी संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों से संबंधित पहलों पर सहयोग करने का आह्वान किया। शाह ने लंबित मुद्दों को हल करने और चल रही परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के लिए स्पष्ट निर्देश भी जारी किए।

गृह मंत्री ने अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह व लक्षद्वीप में सौर एवं पवन ऊर्जा पहल को आगे बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इन क्षेत्रों में सौर पैनलों और पवन चक्कियों के माध्यम से 100 फीसदी अक्षय ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने पर जोर दिया। शाह ने केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) को दोनों द्वीप समूहों के सभी घरों में सौर पैनल लगाकर पीएम सूर्य घर योजना को लागू करने का निर्देश दिया।

कामकाजी महिला छात्रावास 'सुषमा भवन' का उद्घाटन

दिल्ली की जनता केजरीवाल से हिसाब लेगी

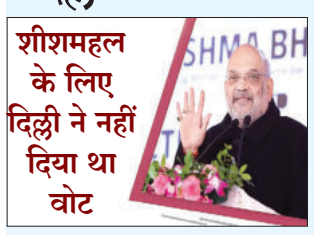

नई दिल्ली, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आम आदमी पार्टी के प्रमुख एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल जब राजनीति में आए तब कहते थे कि हम सरकारी गाड़ी नहीं लेंगे, सरकारी बंगला नहीं लेंगे। अलग तरह की राजनीति की शुरुआत करेंगे। मगर उन्होंने 50 हजार गज में दिल्लीवासियों के 45 करोड़ रुपए से अपने लिए शीश महल बनवा लिया। शाह ने कहा, केजरीवाल जी आपको दिल्ली की जनता को हिसाब देना होगा।

अमित शाह ने कहा, केजरीवाल ने शराब घोटाला किया, मोहल्ला क्लिनिक के नाम पर भ्रष्टाचार किया, दवाओं के नाम पर घोटाला किया, सीसीटीवी के नाम पर घोटाला किया, बस खरीद में घोटाला किया और सबसे बड़ा घोटाला निजी सुविधाओं के लिए, अपना शीशमहल बनाने के लिए किया। शाह ने कटाक्ष के अंदाज में कहा, कुछ बच्चे मुझसे मिलने मेरे घर आए थे। मैंने उनसे पूछा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के लिए क्या किया है? फिर मेरे ही मुंह से गलती से निकल गया कि केजरीवाल ने कुछ नहीं किया। ▶10पर

केंद्रीय अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

सीबीआई को राज्यों से नहीं लेनी होगी अनुमति

नई दिल्ली, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सीबीआई को विभिन्न राज्यों के अधिकार क्षेत्र में तैनात केंद्रीय अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए राज्य सरकारों की अनुमति की जरूरत नहीं है। जस्टिस सीटी रविकुमार और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने यह टिप्पणी आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश को पलटते हुए की। हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार के मामले में दो केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सीबीआई जांच को रद्द कर दिया था। पीठ ने 2 जनवरी के अपने आदेश में कहा कि नियुक्ति की जगह पर ध्यान दिए बिना तथ्यात्मक स्थिति यह है कि वे केंद्र सरकार के कर्मचारी हैं और कथित रूप से उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गंभीर अपराध किया है, जो एक केंद्रीय कानून है। यह मामला आंध्र प्रदेश में कार्यरत केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सीबीआई की ओर से दर्ज की गई एफआईआर का है। दोनों केंद्रीय कर्मचारियों ने सीबीआई के अधिकार क्षेत्र को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने याचिका में तर्क दिया था कि दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (डीएसपीई अधिनियम) ▶10पर

पोखरण विस्फोट में बड़ी भूमिका निभाने वाले

पद्मविभूषण डॉ. राजगोपाल चिदंबरम का निधन

मुंबई, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रख्यात भौतिक विज्ञानी डॉ. राजगोपाल चिदंबरम ने आज 88 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। पीएम मोदी ने भी उनके निधन पर दुख जताया। चिदंबरम का भारत को परमाणु शक्ति बनाने में अहम भूमिका थी। भारत के 1974 और 1998 के परमाणु परीक्षणों में डॉ. राजगोपाल चिदंबरम की महत्वपूर्ण भूमिका थी। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) ने उनके निधन की पुष्टि की। वह 88 साल के थे और मुंबई के जसलोक अस्पताल में उनका निधन हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर दुख जताते हुए कहा, डॉ. राजगोपाल चिदंबरम के निधन से गहरा दुख हुआ। वह भारत के परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थे और उन्होंने भारत की वैज्ञानिक और रणनीतिक क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पूरा देश कृतज्ञता के साथ उन्हें हमेशा याद रखेगा और उनके प्रयास आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करेंगे। डॉ. चिदंबरम का जन्म 12 नवंबर 1936 को चेन्नई हुआ था और उन्होंने चेन्नई के प्रेसीडेंसी कॉलेज और बेंगलुरु के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान से पढ़ाई की थी। अपने करियर में डॉ. चिदंबरम विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहे। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 79,530/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 90,095/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 19^0

इंटरपोल के अलर्ट-मैसेज ने पर्यटन एजेंसियों को चौंकाया

पाकिस्तान आए तो सेक्स या ड्रग्स रैकेट में फंसे और लुटे

पाकिस्तान में हो रहे सारे गंदे धंधे की सरगना है आईएसआई

मानव से लेकर ड्रग्स की तस्करी तक में लिप्त है आईएसआई

इंटरपोल के जरिए मिली संवेदनशील अलर्ट सूचना को भारत की खुफिया एजेंसियों ने अन्य एजेंसियों के साथ साझा किया है। इंटरपोल ने कहा है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई मानव अंग (ऑरगन) के काले कारोबार से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सेक्स रैकेट के लिए लड़कियों की तस्करी और ड्रग्स के धंधे में बुरी तरह लिप्त है। पाकिस्तान जाने वाले पर्यटकों को इस बारे में अलर्ट किया गया है कि आर्थिक बदहाली से घिरा पाकिस्तान किसी भी जरायम धंधे से परहेज नहीं कर रहा और इसमें पाकिस्तानी एजेंसी पूरी तरह मुब्तिला है।

इंटरपोल के अलर्ट मैसेज के मुताबिक पाकिस्तान के हवाई

अड्डे विदेशी पर्यटकों के लिए चूहे फंसाने वाले जाल की तरह बन गए हैं। यहां जो आया, वह संगठित अपराध और भ्रष्टाचार के जाल में फंसा। लगभग ध्वस्त हो चुकी अर्थव्यवस्था और बढ़ती चुनौतियों के साथ, पाकिस्तान एक चिंताजनक मोड़ पर पहुंच चुका है जो इसे एक असफल राज्य के दायरे में जल्दी ही ले जाने वाला है। चरमपंथी इस्लामिक विचारधारा, आतंकवाद का पालन-पोषण और जड़ तक समाया भ्रष्टाचार पाकिस्तान को वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरे के रूप में बदल रहा है। इस खतरनाक वास्तविकता को जोड़ते हुए इंटरपोल की रिपोर्ट देखें तो पता चलता है कि पाकिस्तानी हवाई अड्डे बेखबर विदेशी नागरिकों, विशेष रूप से बड़ी मात्रा में नकदी के साथ यात्रा करने वालों के लिए चूहे के जाल की मानिंद बन गए हैं।

शुभ-लाभ चिंता

इस्लामाबाद के एक मुखबिर ने इंटरपोल को बताया है कि कराची और इस्लामाबाद जैसे प्रमुख हवाई अड्डों पर आने वाले विदेशी आगंतुकों को आव्रजन, सीमा शुल्क और खुफिया विभागों के भीतर संचालित संगठित अपराध सिंडिकेट द्वारा बड़े ही सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। यह सिंडिकेट आने वाले यात्रियों पर नजर रखता है, खासकर उन पर जो बड़ी रकम लेकर आने की घोषणा करते हैं। उन आगंतुकों को बाकायदा चिन्हित किया जाता है और उन्हें निशाना बनाया जाता है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

दो दिवसीय वार्षिकोत्सव व चरण पादुका महोत्सव का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेपी नगर स्थित शुभ कन्वेंशन हॉल में दादी सैना के तत्वावधान में दादी धाम प्रचार समिति द्वारा दो दिवसीय वार्षिक उत्सव व चरण पादुका महोत्सव का आयोजन शनिवार को प्रातः 9 बजे शुरू हुआ। समिति के अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल, सचिव संजय चौधरी, कार्यक्रम संयोजक संजय नोपानी, बिमल जिलोका ने दादी भक्तों के साथ पूजन किया। तत्पश्चात अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। उपस्थित दादी भक्तों ने जय दादी के जयघोष से पूरे सभागार को गुंजायमान कर दिया। सुबह से ही बड़ी संख्या में दादी भक्तों ने कतारबद्ध खड़े होकर दिव्य दरबार व अखंड ज्योत के दर्शन किये। उसके पश्चात हैदराबाद से आई गायिका प्रियंका गुप्ता व भागलपुर की रिया शर्मा ने भगवान गणेश को मनाते हुए नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी। उन्होंने संगीतमय मंगलपाठ के वाचन के साथ श्री दादी बोलो जय दादी बोलो, नारायणी जग दायनी बोलो, दादी दादी बोल दादी सुण लेसी, हम को तो झुंझनु जाना जी बुलावा आये चाहें ना आये, किस्मत वालों को मिलता है दादी दरबार, जब कोई नहीं आता मेरी दादी आती हैं, मेरे दुःख के दिनों में वो काम आती है, आदि भजनों पर प्रस्तुति दी। इस मौके पर दादी मंगलपाठ की पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर बंगाल की तर्ज पर धुनि डांस सिंदूर खेला की प्रस्तुति हुई और उपस्थित सभी भक्तों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया। राणी सती का जन्मोत्सव व विवाह उत्सव और चुनड़ी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। संजीव खेतान व अनूप अग्रवाल की देखरेख में कोलकाता के कारीगरों द्वारा भव्य दरबार व दादी का श्रृंगार किया गया। संदीप नोपानी, अनूप अग्रवाल, अमित मोदी, संजय कयाल, शंकर सुल्तानिया, गंगाधर मोर, शंकर लाल मोदी, शशिकांत गुप्ता, राजेन्द्र बजाज, प्रमोद मोरारका, ओमप्रकाश पोद्दार सहित बड़ी संख्या में भक्तों ने उपस्थित होकर हाजरी लगाई।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु के सदस्यों ने हैदराबाद में स्वर्णोदय के 30वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु के 15 सदस्यों का एक समूह 30वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए शुक्रवार को हैदराबाद रवाना हुआ था। महावीर इंटरनेशनल एपेक्स द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम एनज-ीओ की दशकों की वैश्विक सेवा और प्रभाव का जश्न मनाता है। अध्यक्ष भारती छाजेड़ तलेसरा ने कहा कि इस वर्ष का सम्मेलन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि महावीर इंटरनेशनल स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और सशक्तिकरण जैसे विभिन्न सामाजिक कारणों पर काम करते हुए दुनिया भर के समुदायों के लिए समर्पित सेवा के 50 वर्ष पूरे कर रहा है। दुनिया भर में 350 से अधिक केंद्रों के साथ संगठन वंचितों के उत्थान के अपने मिशन को जारी रखे हुए है।

शोभा यात्रा का भव्य आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री चूरा जैन संघ द्वारा आयोजित मुमुक्षु बहुमान समारोह से पहले मामुलपेट में स्थित श्री सिमंधर स्वामी जैन मंदिर से शोभा यात्रा का भव्य आयोजन किया गया।

किलारी रोड स्थित श्री राजेन्द्र जैन भवन में चूरा निवासी भरत सालेसा की सुप-ुत्री कुमारी कृषि तथा धानसा निवासी मुकेश कटारिया संघवी की सुपुत्री कुमारी यांशी एवं कुमारी किंजल के मोक्ष मार्ग प्रस्थान की अनुमोदना स्वरूप तीनो का बहुमान पूज्य गुरुदेव वैराग्य रत्न विजयजी और पूज्य साध्वीजी भगवंत की निश्रा में जैन समाज की भव्य उपस्थिति में किया गया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शनेश्वर स्वामी देवस्थान होसा गुडदहल्ली में आयोजित वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने शनि भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। साथ ही बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

आरआर नगर तेरापंथ सभा भवन में श्री उत्सव प्रदर्शनी आज

50 प्रतिशत की छूट के साथ सर्वाइकल कैंसर की होगी टेस्टिंग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एबीटीएमएम द्वारा निर्देशित महिलाओं के सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता आत्मविश्वास को और पुष्ट करने के उद्देश्य से श्री उत्सव एक कदम स्वावलंबन की ओर का आयोजन तेरापंथ महिला मंडल आर.आर नगर द्वारा रविवार को आरआर नगर तेरापंथ सभा भवन में किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न प्रकार के घरेलू उत्पादन, हस्त निर्मित सामग्री, गहने, कपड़े, आकर्षक गेम्स के अतिरिक्त पकवान के भी कई स्टॉल लगेंगे। बेंगलूरु के अतिरिक्त अन्य शहरों की महिला उद्यमी भी इस प्रदर्शनी में भाग ले रही हैं। कुछ जरूरतमंद महिलाओं को स्वावलंबी करने के लिए स्टॉल निशुल्क भी दिए गए हैं। अध्यक्ष सुमन पटावरी ने इस अवसर पर महिला वर्ग के लिए सर्वाइकल कैंसर के टेस्टिंग पर 50 प्रतिशत की छूट की घोषणा की है। महिलाओं में बढ़ रहे इस घातक बीमारी की पूर्व जांच आज के समय की मांग है, जिसे देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। मंत्री पदमा मेहर, श्री उत्सव की संयोजिका आशा लोढा एवं सह-संयोजिका श्वेता कोठारी आयोजन की तैयारी में लगी हैं। मंडल की बहनों ने मेले के प्रचार हेतु अन्य क्षेत्रों में भी श्री उत्सव के पोस्टर्स लगाने में पूर्ण श्रम किया है।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 199 लोगों ने लिया लाभ

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलित कर गणेश वंदना से शिविर का शुभारंभ हुआ। कोयम्बत्तूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सकों डॉ. भाविका, डॉ. चिन्मय, डॉ. अंजलि, डॉ. कृतिन, डॉ. विजय कुमार की देखरेख में 199 लोगों ने अपने नेत्र की जांच करवाई। समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि गत वर्षों से नेत्र जांच शिविर का निरंतर आयोजन किया जा रहा है। हजारों जरूरतमंद लोगों ने चिकित्सीय परामर्श लेकर अपने नेत्रों की जांच करवाई। मोतियाबिंद आदि का ऑपरेशन करवा कर चश्में बनवाए। इस अवसर पर गवरीद-ेवी कानसिंह सिया, राजेशसिंह, निकिता राजपुरोहित, मूर्ति, शिला, यासीन, नंजुदस्वामी, सतीश गौड़ा, हरणी, नारायणप्पा आदि उपस्थित रहे।

सीएम के विधानसभा क्षेत्र में दलित परिवार को सामाजिक बहिष्कार का करना पड़ रहा सामना

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के वरुणा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मैसूरु के श्रीनिवासपुरा गांव में एक दलित परिवार को पंचायत के आदेश का उल्लंघन करने के लिए गांव के प्रधानों ने बहिष्कार कर दिया है। मुख्यमंत्री के जन्मस्थान सिद्धरामैया के गांव सिद्धरामैया के पास स्थित श्रीनिवासपुरा विवाद का केंद्र बन गया है। दलित परिवार ने दावा किया कि गांव के प्रधान चिक्कदैया, बसवैय्या, मोटा महादेवैया और पूर्व ग्राम पंचायत सदस्य महादेवैया ने उनके परिवार का बहिष्कार करने का आदेश जारी किया है। परिवार के अनुसार, सुरेश के परिवार पर

बहिष्कार तब लागू किया गया जब उन्होंने पंचायत द्वारा उन पर लगाए गए 15,000 रुपये के जुर्माने का भुगतान करने से इनकार कर दिया। परिवार ने कहा कि प्रमोद और सुरेश के बीच झगड़ा हुआ था, जिसके बाद बुजुर्गों ने इस मामले पर बैठक की। विवाद के दौरान, प्रमोद के साथियों ने कथित तौर पर सुरेश के घर में घुसकर काफी नुकसान पहुंचाया। इस घटना को लेकर गांव के मुखियाओं ने एक और बैठक बुलाई और दोनों पक्षों पर जुर्माना लगाया। प्रमोद पर 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया, जबकि सुरेश पर 15,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। हालांकि, सुरेश ने इस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई और जुर्माना भरने से इनकार कर दिया। उसके इस कदम से नाराज गांव के मुखियाओं ने आरोप लगाया कि उसने उनका अपमान किया है और आदेश पारित किया कि जुर्माना भरने तक गांव का कोई भी परिवार सुरेश के परिवार से संपर्क नहीं करेगा। इसके परिणामस्वरूप सुरेश और उसकी मां महादेवम्मा को अलग-थलग कर दिया गया और गांव के लोग उनसे संपर्क करने से बच रहे हैं। उन्हें गांव में होने वाले त्योहारों, समारोहों और अंतिम संस्कारों से दूर रखा गया है।

गांव के मुखियाओं ने चेतावनी दी है कि इस आदेश का उल्लंघन करने वाले और बहिष्कृत परिवार से बातचीत करने वाले किसी भी व्यक्ति पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। सुरेश और महादेवम्मा ने इस मामले में जिला आयुक्त, तहसीलदार और पुलिस विभाग में शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि, उन्हें अभी तक न्याय नहीं मिला है।

कार्यालय में यौन उत्पीड़न का कथित वीडियो वायरल होने के बाद डीएसपी निलंबित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सोशल मीडिया पर एक महिला द्वारा यौन उत्पीड़न का कथित वीडियो सामने आने के बाद मधुगिरी पुलिस उप-धीक्षक (डीवाईएसपी) रामचंद्रप्पा को गिरफ्तार कर निलंबित कर दिया गया। गुरुवार को ही रामचंद्रप्पा के खिलाफ कथित यौन दुराचार का एक गंभीर मामला सामने आया था, जिसमें एक महिला शिकायतकर्ता के साथ अनुचित व्यवहार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। सूत्रों के अनुसार यह घटना कथित तौर पर तब हुई जब पावगड़ा की एक महिला भूमि विवाद के संबंध में शिकायत दर्ज कराने के लिए डीवाईएसपी के कार्यालय गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी कथित तौर पर महिला को कार्यालय के शौचालय के पास एक क्षेत्र में बहला-फुसलाकर ले गया, जहां उसके साथ दुर्व्यवहार हुआ। पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई और तब से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित हो रही है। इस घटना की तीखी आल-ोचना हुई है, क्योंकि यह गृह मंत्री डॉ. परमेश्वर के गृह जिले तुमकुरु में हुई। इसी बीच अधिकारी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 68 (अधिकार में किसी व्यक्ति द्वारा यौन संबंध), 75 (यौन उत्पीड़न) और 78 (पीछा करना) के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और अतिरिक्त अधीक्षक रैंक का एक अधिकारी इसका नेतृत्व करेगा।

बालोतरा पुलिस अधीक्षक का सम्मान

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री अखिल भारतीय सिवाना जैन संगठन द्वारा वर्ष 2024 के लिए सिवाना उत्सव समारोह में भाग लेने आए युवा आईपीएस अधिकारी बालोतरा सिवाना के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुन्दन कुंवरियां का दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति सदस्य (जेडआरयूसीसी) समाजसेवी महेन्द्र सिंघी के नेतृत्व में सिवाना उत्सव 2024 के मुख्य लाभार्थी परिवार के गौतम गोलेछा, भारतीय जैन संघठना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौतम बाफना, दक्षिण भारत बिश्नोई महासभा के अध्यक्ष बीरबल बिश्नोई, समाजसेवी समुन्दर सिंह राठौर, समर्पण ग्रुप के अध्यक्ष जसराज लुनिया, यात्रा के चेयरमैन मदन तातेड़, वाइस चेयरमैन सुभाषचंद्रा डंक व अन्य ने सम्मान किया।

अतुल सुभाष आत्महत्या मामला

अदालत ने पत्नी व दो अन्य को दी जमानत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु की एक अदालत ने शनिवार को टेकी अतुल सुभाष आत्महत्या मामले में तीन आरोपियों को जमानत दे दी। अतुल सुभाष की पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा सिंघानिया और साले अनुराग सिंघानिया द्वारा दायर जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के बाद अदालत ने यह फैसला सुनाया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक 29वीं सीसीएच कोर्ट में जमानत याचिकाओं की सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक (एस-पीपी) ने आरोपियों को जमानत देने के खिलाफ दलील दी, लेकिन अदालत ने आखिरकार उन्हें जमानत देने का आदेश दिया।

गौरतलब है कि हाई-प्रोफाइल टेकी आत्महत्या मामला अतुल सुभाष को उनकी पत्नी निकिता सिंघानिया और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा कथित रूप से परेशान किए जाने के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसके कारण उन्होंने आत्महत्या कर ली। अतुल का परिवार न्याय की मांग कर रहा है और उनके पिता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अपने पोते की कस्टडी सुनिश्चित करने की भी अपील की है। इससे पहले, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इसी मामले में निकिता के चाचा सुशील सिंघानिया को अग्रिम जमानत दी थी। तीनों आरोपियों को दिसंबर 2024 में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सीसीटीवी क्लिप में हुआ खुलासा

पुलिसकर्मी पर आक्रामकता का आरोप गलत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी पुलिस 29 दिसंबर को उडुपी के श्री कृष्ण मठ में हुए विवाद की जांच कर रही है, जिसमें आठ अय्यप्पा भक्त और मठ के कर्मचारी शामिल थे। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि ड्यूटी पर तैनात पुलिस कांस्टेबल रवींद्र हेब्बार, जिस पर आक्रामकता का आरोप लगाया गया था, दोषी नहीं है। जांच से परिचित सूत्रों ने बताया कि दो कैमरों से सीसीटीवी फुटेज की

समीक्षा की गई, दोनों से पता चलता है कि भक्त ही हमलावर थे। कथित तौर पर एक रिकॉर्डिंग में सादे कपड़ों में हेब्बार को भक्तों द्वारा धक्का दिए जाने के बाद एक तरफ खड़े देखा जा सकता है, जिससे उसकी नाक से खून बह रहा है।

अधिकारियों ने उल्लेख किया कि पहली घटना सीमित सीसीटीवी कवरेज वाले क्षेत्र में हुई थी।

हालांकि यह फुटेज अनिर्णायक है, लेकिन यह सुझाव नहीं देता है कि हेब्बार ने टकराव शुरू किया था। दूसरी रिकॉर्डिंग, जो स्पष्ट दृश्य प्रस्तुत करती है, कथित तौर पर भक्तों को मठ प्रबंधक के साथ हाथापाई करते हुए दिखाती है, जिसके कारण मठ के कर्मचारियों ने जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान, हेब्बार को हाथापाई में शामिल हुए बिना, कुछ दूरी पर अपनी चोट का इलाज करते हुए देखा गया। उडुपी के पुलिस अधीक्षक डॉ. अरुण के ने पुष्टि की कि सीसीटीवी फुटेज से जांच में मदद मिल रही है। हम आक्रामकता के कारण का पता लगाएंगे और जल्द ही अदालत को अंतिम रिपोर्ट सौंपेंगे। उडुपी टाउन पुलिस स्टेशन में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और आठ अय्यप्पा भक्तों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि आरोप लगाए गए थे कि हेब्बार ने भक्तों पर हमला किया और गैरकानूनी तरीके से काम किया, लेकिन जांच में अब तक इन दावों की पुष्टि नहीं हुई है।

ठेकेदार सचिन पंचाल आत्महत्या मामले की हो सीबीआई जांच: विजयेन्द्र

सिद्धरामैया के खिलाफ कांग्रेस में जंग शुरू हो चुकी है

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ कांग्रेस में जंग शुरू हो चुकी है। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा मैं सीएम सिद्धरामैया की भविष्यवाणी कर रहा हूं या मेरी राजनीतिक गणना, यह आने वाले दिनों में पता चलेगा। लेकिन एक बात सच है कि डीके शिवकुमार की अनुपस्थिति में सिद्धरामैया द्वारा प्रायोजित डिनर पार्टी इस बात का सबूत है कि राज्य सरकार में सब कुछ ठीक नहीं है। उन्होंने विश्लेषण किया कि यह स्पष्ट है कि उनके विरोधी गुट भी उन्हें मुख्यमंत्री पद पर बनाए रखने के लिए तैयार नहीं हैं। जानकारी सामने आ रही है कि बजट के बाद सिद्धरामैया इस्तीफा देंगे और केंद्र में इस बात पर चर्चा हो चुकी है। उन्होंने बताया कि उन्होंने राजनीतिक पासा पलटने के लिए शुक्रवार को एक प्रस्तावना लिखी थी क्योंकि बजट के बाद सिद्धरामैया को इस्तीफा देना होगा।

सचिन पंचाल की आत्महत्या के मामले में प्रियांक खड़गे के गुलबर्गा स्थित घर की घेराबंदी की जा रही है। प्रियांक के करीबी दोस्त कांग्रेस नेता राजू कपानूर के धमकियों से तंग आकर सचिन ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि मृतक के परिवार के अनुरोध पर हम पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने प्रियांक खड़गे के इस्तीफे की मांग करते हुए यह भी बताया कि उन्होंने महाराष्ट्र के सुपारी किलरों को हिंदू-भाजपा नेताओं की हत्या के लिए उकसाया था। मुख्यमंत्री पर भरोसा मत करो। मुझे कोई उम्मीद नहीं है कि आपको न्याय मिलेगा। आपकी ही पार्टी में आपके खिलाफ साजिश हो रही है। प्रियांक खड़गे के लिए कोई नहीं बोल रहा। उन्होंने कहा कि उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और गणपति आत्महत्या मामले में मंत्री जॉर्ज के इस्तीफे की तर्ज पर सीबीआई जांच का सामना करना चाहिए। राज्य में 736 से अधिक मातृ मृत्यु दर्ज की गई है और एक हजार से अधिक नवजात शिशुओं की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि मौतों का यह सिलसिला अभी भी जारी है और इसके लिए उन्होंने खराब दवा और राज्य सरकार की विफलता को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने मृतक के परिवार को कोई मुआवजा नहीं दिये जाने की आलोचना की। विजयेंद्र ने मांग की कि स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर को इस संबंध में इस्तीफा देना चाहिए।

केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने मातृवंदना, इंद्रधनुष समेत गौवंश और गाय से जुड़ी कई योजनाएं दी हैं। राज्य में ऐसी परियोजनाओं को काटा जा रहा है। राज्य सरकार को मृतक के परिवार को 25 लाख का मुआवजा देने की घोषणा करनी चाहिए। उन्होंने नवजात शिशुओं की मौत पर मुआवजे की मांग की। राज्य सरकार ने बस किराया 15 फीसदी बढ़ा दिया है। इसका कारण ऊर्जा परियोजना को वित्तपोषित न कर पाना है। ट्रांसपोर्ट कंपनियों को हजारों करोड़ का नुकसान हो रहा है। ऐसी स्थिति है कि ट्रांसपोर्ट कंपनी बंद हो रही है। विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि सरकार ऐसे लिख रही है जैसे यह महिलाओं के लिए मुफ्त है और पुरुषों के लिए बोझ है। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के कारण वित्तीय स्थिति खराब हो गई है। सबसे ज्यादा बजट पेश करने वाले सिद्धरामैया यहां वित्त विभाग का प्रबंधन भी ठीक से नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से राज्य की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र लाने की मांग की। रामलिंगारेड्डी का कहना है कि सभी सरकारों में बस और बिजली का किराया बढ़ाया गया है। रामलिंगारेड्डी को ध्यान देना चाहिए कि उन्हें किस सरकार में और किस कारण से पदोन्नत किया गया है। इसलिए रामलिंगारेड्डी हम पर उल्लू बनाने का काम न करें। ठेकेदार की आत्महत्या, सुपारी किलर की नियुक्ति गंभीर मामला है। प्रियांक खड़गे के लिए सॉफ्ट कॉर्नर का सवाल ही नहीं उठता। अगर मैं वरुणा में चुनाव लड़ता तो आपके सिद्धरामैया की क्या हालत होती, ये आप सिद्धरामैया से पूछिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि एक मंत्री के तौर पर आपको मेरे बारे में अहंकारपूर्वक बोलने के बजाय जिम्मेदारी से बोलना चाहिए। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा मैंने युवावस्था में प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर एक साल बिताया है। हमारे वरिष्ठों और बुजुर्गों ने हमें मौका दिया है। मैंने एक साल में कड़ी मेहनत की है।

कैबिनेट में फेरबदल हाईकमान के फैसले पर छोड़ा गया है: मंत्री एमबी पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि पिछड़े वर्ग के मंत्रियों द्वारा अलग से बैठक करने में कोई बुराई नहीं है। समुदाय के नेताओं के लिए बार-बार मिलना और मुद्दों पर चर्चा करना आम बात है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के रूप में रात्रिभोज में मंत्रियों के शामिल होने में कुछ भी गलत नहीं है। ओक्कालिगा समुदाय के नेताओं ने एक बैठक की है। आने वाले दिनों में लिंगायत समुदाय के नेता दोपहर के भोजन पर भी मिल सकते हैं। इसलिए इसे गलत कहना उचित नहीं है।

अहिंदा समुदाय के मंत्रियों ने मुद्दों पर चर्चा की है। पहले भी ऐसी कई बैठकें हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह दिखावा करना अनावश्यक है कि बैठक होते ही नेतृत्व परिवर्तन, मंत्रिमंडल में फेरबदल और असंतोष है।

उन्हें कैबिनेट फेरबदल की कोई जानकारी नहीं है। यह मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का विशेषाधिकार है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हाईकमान के निर्देश के आधार पर निर्णय लेंगे। यह सही नहीं है कि भाजपा विधान परिषद सदस्य सीटी रवि ने मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर का अनकहे शब्दों में अपमान किया।

इसे लेकर राज्य भर में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। सबने निंदा की। मामले की जांच सीआईडी कर रही है और जल्द ही सच सामने आएगा। बीदर के ठेकेदार सचिन पंचाल आत्महत्या मामले में मंत्री प्रियांक खड़गे की कोई भूमिका नहीं है।

उन्होंने इस बात पर आक्रोश व्यक्त किया कि भाजपा राजनीतिक अस्तित्व की खातिर असंबद्ध मुद्दों को आगे बढ़ाकर विरोध करेगी। इससे पहले लोक निर्माण विभाग और जिला प्रभारी मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि उनके बेंगलूरु आवास पर रात्रिभोज बैठक में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और अन्य कैबिनेट सहयोगियों ने भाग लिया और 2028 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता में बनाए रखने के लिए शासन में सुधार जैसे मुद्दों पर चर्चा की। बताया जा रहा है कि कैबिनेट फेरबदल और केपीसीसी अध्यक्ष पद जैसे मुद्दों पर चर्चा नहीं हुई क्योंकि उन्हें आलाकमान द्वारा तय किया जाना है। जारकीहोली ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि गुरुवार शाम को हुई कैबिनेट बैठक के बाद रात्रिभोज बैठक तय की गई थी। मेरे आवास पर इस तरह की रात्रिभोज बैठकें करीब 10 बार हो चुकी हैं और मैं भी मुख्यमंत्री के आवास पर उनमें शामिल हुआ हूं। इसे राजनीतिक महत्व देने की कोई जरूरत नहीं थी क्योंकि कुछ कैबिनेट सहयोगी दौरे पर होने और अन्य कारणों से इसमें शामिल नहीं हो सके। जैसे ही हम नए साल में प्रवेश कर रहे थे, यह तय किया गया कि हम सभी एक साथ मिलकर चर्चा कर सकें। अलग-अलग क्षेत्रों के लोग भी मिलते हैं और हम मंत्रियों ने भी इसे आयोजित किया। उन्होंने कहा कि अटकलों के चलते राजनीति पर चर्चा नहीं हुई, लेकिन हमने शासन और 2028 के विधानसभा चुनाव में सत्ता बरकरार रखने के मुद्दे पर बातचीत की।

गंगोली ग्राम पंचायत परिसर में धार्मिक प्रार्थना को लेकर विवाद

विधायक ने जताया विरोध

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कुंडापुरा तालुक के गंगोली ग्राम पंचायत में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान एक मुस्लिम मौलवी द्वारा धार्मिक प्रार्थना और हिंदू निर्वाचित सदस्यों द्वारा होम कराए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। मौलवी द्वारा की गई प्रार्थना की निंदा करते हुए बिंदूर विधायक गुरुराज गंटीहोल ने हिंदू हित रक्षा समिति के साथ मिलकर पंचायत कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

गुरुवार को शपथ ग्रहण समारोह के दौरान, नामित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने कथित तौर पर ग्राम पंचायत परिसर में धार्मिक प्रार्थना - होम अनुष्ठान और एक मुस्लिम प्रार्थना की। प्रार्थना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। गंटीहोल ने कांग्रेस पर एसडीपीआई के साथ गठबंधन करने का आरोप लगाया। उन्होंने पंचायत भवन के भीतर धार्मिक प्रार्थना आयोजित करने के लिए एसडीपीआई के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा हम कांग्रेस का विरोध करते हैं, जिसमें किसी भी वैचारिक प्रतिबद्धता का अभाव है, जो अपने राजनीतिक लाभ के लिए सरकारी भवनों में अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देती है। एक तरफ, कांग्रेस एसडीपीआई पर प्रतिबंध लगाने की मांग करती है। दूसरी ओर, उसने सत्ता में आने के लिए एसडीपीआई के साथ गठबंधन किया है। सत्ता के लिए अपने सिद्धांतों से समझौता करके, कांग्रेस ने दिखाया है कि उनकी प्राथमिकता केवल सत्ता में है। 8 दिसंबर को ग्राम पंचायत की 33 सीटों के लिए हुए चुनावों में, कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने 12 सीटें हासिल कीं, भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने 12 और एसडीपीआई समर्थित उम्मीदवारों ने छह सीटें जीतीं। एसडीपीआई के समर्थन से, कांग्रेस पंचायत में सत्ता में आई। इसके अनुसार, कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार जयंती खारवी अध्यक्ष बनीं और एसडीपीआई समर्थित सदस्य मोहम्मद तबराज उपाध्यक्ष चुने गए। मोहम्मद तबराज ने कहा जब अध्यक्ष जयंती खारवी ने होम' किया, तो हमारे धार्मिक नेता ने गांव के कल्याण के लिए दुआ की। हालांकि, भाजपा नेताओं ने दुआ करने पर आपत्ति जताई।

सचिन आत्महत्या मामले में न्याय मिलने तक भाजपा चैन से नहीं बैठेगी

कांग्रेस सरकार ने पवन को छोड़कर बाकी सभी चीजों पर लगाया टैक्स: आर.अशोक

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी नेता आर. अशोक ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने पवन को छोड़कर बाकी सभी चीजों पर टैक्स लगा दिया है। ठेकेदार सचिन की आत्महत्या के मामले में प्रियांक खड़गे को मंत्री पद से इस्तीफा देने की मांग करते हुए कलबुर्गी में जगत सर्कल के पास एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर बातचीत के दौरान उन्होंने आपत्ति जताई कि उन्होंने दूध, पेट्रोल, शराब, बिजली, बस शुल्क सहित सभी कीमतें बढ़ा दी हैं। सचिन की आत्महत्या का कारण बनने वाला राजू कपानूर एक गुंडा है। कांग्रेसियों ने उन्हें गुंडा एक्ट से हटा दिया था। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि वे कह रहे हैं कि यह हमारा नहीं है। यह नोट किया गया कि पहले 3 आरोपी कांग्रेसी थे। उन्होंने कहा कि आत्महत्याएं कराने वाली इस भ्रष्ट सरकार को उचित सबक सिखाया जाना चाहिए। उन्होंने ऐलान किया कि जब तक सचिन आत्महत्या

मामले में न्याय नहीं मिल जाता, तब तक बीजेपी चैन से नहीं बैठेगी। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने प्रियांक खड़गे से सवाल किया कि क्या मंत्री बनने के लिए योग्यता कोटा या भुगतान कोटा है।

उन्होंने आपत्ति जताई कि यह बाबा साहब अंबेडकर द्वारा हमें दिए गए संवैधानिक अधिकार का दुरुपयोग है। उन्होंने आलोचना की कि अन्य दलितों को कुचला गया और दफनाया गया। हम यहां आपकी संपत्ति छीनने के लिए नहीं हैं।

लोग आपके बारे में राय बनाते हैं। विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने कहा कि राज्य में सुपारी की राजनीति नहीं हो सकती। उन्होंने मांग की कि यहां सिर्फ संवैधानिक राजनीति होनी चाहिए। कलबुर्गी के लोग ऐसे राजनेताओं को अनुमति नहीं देंगे। विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार ने कहा प्रियांक खड़गे खुद को दुनिया का सबसे स्मार्ट इंसान समझते हैं। उन्हें लगता है कि उनसे ज्यादा बुद्धिमान कोई नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर खड़गे में इंसानियत, साहस और ताकत है तो सचिन के घर जाएं। जब सचिन की बहनें पुलिस स्टेशन गईं तो पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। इस मौके पर भाजपा प्रदेश महासचिव पी. राजीव, प्रदेश उपाध्यक्ष एन. महेश, पूर्व सांसद डॉ. उमेश जाधव, विधायक बसवराज, डॉ. शैलेन्द्र बेलडाले, शरणु सलगारा, पूर्व विधायक राजकुमार पाटिल तेलकुर, विधान परिषद सदस्य बी.जी. पाटिल, विधान परिषद के पूर्व सदस्य अमरनाथ पाटिल, पूर्व विधायक दत्तात्रेय पाटिल रेवूर, तत्काल पूर्व राज्य सचिव जगदीश हिरेमानी, कलबुर्गी शहर जिला अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल, कलबुर्गी ग्रामीण जिला अध्यक्ष शिवराज पाटिल और पार्टी नेता उपस्थित थे।

खाद्य सामग्री की आपूर्ति के लिए

निविदा प्रणाली को संशोधित करने के राज्य सरकार का फैसला बरकरार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक उच्च न्यायालय की कलबुर्गी पीठ ने पिछड़ा वर्ग विभाग द्वारा संचालित स्कूलों और कॉलेजों को खाद्य सामग्री की आपूर्ति के लिए निविदा प्रणाली को संशोधित करने के राज्य सरकार के फैसले को बरकरार रखा है। बदलावों में तालुक-स्तर से जिला-स्तर की निविदाओं में बदलाव और निविदा अवधि को एक वर्ष से बढ़ाकर दो वर्ष करना शामिल है, जिसे न्यायमूर्ति सूरज गोविंदराज ने न तो मनमाना और न ही अनुचित माना। यह फैसला तब आया जब अदालत ने पिछले बोलीदाताओं द्वारा दायर याचिकाओं के एक बैच को खारिज कर दिया, जिन्होंने अगस्त 2024 की निविदा अधिसूचना को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि पहले की तालुक-वार, एक वर्षीय निविदा प्रणाली ने स्थानीय ठेकेदारों को आसानी से भाग लेने की अनुमति दी, जिससे परिवहन लागत कम हुई और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण सुनिश्चित हुआ। उन्होंने दावा किया कि नई जिला-स्तरीय प्रणाली, उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ मिलकर, छोटे, स्थानीय ठेकेदारों को प्रभावी रूप से बाहर कर देती है। न्यायालय ने निविदा के मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों की जांच की और पाया कि राज्य ने तालुक-स्तरीय निविदा प्रणाली की अपर्याप्तता और जिला-स्तरीय निविदा प्रणाली के लाभों का लाभ उठाने के लिए नीतिगत निर्णय लिया। केवल इसलिए कि इस न्यायालय के समक्ष याचिकाकर्ताओं में से कुछ निविदाकर्ता अयोग्य हो जाएंगे, निविदा को मनमाना या अनुचित नहीं बनाया जा सकता। कर्नाटक में 31 जिले हैं, इसलिए 31 निविदाएं जारी की जाएंगी और आपूर्ति की निगरानी जिला स्तर पर की जाएगी। निविदा दस्तावेज और शर्तें सभी जिलों पर समान रूप से लागू होने के कारण, उक्त निविदा दस्तावेज से कोई भेदभाव नहीं होता है क्योंकि नियम और शर्तें प्रत्येक जिले के लिए समान होंगी। अदालत ने कहा निविदा की समय अवधि में वृद्धि अपने आप में सफल निविदाकर्ता के हित में होगी क्योंकि सफल निविदाकर्ता को निविदाकर्ता द्वारा किए गए किसी भी खर्च या निवेश को वसूलने के लिए दो साल का समय मिलेगा और इस तरह, निविदा की लंबाई और अवधि को ध्यान में रखते हुए, प्रतिभागी उस आय को ध्यान में रखते हुए अपनी बोलियाँ भी प्रस्तुत कर सकते हैं जो वे समय अवधि में अर्जित कर सकते हैं। निविदा की अवधि को एक वर्ष से बढ़ाकर दो वर्ष करना भी राज्य द्वारा विशेषज्ञ रिपोर्टों के आधार पर लिया गया नीतिगत निर्णय है।

एमसीसी की आम बैठक में पेयजल मुद्दे पर भाजपा, कांग्रेस में झड़प

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) की आम बैठक में उस समय हंगामा मच गया, जब भाजपा और कांग्रेस के सदस्यों के बीच पेयजल मुद्दे पर तीखी नोकझोंक हुई। विपक्षी सदस्यों ने मेयर मनोज की आलोचना की और एमसीसी आयुक्त पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। एमसीसी सदस्य अब्दुल रवूफ ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर आयुक्त के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप झूठे साबित हुए

तो वह सदस्यता से सेवानिवृत्त हो जाएंगे। रवूफ ने गंभीर चिंता जताई, जिसमें एमसीसी अधिकारियों की भर्ती में भ्रष्टाचार, 20 साल से अधिक समय से लंबित पूर्णता प्रमाण पत्रों की फाइलों को गलत तरीके से निपटाने और सदस्यों के फंड के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने मेयर से सरकार को पत्र लिखकर आयुक्त की गतिविधियों की जांच का अनुरोध करने का आग्रह किया।

कन्नड़ स्टार शिवराजकुमार को कैंसर से उबरने के बाद अमेरिकी अस्पताल से मिली छुट्टी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ फिल्म के दिग्गज डॉ. राजकुमार के बेटे कन्नड़ स्टार डॉ. शिवराजकुमार को कैंसर से पूरी तरह ठीक होने के बाद अमेरिका के मियामी स्थित अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। शनिवार को पारिवारिक सूत्रों ने इसकी पुष्टि की। शिवराजकुमार की बेटी निवेदिता ने एक तस्वीर साझा की है, जिसमें अभिनेता और परिवार को आराम करते हुए दिखाया गया है। सूत्रों ने आगे बताया कि शिवराजकुमार फॉलो-अप के लिए अमेरिका में रहेंगे और एक महीने तक आराम करेंगे और फरवरी के पहले या दूसरे सप्ताह तक शूटिंग के लिए वापस आ जाएंगे। उम्मीद है कि शिवराजकुमार जल्द ही तेलुगु सुपरस्टार रामचरण अभिनीत पैन इंडिया फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। इससे पहले, शिवराजकुमार

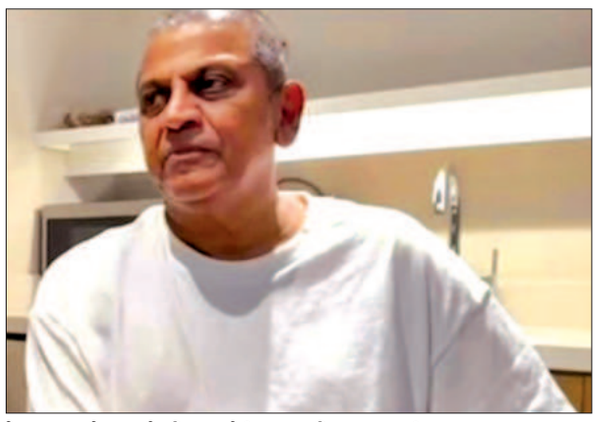

ने 2025 के पहले दिन अमेरिका से एक वीडियो साझा किया था, जिसमें कैंसर पर काबू पाने की अपनी यात्रा के बारे में विस्तार से बताया और प्रशंसकों को अपनी वापसी का आश्वासन दिया। वीडियो में, उन्होंने सभी को अपने नए साल की शुभकामनाएं दीं और कहा मैं बोलने में संकोच कर रहा हूं क्योंकि मैं इस समय भावुक हो सकता हूं। कर्नाटक छोड़ना मेरे लिए बहुत ही भावनात्मक अनुभव था। इन परिस्थितियों में डरना लाजिमी है, लेकिन मेरे प्रशंसकों के समर्थन ने इसे काफी हद तक कम कर दिया है। उन्होंने आगे कहा डॉक्टरों ने जिस तरह से मेरा ख्याल रखा, उससे मुझे बहुत हिम्मत मिली। फिल्म 45 की शूटिंग के दौरान मैंने कीमोथेरेपी करवाई और क्लाइमेक्स फाइट सीन भी फिल्माया। जैसे-जैसे इलाज के लिए अमेरिका जाने की तारीख नजदीक आई, मैं बेचैन हो गया। हालांकि, मेरी पत्नी गीता और बेटी निवेदिता पूरे समय मेरे साथ खड़ी रहीं। डॉ मनोहर, जिन्होंने मेरा इलाज किया, उन्होंने एक बच्चे की तरह मेरी देखभाल की। मेरा मूत्राशय बदल दिया गया है, लेकिन किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। मैं ठीक हूं और दोगुनी ऊर्जा के साथ वापस आऊंगा। मैं अपने सभी प्रशंसकों को उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। उनकी पत्नी गीता शिवराजकुमार, जो उनके साथ वीडियो में दिखाई दी थीं, ने कहा कि सभी मेडिकल रिपोर्ट निगेटिव आई हैं और आधिकारिक तौर पर यह घोषित किया गया है कि शिवराजकुमार कैंसर मुक्त हैं। उन्होंने कहा वह अपने प्रशंसकों की दुआओं की वजह से ठीक हुए और मैं इसे कभी नहीं भूलूंगी। अभिनेता ने मियामी, अमेरिका के एक अस्पताल में सर्जरी करवाई, जहाँ उनके कैंसरग्रस्त मूत्राशय को निकाला गया। सर्जन डॉ. मुरुगेश मनोहरन के अनुसार, शिवराजकुमार की आंत का उपयोग करके एक कृत्रिम मूत्राशय बनाया गया था। नवंबर में, शिवराजकुमार ने अपनी बीमारी के बारे में सार्वजनिक रूप से बात की थी, और स्वीकार किया था कि वह भी हर किसी की तरह इंसान हैं। हालाँकि उन्होंने उस समय यह नहीं बताया कि उन्हें कैंसर है, लेकिन उन्होंने कहा आखिरकार, मैं एक इंसान हूँ। मुझे स्वास्थ्य संबंधी समस्या है और मैं अभी इसका इलाज करवा रहा हूँ। मैंने कुछ उपचार सत्र पूरे कर लिए हैं, और कुछ और लंबित हैं। उसके बाद, मैं भारत या अमेरिका में सर्जरी करवाऊँगा।

ईडी अधिकारी बनकर गिरोह ने उद्यमी से लूटे 25 से 30 लाख रुपये

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों का भेष धारण करने वाले छह व्यक्तियों के एक गिरोह ने बंटवाल के कोलनाडु में एक घर से 25 से 30 लाख रुपये और पांच मोबाइल फोन लूट लिए। यह घटना शुक्रवार को रात करीब 8:10 बजे हुई। कोलनाडु निवासी और किसान मोहम्मद इकबाल (27) द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, जिनके पिता बीड़ी का व्यवसाय करते हैं, गिरोह तमिलनाडु पंजीकरण वाली कार में उनके घर पहुंचा। उन्होंने खुद को ईडी अधिकारी बताया और घर का निरीक्षण करने के आदेश का हवाला देते हुए छापेमारी करने का दावा किया। गिरोह ने घर में प्रवेश किया और परिवार के सदस्यों से पांच मोबाइल फोन जब्त कर लिए। तथाकथित निरीक्षण के दौरान, उन्हें इकबाल के पिता के कमरे में एक अलमारी में लगभग 25 से 30 लाख रुपये नकद मिले, जो कथित तौर पर व्यावसायिक

उद्देश्यों के लिए रखे गए थे। नकली लोगों ने इकबाल को धमकाते हुए कहा घर पर इतनी बड़ी मात्रा में नकदी रखने की अनुमति नहीं है। हम तुम्हें गिरफ्तार करेंगे और हिरासत में लेंगे। इसके बाद गिरोह रात करीब साढ़े दस बजे घर से निकल गया और दावा किया कि जब्त नकदी के दस्तावेज मुहैया कराए जाएंगे और यह रकम उनके बेंगलूरु कार्यालय से ली जा सकती है। बाद में अपने परिवार से घटना के बारे में चर्चा करने पर इकबाल को एहसास हुआ कि गिरोह ने ईडी अधिकारियों के रूप में काम करते हुए नकदी और मोबाइल फोन लूटने के लिए एक घोटाला किया है। इकबाल की शिकायत के आधार पर विट्टल पुलिस स्टेशन में बीएनएस एक्ट 2023 की धारा 319(2) और 318(4) के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। दक्षिण कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक यतीश एन, आईपीएस ने स्थिति का आकलन करने के लिए अपराध स्थल का दौरा किया और आरोपियों की तलाश में तेजी लाने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए।

भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर गौशाला योजना को खत्म करने का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में विपक्षी भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर राज्य में गायों की रक्षा के उद्देश्य से शुरू की गई गौशाला परियोजना को कथित रूप से बंद करने का आरोप लगाया है। पिछले भाजपा शासन के दौरान शुरू की गई इस योजना के तहत, पूरे राज्य में 35 गौशालाएँ स्वीकृत की गई थीं। भगवा पार्टी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार इस पहल को छोड़ रही है। गायों की रक्षा करना इस भूमि की संस्कृति की रक्षा करने जैसा है। कांग्रेस सरकार का रुख, जिसने हमारी पिछली सरकार के फैसले को छोड़ दिया है, जिसने सभी जिलों में एक गौशालय खोलने की परियोजना शुरू की थी, अलग दिख रहा है। मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए, पार्टी ने दावा किया कि पर्याप्त गायों की कमी के कारण गौशालाएँ बंद की जा रही हैं। भाजपा ने कहा गौशालाओं में गायों का न होना महज एक बहाना है। अगर इरादा सच्चा होता तो ये सुविधाएं पहले ही सक्रिय रूप से काम कर रही होतीं। हम कांग्रेस सरकार से गौशालाओं के संरक्षण और विकास की प्रतिबद्धता की उम्मीद कैसे कर सकते हैं, जो हमेशा गोमांस खाने वालों के बारे में चिंतित रहती है? कथित कदम की निंदा करते हुए भाजपा ने कहा कि इससे करोड़ों गौभक्तों की भावनाएं आहत हुई हैं। हालांकि, सिद्धरामैया सरकार ने स्पष्ट रूप से स्पष्ट किया है कि गौशाला योजना को खत्म करने का कोई फैसला नहीं हुआ है। कैबिनेट बैठक के बाद गुरुवार को पत्रकारों को जानकारी देते हुए कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच के पाटिल ने कहा कि कैबिनेट ने मौजूदा 14 गौशालाओं को मजबूत करने के लिए प्रशासनिक मंजूरी भी दी है। पाटिल के अनुसार 35 नई गौशालाओं पर काम शुरू हो गया है, जिनमें से 14 का काम पूरा हो चुका है। सरकार इन मौजूदा गौशालाओं को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

महिला ने पति की हत्या कर शव को टुकड़ों में काटा

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। बेलगावी में एक व्यक्ति की कथित तौर पर हत्या कर दी गई और उसके शव को उसकी पत्नी ने टुकड़ों में काट दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, 40 वर्षीय पति की पहचान श्रीमंथा इटनाली के रूप में हुई है, जिसकी उसकी पत्नी ने गला घोंटकर हत्या कर दी। यह घटना तब हुई जब दोनों के बीच जमीन और पैसे को लेकर झगड़ा हुआ। आरोपी ने पहले उसकी हत्या की और बाद में उसका चेहरा कुचल दिया। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि महिला ने बाद में अपने पति के शव को टुकड़ों में काट दिया, ताकि वह उसे ठिकाने लगा सके। बेलगावी पुलिस ने बताया कि उसके पति का शव 10 दिसंबर को चिक्कोडी तालुक के उमरानी गांव में मिला था। पुलिस के अनुसार, उन्हें शुरू में पीड़ित की पत्नी पर शक नहीं था, लेकिन बाद में उसे पूछताछ के लिए बुलाया गया। पहले तो उसने क्रूर कृत्य करने से इनकार किया, लेकिन बाद में उसने अपना अपराध कबूल कर लिया। आरोपी के अनुसार, उसका पति शराबी था और पैसे के लिए उस पर दबाव बनाता था। 8 दिसंबर को दोनों के बीच तब बहस शुरू हो गई जब पति ने अपनी पत्नी से अपनी जमीन बेचकर दोपहिया वाहन खरीदने के लिए कहा। एसपी के अनुसार उसने पहले उसका गला घोंटा और जब वह बेहोश हो गया, तो उसने पास में पड़े पत्थर से उसका चेहरा कुचल दिया। फिर उसने पत्थर को एक कुएं में फेंक दिया। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

ब्रेन डेड मलयाली छात्र के अंगों ने 8 लोगों को दी नई जिंदगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में नए साल के दिन सड़क दुर्घटना के बाद ब्रेन डेड घोषित किए गए मलयाली छात्र एलन अनुराज के अंगों ने आठ लोगों को नया जीवन दिया है। दान किए गए अंगों में हृदय, गुर्दे, अग्न्याशय, फेफड़े, यकृत और कॉर्निया शामिल थे और उन्हें कर्नाटक के विभिन्न अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया। कर्नाटक सरकार के मरणोपरांत अंग दान कार्यक्रम, जीवसार्थकथे ने अंग हस्तांतरण प्रक्रियाओं को कुशलतापूर्वक समन्वित किया और उपयुक्त प्राप्तकर्ताओं की पहचान की। अनुराज थॉमस और बिनी अनुराज के बेटे एलन अनुराज (19), एर्नाकुलम के पुथेनवेलिककारा के निवासी थे। वह बेंगलूरु के सप्तगिरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर में फिजियोथेरेपी के प्रथम वर्ष के छात्र थे। 1 जनवरी को बेंगलूरु में बाइक दुर्घटना में एलन गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रयासों के बावजूद, डॉक्टर उन्हें बचा नहीं पाए और यशवंतपुर के स्पर्श अस्पताल में उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। इसके बाद, एलन के परिवार ने उनके अंगों के दान के लिए अपनी सहमति दे दी।

प्रियांक खड़गे का विजयेन्द्र पर पलटवार

अगर हम सड़कों पर उतरे तो आपको घर खाली करना होगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने पर बी.वाई विजयेंद्र को सम्मानित किया जाएगा। लेकिन जैसी मुंह में वैसी बात करेंगे तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर हम सड़क पर उतरे तो आपको घर खाली करना होगा। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई विजयेंद्र के सचिन पंचाल आत्महत्या मामले में सुपारी दिए जाने के आरोप पर पलटवार किया। भाजपा सचिन पंचाल के परिवार वालों पर दबाव बना रही है। मामले को भटकाने के लिए बहुत कुछ किया जा रहा है। मामले की जांच सीआईडी पहले से ही कर रही है। उन्होंने कहा कि उन्होंने सचिन के परिजनों को आश्वासन दिया है कि मामले की पारदर्शी जांच कराई जाएगी। सीबीआई जांच के लिए आवेदन देने की जरूरत नहीं है। न्याय हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों को राजनीति न करते हुए जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। वे परिवार वालों पर धरने पर आने का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के मंत्री ईश्वर खंड्रे और लक्ष्मी हेब्बालकर ने सचिन के घर जाकर उन्हें सांत्वना दी और सरकार की ओर से आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया। पहले आत्महत्या करने वाले संतोष पाटिल के मामले में क्या भाजपा ने उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना देने की कोशिश की। इससे पहले 40 प्रतिशत कमीशन घोटाला, पीएसआई भर्ती, गंगा कल्याण योजना के पैसे का दुरुपयोग समेत कई घोटाले हुए। इसकी जानकारी भी उन्होंने सीबीआई को नहीं दी। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि अब हर मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की जा रही है। विजयेंद्र ऐसे बोलते हैं जैसे उनके मुंह में बात हो। उन्हें पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। उनके पिता ने क्या किया ये सभी जानते हैं। एक पूजनीय पिता तुरंत पूजनीय नहीं बन जाता। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बुद्ध, बसवा और अंबेडकर को मानने वाले लोग सड़कों पर आएंगे, तो उन्हें अपना घर खाली करना होगा। अगर आप सीटी रवि, आर अशोक द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा देखेंगे, तो आप भाजपा की संस्कृति को समझ जाएंगे।

24 साल से फरार व्यक्ति गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुल्की पुलिस ने 24 साल से फरार चल रहे किशोर कुमार नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला 22 मार्च 2000 का है। किल्पाडी गांव के कल्लगुड्डे निवासी सुधाकर भंडारी की शिकायत के अनुसार किशोर कुमार और अशोक ने कथित तौर पर उनकी संपत्ति पर अतिक्रमण किया, पेड़ गिराए और जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद किशोर कुमार फरार हो गया और अदालती कार्यवाही से बचता रहा। इस दौरान उसके खिलाफ एक लंबे समय से लंबित मामले (एलपीसी) का वारंट जारी किया गया। एक निश्चित सूचना के आधार पर, मुल्की पुलिस स्टेशन की पीएसआई अनीता एचबी ने पीसी वासुदेव और संदीप के साथ मिलकर किशोर कुमार को

शुक्रवार को गिरफ्तार किया। इसके बाद उसे अदालत में पेश किया गया। गिरफ्तारी अभियान शहर के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल के मार्गदर्शन और डीसीपी सिद्धार्थ गोयल और डीसीपी के रविशंकर के निर्देशन में चलाया गया। इस पहल का नेतृत्व मेंगलूरु के उत्तरी एसीपी श्रीकांत और मुल्की स्टेशन निरीक्षक विद्याधर डी. बैकेरीकर ने किया।

महिला चालकों वाली ई-ऑटो-रिक्शा में कचरा संग्रहण चुनौतीपूर्ण

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर की संकरी गलियों में इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा का उपयोग करके कचरा एकत्र करने की पहल को कई असफलताओं का सामना करना पड़ा है, क्योंकि यह काम आंशिक रूप से ही चल रहा है। कुछ वार्डों में, इन वाहनों के आवंटन के बावजूद, कथित तौर पर वे काम नहीं कर रहे हैं। बड़े कचरा ट्रकों के संकीर्ण क्षेत्रों तक पहुँचने में असमर्थ होने की समस्या को हल करने के लिए,

मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) ने छह महीने पहले 24 इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा शुरू किए। ये वाहन वर्तमान में स्टेट बैंक, हम्पनकट्टा और पचनाडी जैसे चुनिंदा क्षेत्रों में चल रहे हैं। योजना का उद्देश्य महिला नागरिक कार्यकर्ताओं, जो पहले से ही एमसीसी के कार्यबल का हिस्सा हैं, को वाहन चलाने के लिए प्रशिक्षित करके ड्राइवरों को नियुक्त करने के अतिरिक्त बोझ को कम करना है।

हालाँकि, इस पहल ने वांछित परिणाम प्राप्त नहीं किए हैं क्योंकि कई महिला नागरिक कार्यकर्ताओं का दावा है कि उन्हें सड़कों पर गाड़ी चलाने के लिए पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित नहीं किया गया था। एमसीसी के अधिकारियों ने नोट किया है कि इन वाहनों के लिए महिला ड्राइवरों का उपयोग करने से कचरा संग्रह में सहायता के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता होती है। एक अधिकारी ने बताया कर्मचारियों की कमी के कारण, योजना अपेक्षित रूप से काम नहीं कर रही है।

एमसीसी आयुक्त आनंद सी एल ने इन इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा के लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा चूंकि वे बिजली से संचालित होते हैं, इसलिए उनका रखरखाव आसान है, और ईंधन की लागत कम है। प्रत्येक वाहन की भार क्षमता 250 किलोग्राम है, जो इसे सड़क किनारे कचरा इकट्ठा करने के लिए उपयुक्त बनाता है, खासकर संकरी गलियों में। वर्तमान में, चयनित वार्ड इन वाहनों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर रहे हैं। पहल की क्षमता के बावजूद, परिचालन संबंधी चुनौतियाँ और स्टाफिंग के मुद्दे इसकी सफलता में बाधा बन रहे हैं।

डीके सांसद ने अमित शाह से की मुलाकात

विकास, सुरक्षा मुद्दों पर प्रकाश डाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ (डीके) के सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने शुक्रवार शाम को राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। बैठक के दौरान कैप्टन चौटा ने दक्षिण कन्नड़ क्षेत्र की सुरक्षा और विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित किया।

उन्होंने मेंगलूरु में एनआईए सेंटर की स्थापना, बैंकिंग और मत्स्य पालन के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और मेंगलूरु और बेंगलूरु के बीच रेलवे और सड़क संपर्क बढ़ाने की वकालत करते हुए एक पत्र सौंपा। कैप्टन चौटा ने अपने पत्र में कहा अगर इन पहलों को लागू किया जाता है, तो इससे क्षेत्र की सुरक्षा, आर्थिक विकास और सतत

विकास को काफी बढ़ावा मिलेगा।

बैठक के बारे में बोलते हुए कैप्टन चौटा ने कहा आज हमारे गृह मंत्री अमित शाह से मिलने का अवसर मिलना 2025 की शानदार शुरुआत है। मैंने तटरक्षक अकादमी, मत्स्य पालन और सहकारिता के पूरा होने सहित हमारे क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाला। मैंने आने वाले दिनों में पार्टी, राज्य और लोगों के लिए काम करने के लिए उनका मार्गदर्शन भी मांगा। सम्मान के प्रतीक के रूप में, कैप्टन चौटा ने केंद्रीय मंत्री को तुलुनाडु की प्रसिद्ध भैंस बैल दौड़, कंबाला को दर्शाती एक बड़ी तस्वीर भेंट की। कैप्टन चौटा पिछले आठ वर्षों से वार्षिक मेंगलूरु कंबाला के आयोजन का नेतृत्व कर रहे हैं।

नशे में धुत ड्राइवर से खुद को बचाने के लिए महिला ने चलती रिक्शा से लगाई छलांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु की एक महिला ने नशे में धुत ड्राइवर से खुद को बचाने के लिए चलती रिक्शा से छलांग लगा दी। महिला के पति ने सोशल मीडिया एक्स पर घटना के बारे में बताया कि यह घटना उस समय हुई जब महिला होरमावु से थानिसांद्रा के लिए ऑटो बुक कर रही थी।

चूंकि ड्राइवर नशे में था, इसलिए वह गलत दिशा में आगे बढ़ने लगा। महिला ने ड्राइवर को रुकने के लिए कहा, लेकिन वह हेब्बाल के पास गलत जगह पर गाड़ी चलाता रहा। इससे महिला को ऑटो रिक्शा से कूदने के लिए मजबूर होना पड़ा। मेरी पत्नी ने होरमावु से थानिसांद्रा, बेंगलूरु के लिए ऑटो बुक किया, लेकिन ड्राइवर नशे में था और उसे हेब्बाल के पास गलत जगह ले

गया। बार-बार उसे रुकने के लिए कहने के बावजूद, उसने उसकी बात नहीं सुनी, जिससे उसे चलती ऑटो से कूदने के लिए मजबूर होना पड़ा। उस व्यक्ति ने आगे कहा कि ऑपरेटर, नम्मा यात्री के पास आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर नहीं है। नम्मा यात्री सेवा की सबसे बड़ी कमी यह है कि इसमें कोई ग्राहक सहायता नहीं है। बेंगलूरु पुलिस को टैग करते हुए व्यक्ति ने कहा इसमें हमसे 24 घंटे तक इंतजार करने के लिए कहा गया है। किसी आपात स्थिति में 24 घंटे तक इंतजार करना कैसे संभव है? महिला की सुरक्षा कैसी है? उन्होंने पुलिस से उनकी शिकायत को गंभीरता से लेने और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया। बेंगलूरु पुलिस ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और अपनी जांच शुरू कर दी।

वक्फ सम्पत्ति बताकर हिंदुओं की दुकानों का सामान फेंकने वाले गिरफ्तार

राजकोट, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

गुजरात के राजकोट में हिंदुओं की दुकानों को वक्फ बोर्ड का आदेश दिखाकर जबरन दुकानों का सामान बाहर फेंकने के मामले में राजकोट पुलिस ने एक मस्जिद के ट्रस्टी समेत 8 अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने इसको लेकर जानकारी दी है कि ट्रस्ट द्वारा दुकानदारों को ये दुकानें किराए पर दी गई थीं, जो कि दीनपीठ इलाके में नवाब मस्जिद के भूतल पर स्थित हैं।

मस्जिद के ट्रस्टी फारूक मुसानी ने 31 दिसंबर को भीड़ के साथ पहुंचकर हिंदुओं की दुकानों से सामानों को बाहर फेंक दिया था। जिस दुकानदार की दुकान के सामान को बाहर फेंका गया, उनमें से एक वीरेंद्र कोटेचा का कहना है कि वे वहां पर 1962 से दुकान चला रहे हैं। ऐसा करने से पहले ट्रस्ट को कोई सूचना या नोटिस तो देनी ही चाहिए थी, लेकिन उसकी ओर से कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई थी।

गुजरात के राजकोट में पुलिस ने फारूक मुसानी समेत 8 उन लोगों को गिरफ्तार किया जिन्होंने वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति बताकर हिंदू दुकानदारों की दुकानों पर जबरन कब्जा कर लिया था और उनके सामान को सड़कों पर फेंक दिया था। इस मामले में पुलिस की कार्रवाई के बारे में जानकारी देते हुए गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष सांघवी ने कहा है कि सभी दुकानें खुल चुकी हैं और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और वक्फ बोर्ड के आदेश की वैधता की भी जांच की जा रही है। उन्होंने जो तस्वीर साझा की है, उसमें आरोपी फारूक और उसके साथी नजर आ रहे हैं।

दुकानदार वीरेंद्र भाई कोटेचा ने फारूक मुसानी और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसमें बताया गया कि यह हमला अचानक किया गया, बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के। कोटेचा ने कहा कि वक्फ बोर्ड के नियमों के अनुसार, कब्जे के लिए तीन महीने पहले नोटिस दिया जाता है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं हुआ। फारूक मुसानी ने 19 दिसंबर 2024 का एक कथित आदेश दिखाया और इसे आधार बनाकर दुकानों पर कब्जा कर लिया।

यह घटना 31 दिसंबर 2024 की रात को घटी थी, जब फारूक मुसानी के नेतृत्व में करीब 20-25 लोगों की भीड़ ने पुरानी दानपीठ इलाके में दो दुकानों के ताले तोड़ दिए और सामान सड़क पर फेंक दिया।

इस दौरान उन्होंने दावा किया था कि ये दुकानें वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति हैं और उन्हें खाली करवाना है।

हिंदू दुकानदारों ने स्पष्ट किया कि ये दुकानें दशकों से पट्टे पर ली गई हैं और वास्तव में ये जमीन पीडब्लू विभाग की है, न कि वक्फ बोर्ड की। दुकानदारों ने वक्फ बोर्ड के नाम पर हुई इस गुंडागर्दी से बचाव और न्याय की मांग की थी, जिसके बाद सक्रिय हुए प्रशासन ने उन हिंदू दुकानकारों को दुकानों का कब्जा वापस दिला दिया है। इस मामले में पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि ऐसी अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

उम्र 18 साल से कम तो नहीं खोल पाएंगे सोशल मीडिया अकाउंट

नई दिल्ली, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

सोशल मीडिया के बढ़ते दुरुपयोग और दुष्प्रभाव को देखते हुए केंद्र सरकार इस पर अंकुश लगाने के लिए जल्द ही नए कानून ला सकती है। अब 18 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिए अपने पेरेंट्स की मंजूरी लेना जरूरी होगा। यह नियम डेटा प्रोटेक्शन के नए ड्राफ्ट में है। सीधे शब्दों में बात करें तो कंपनियां बच्चों का डेटा तब तक इस्तेमाल या स्टोर नहीं कर सकतीं जब तक माता-पिता की तरफ से सहमति न हो। डेटा के लिए जिम्मेदार कंपनियों को यह जांचना होगा कि जो शख्स खुद को बच्चे का अभिभावक बता रहा है, वह खुद व्यस्क हो और अगर किसी कानून का पालन करने के संबंध में उसकी जरूरत पड़ती है तो उसकी पहचान की जा सके। केंद्र ने शुक्रवार को मसौदा नियम जारी किए और लोगों से आपत्तियां और सुझाव भेजने को कहा। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने शुक्रवार को एक अधिसूचना में कहा कि लोगों की प्रतिक्रिया आधिकारिक वेबसाइट पर प्रस्तुत की जा सकती है। मसौदा नियमों पर 18 फरवरी के बाद विचार किया जाएगा। यानी अभी इसमें बदलाव भी हो सकते हैं। यह बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा के लिए एक अहम बड़ा कदम है। केंद्र सरकार के ड्राफ्ट के अनुसार, डेटा के लिए जिम्मेदार कंपनियों को यह जांचना होगा कि जो शख्स खुद को बच्चे का अभिभावक बता रहा है, वह खुद व्यस्क हो और अगर किसी कानून का पालन करने के संबंध में उसकी जरूरत पड़ती है तो उसकी पहचान की जा सके। इसमें सबसे खास बात यह है कि डेटा कंपनियां इस डेटा को उतने वक्त तक ही स्टोर कर सकेंगी, जितने समय तक के लिए उन्हें लोगों ने मंजूरी दी है। इतना ही नहीं इसके बाद में इस डाटा को डिलीट करना होगा। ई-कॉमर्स, सोशल मीडिया और गेमिंग प्लेटफॉर्म डेटा के लिए जिम्मेदार कंपनियों की लिस्ट में आएंगे।

उपभोक्ताओं को यह पूछने का अधिकार होना चाहिए कि उनका डेटा क्यों इकट्ठा किया जा रहा है। साथ ही डेटा उल्लंघन के लिए 250 करोड़ रुपए तक का भारी जुर्माना भी है। कंपनियां लोगों का पर्सनल डेटा भारत से बाहर नहीं ले जा सकेंगी। कानूनी तौर पर ऐसे कुछ ही मामले होंगे जब डेटा को देश से बाहर लेने की सहमति होगी। डेटा प्रोसेसिंग की सभी कैटेगरीज को भी सार्वजनिक तौर पर बताना होगा। प्रोसेसिंग का मकसद भी बताना होगा। बता दें कि डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून साल 2023 में संसद से पास हुआ था।

बांदीपोरा में सेना का वाहन खाई में गिरा, चार जवान शहीद

बांदीपोरा, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार को सेना का एक वाहन खाई में गिर गया। हादसे में चार जवानों शहीद हो गए। दो जवान गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना जिले के एसके पायीन इलाके में हुई। सेना का वाहन सड़क से फिसलकर पास की खाई में गिर गया। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद बचाव अभियान शुरू कर दिया गया था। घायल जवानों को फौरन अस्पताल ले जाया गया। एमएस बांदीपोरा अस्पताल के डॉ. मसरत ने बताया कि दुर्घटना में

घायल हुए छह सैन्य कर्मियों को अस्पताल लाया गया था। उनमें से तीन को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल तीन फौजियों को श्रीनगर रेफर किया गया। इस दौरान एक और जवान ने रास्ते में दम तोड़ दिया।

कर्ण सिंह ने प्रियंका गांधी वाड्रा को प्रतिभाशाली बताया

नई दिल्ली, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कर्ण सिंह ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा को लेकर अहम टिप्पणी की है। कर्ण सिंह ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने काम के दौरान सीख रहे हैं और सुधार कर रहे हैं। उन्होंने प्रियंका गांधी वाड्रा की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक प्रतिभाशाली लड़की बताया है।

कांग्रेस से सबसे वरिष्ठ नेताओ में गिने जाने वाले कर्ण सिंह ने कहा कि, राहुल बहुत अच्छे युवक हैं। मैं उनसे बहुत प्रभावित हूं। कांग्रेस नेता ने आगे बताया कि, राहुल गांधी उनसे करीबी संपर्क में रहते थे, लेकिन हाल ही में उनका मेरा साथ उतना संपर्क नहीं रहा है। लेकिन मुझे लगता है कि उनकी हालत में सुधार हो रहा है। सिंह ने कहा, हर साल उनमें सुधार हो रहा है। मुझे लगता है कि वह काम करते हुए सीख रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल प्रधानमंत्री बनेंगे या नहीं, यह कयास का विषय है, लेकिन उनमें काफी क्षमता है और उनके पास खुद को तैयार करने का समय है।

कर्ण सिंह ने कहा कि वह प्रियंका गांधी वाद्रा को तब से जानते हैं जब वह बच्ची थीं। उन्होंने प्रियंका की प्रशंसा करते हुए कहा, वह काफी प्रतिभाशाली लड़की हैं। उनमें जीवंतता है। वह वाकई प्रतिभाशाली हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल का 36 साल की उम्र में हिस्सा बनने वाले कर्ण सिंह ने पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को अपना गुरु बताया। उन्होंने कहा, मैं उनके (इंदिरा गांधी के) साथ 10 साल तक कैबिनेट में था। मैंने उनका सबसे बेहतरीन पल बांग्लादेश की आजादी और उनका सबसे खराब पल आपातकाल देखा। सब देखा है। 1991 में राजीव गांधी की हत्या एक भयानक त्रासदी थी और उन्हें देश को इक्कीसवीं सदी में ले जाना था।

उन्होंने यह भी खुलासा किया कि 2006 में भारत के राष्ट्रपति पद के लिए उनकी उम्मीदवारी पर विचार किया गया था, लेकिन वामपंथी दलों ने इसे खारिज कर दिया था। 2006 में वामपंथी दलों के साथ एक बैठक में सोनिया गांधी ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा था, लेकिन वामपंथी दलों ने कहा, हम एक महाराजा को राष्ट्रपति कैसे बना सकते हैं। प्रतिभा पाटिल 2007 में राष्ट्रपति बनी थीं।

संगीत के शौकीन कांग्रेस नेता कर्ण सिंह अब भी गाते हैं और सप्ताह में एक बार रियाज करते हैं। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन) में काम कर चुके सिंह ने कहा कि उन्हें राष्ट्रपति न बनाए जाने का कोई अफसोस नहीं है। यह पूछे जाने पर कि 75 वर्ष के सार्वजनिक जीवन में क्या उनकी कोई ऐसी ख्वाहिश है जो पूरी नहीं हुई, तो सिंह ने हंसकर कहा, हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पे दम निकले, लेकिन दम निकलने वाली कोई ख्वाहिश नहीं है।

डोकलाम पहुंचे सिक्किम के राज्यपाल ओपी माथुर

सेना के जवानों से मिले, उनका हालचाल पूछा

गंगटोक, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने डोकलाम का दौरा किया और वहां तैनात सेना के जवानों से बातचीत की। 15,600 फीट की ऊंचाई पर स्थित डोकलाम 2017 में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुए संघर्ष के बाद सुर्खियों में आया था। यह भारत के लिए बेहद संवेदनशील रणनीतिक इलाका माना जाता है।

यात्रा के दौरान राज्यपाल ओम

प्रकाश माथुर के साथ राजस्थान के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा भी थे। राज्यपाल की यात्रा 8वें मील जेएन रोड पर गर्मजोशी से स्वागत के साथ शुरू हुई, जहां स्थानीय लोगों के साथ-साथ क्योंगनोसला ग्राम पंचायत के सदस्यों, वन विभाग और सिक्किम पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया।

राजस्थान से ताल्लुक रखने वाले ओपी माथुर ने डोकलाम में एक ओक का पेड़ लगाया।

उन्होंने पंचायत सदस्यों और स्थानीय लोगों के साथ विकास और पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा भी की। डोकलाम पहुंचने पर राज्यपाल का स्वागत 17वीं माउंटेन डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल एमएस राठौर ने किया। राज्यपाल ने सेना के जवानों से बातचीत करते हुए उन्होंने देश की सुरक्षा के लिए सैनिकों की अथक प्रतिबद्धता के प्रति आभार व्यक्त किया।

राज्यपाल ने भारतीय सेना के जवानों की बहादुरी, साहस और अटूट समर्पण की प्रशंसा करते हुए उनकी सराहना की। उन्होंने सैनिकों की निरंतर समर्पण भावना की सराहना की, जो देश की सुरक्षा और सम्मान की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राज्यपाल ने दुनिया के सबसे ऊंचे गोल्फ कोर्स कुपुप का भी दौरा किया। राज्य की राजधानी गंगटोक लौटते समय राज्यपाल माथुर डिचू गांव में रुके, जहां उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की। बातचीत के दौरान ग्रामीणों ने माथुर के साथ अपनी चिंताएं साझा कीं, जिन्होंने उन्हें राजभवन के माध्यम से आवश्यक सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया।

गुलमर्ग के गंडोला ने भी बनाया रिकार्ड

पिछले साल 10 लाख ने की सवारी, 12 करोड़ की कमाई हुई

जम्मू, 04 जनवरी (ब्यूरो)।

विश्व प्रसिद्ध टूरिस्ट प्लेस गुलमर्ग में स्थित गंडोला अर्थात केबल कार ने भी पिछले साल एक नया रिकार्ड स्थापित किया है। यह रिकार्ड इसकी सवार करने वालों के साथ ही इसकी कमाई का भी है। यह सच है कि जम्मू कश्मीर के सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में से एक के रूप में अपनी जगह को मजबूत करते हुए, एशिया की सबसे ऊंची और सबसे लंबी केबल कार, गुलमर्ग गंडोला ने 2024 में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, जिसने 1 मिलियन से अधिक पर्यटकों को आकर्षित किया।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, गंडोला ने वर्ष 2024 में लगभग 9,95,800 से अधिक पर्यटकों का स्वागत किया, जिसमें नवंबर और दिसंबर में महत्वपूर्ण आमद दर्ज की गई। अकेले इन दो महीनों में, 1,48,357 आगंतुक गुलमर्ग आए, जिससे जम्मू और कश्मीर केबल कार कारपोरेशन को 11.86 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

एक शीर्ष अधिकारी ने गंडोला की बढ़ती लोकप्रियता का जिक्र करते हुए कहा कि खासकर सर्दियों के मौसम में इसका आकर्षण और बढ़ जाता है। वे कहते थे कि शीतकालीन खेलों और बर्फबारी के मौसम की प्रत्याशा में, जो बड़ी संख्या में स्कीयर को आकर्षित करता है, हमारी क्षमता पहले से ही दो महीनों के लिए पूरी हो चुकी है। उनके मुताबि, अंतिम समय में योजना बनाने वालों, खास तौर पर विदेशी पर्यटकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए गंडोला प्रबंधन ने अब तत्काल टिकट सुविधा भी शुरू की है।

कारपोरेशन के अधिकारी का कहना था कि हमारे दरवाजे सभी के लिए खुले रहेंगे, यहां तक कि अंतिम समय में भी। हम सभी पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। पर्यटकों की संख्या में 10-12 परसेंट की अनुमानित वृद्धि के साथ, निगम ने मार्च में वित्तीय वर्ष के अंत तक 100 करोड़ रुपए का महत्वाकांक्षी राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसमें 60 करोड़ रुपये का शुद्ध कराधान अनुमानित था। उन्होंने कहा कि हम मौजूदा सम्पत्तियों को बनाए रखने और उन्हें और अधिक आकर्षक बनाने तथा पर्यटकों के लिए टिकटों की आसान पहुंच सुनिश्चित करने पर भी काम कर रहे हैं। जानकी क लिए गुलमर्ग गंडोला दो चरणों में संचालित होता है, जो पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के लुभावने दृश्य पेश करता है।

पहला चरण गुलमर्ग को 8,530 फीट की ऊंचाई पर कोंगडुरी से जोड़ता है, जबकि दूसरा चरण समुद्र तल से 13,780 फीट ऊपर अफरवात चोटी तक जाता है। यह अनूठा अनुभव घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए एक आकर्षण रहा है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, जेकेसीसीसी ने हाल ही में एक आनलाइन तत्काल टिकटिंग सिस्टम शुरू किया है, जिससे पर्यटकों के लिए सुगम सुविधा सुनिश्चित हुई है।

6 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या करने वाला गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

मुजफ्फरनगर में एक 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के मामले में आरोपी को 14 घंटे के भीतर पकड़ लिया गया है। यूपी पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दरिंदे को दबोचा।

इस दौरान आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी। छानबीन में पता चला कि वो असम का रहने वाला है, जिसकी पहचान इमानविल उर्फ सैमुअल के तौर पर हुई है।

सीओ आशीष यादव ने मुठभेड़ वाली जगह पर जाकर

घटना की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि आरोपी मंसूरपुर फरार होने की फिराक में था, लेकिन उसे मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। बलात्कार और हत्या की घटना बेगराजपुर इंडस्ट्रियल एरिया में बनी लेबर कॉलोनी में हुई थी। बच्ची के माता पिता इंडस्ट्रियल एरिया में ही श्री बालाजी क्रिस्टल की फैक्ट्री में मजदूरी करते हैं। फैक्ट्री के ठीक सामने बाहर से काम करने आए मजदूरों के लिए कॉलोनी बनी हुई है।

2 जनवरी को बच्ची के माता-पिता उसे घर पर अकेले छोड़कर फैक्ट्री में मजदूरी करने गए थे, जिसके बाद बिल्डिंग के निचले हिस्से में रह रहा इमानविल वहां आया। उसने पहले बच्ची को बहलाया-फुसलाया, उसके बाद टॉफी देने के बहाने कमरे में बुलाया, फिर उससे दुष्कर्म किया और बाद में हत्या करके फरार हो गया। शाम में बच्ची के माता-पिता जब काम से वापस लौटे, तो उन्होंने बेटी को गायब पाकर उसकी खोजबीन की। पड़ोसियों से पूछने पर पता चला कि नीचे रहने वाला इमानविल लेकर गया है।

माता-पिता फौरन बिल्डिंग में नीचे गए, लेकिन आरोपी का कमरा बंद था। सबने मिलकर दरवाजा तोड़ा तो बिटिया का शव खून से लथपथ अंदर बेड पर पड़ा था। फौरन घटना की सूचना पुलिस को दी गई और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। इधर पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए टीम बनाई और आखिर में हत्यारोपित को बेगराजपुर के पास जंगल में मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया।

चंदन हत्याकांड में 28 अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा

कोर्ट का फैसला आते ही मां, पिता और बहन ने फहराया तिरंगा

कासगंज, 04 जनवरी (एजेंसियां)। कासगंज के चंदन गुप्ता हत्याकांड में 28 दोषियों को शुक्रवार दोपहर को जैसे ही आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई, टीवी पर टकटकी लगाए बैठे चंदन के माता-पिता की आंखों से आंसू टपकने लगे। कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि हत्यारों को फांसी की सजा होगी। हालांकि हम न्यायालय के इस निर्णय का सम्मान करते हैं।

इससे पहले चंदन के पिता सुशील गुप्ता और बहन कीर्ति गुप्ता सुबह ही टीवी के आगे बैठ गए थे और फैसला आने का इंतजार कर रहे थे। चंदन की मां संगीता गुप्ता घर में मंदिर के समक्ष बैठकर बेटे के हत्यारों को कड़ी से कड़ी सजा मिलने की प्रार्थना कर रही थीं। दोपहर में जैसे ही चंदन के हत्यारों को सजा सुनाई गई, सभी की आंखों से आंसू निकल पडे। सभी ने ईश्वर को धन्यवाद दिया। बता दें कि 26 जनवरी 2018 को एबीवीपी सहित हिंदू संगठनों की ओर से शहर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही थी।

इसमें शामिल चंदन गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 31 आरोपियों के खिलाफ छह साल 11 माह सात दिन तक केस चला।

बृहस्पतिवार को एनआईए कोर्ट लखनऊ ने इस केस में 28 आरोपियों को दोषी करार दिया था। दो आरोपी बरी हुए जबकि एक की ट्रायल के दौरान मौत हो चुकी है।

चंदन गुप्ता की मां ने बृहस्पतिवार दोपहर एनआईए कोर्ट की ओर से 28 आरोपियों को दोषी करार देने के बाद से ही अन्न जल त्याग दिया था। उनका कहना था कि दोषियों को सजा सुनाए जाने के बाद ही वह अन्न ग्रहण करेगी। शुक्रवार को दोषियों को सजा सुनाए जाने के बाद उन्होंने जल ग्रहण किया।

एनआईए न्यायालय लखनऊ के विशेष न्यायाधीश विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने चंदन हत्या एवं कासगंज की सांप्रदायिक हिंसा के मामले में अपना निर्णय सुनाते हुए अपना मत भी व्यक्त किया। न्यायालय ने कासगंज के सांप्रदायिक हिंसा की घटना के बारे में कहा कि इसे मात्र छिटपुट व अचानक होने वाली घटना नहीं माना जाएगा। यह पूर्व नियोजित घटना है और इससे जुड़े अपराधियों एवं दंगाइयों को कठोर संदेश देने के आशय से दोषियों को कठोर दंड से दंडित किया जाना उचित होगा।

न्यायालय ने अपने निर्णय में सांप्रदायिकता पर काफी तल्ख टिप्पणी की। निर्णय में कहा कि सांप्रदायिकता का तात्पर्य उस संकीर्ण मनोवृत्ति से है जो धर्म और संप्रदाय के नाम पर संपूर्ण समाज तथा राष्ट्र के व्यापक हितों के विरुद्ध है। जो व्यक्ति को केवल अपने व्यक्तिगत धर्मों के हितों को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें संरक्षण करने की भावना को महत्व देती है। सांप्रदायिकता भारत के राष्ट्रीय एकीकरण की दिशा में सबसे बड़ी बाधा है क्योंकि यह विचारधारा अन्य समुदायों के विरुद्ध अपने समुदाय की आवश्यकता की एकता पर बल देती है। इस प्रकार सांप्रदायिकता रूढ़िवादी सिद्धांतों में विश्वास असहिष्णुता तथा अन्य धर्मों के प्रति नफरत को भी बढ़ावा देती है, जो कि समाज को विभाजन की ओर अग्रसर करता है।

अयोध्या जिला प्रशासन को सीएम योगी का सख्त निर्देश

महाकुंभ के दौरान अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा न हो

अयोध्या, 04 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं से बैठक के उपरांत प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज के सभागार में जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री ने महाकुंभ-2025 के दौरान अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, क्लाइड मैनेजमेंट, आश्रय स्थल आदि को लेकर जानकारी हासिल की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ-2025 में 40-45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

इसमें से अधिकांश श्रद्धालु अयोध्या भी आएंगे। यहां श्रद्धालु रामलला, हनुमानगढ़ी, सूर्यकुंड समेत अनेक मंदिरों व स्थलों पर दर्शन करेंगे। स्थानीय प्रशासन दर्शनार्थियों की सुरक्षा, क्लाउड मैनेजमेंट, दर्शन-पूजन, आश्रय स्थल आदि को लेकर सारी तैयारी पूर्ण कर ले। ठंड के मौसम में किसी भी श्रद्धालु को यहां परेशानी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने स्वच्छता पर जोर दिया। साथ ही कहा कि यहां अलाव आदि की भी समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।

मंडलायुक्त गौरव दयाल ने महाकुंभ-2025 के संबंध में अयोध्या में होने वाली तैयारियों को लेकर प्रस्तुतिकरण भी दिया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। समीक्षा बैठक में स्थानीय प्रशासन, पुलिस व जिले के आलाधिकारी मौजूद रहे।

भगवान कार्तिकेय की धर्म ध्वजा के साथ श्री पंचायती निरंजनी अखाड़े का हुआ छावनी प्रवेश

महाकुंभनगर, 04 जनवरी (एजेंसियां)। सनातन धर्म और संस्कृति के महापर्व, महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज में संगम तट पर होने जा रहा है। महाकुंभ के सबसे बड़े आकर्षण साधु-संन्यासियों के अखाड़ों का प्रवेश मेला क्षेत्र में होने लगा है। परम्परा अनुसार धर्म की रक्षा के लिए आदि शंकराचार्य की प्रेरणा से बने 13 अखाड़े अपने-अपने क्रम से छावनी प्रवेश कर रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी का महाकुंभ में दिव्य भव्य छावनी प्रवेश हुआ। निरंजनी अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा को देखने हजारों की संख्या में प्रयागराजवासी सड़कों पर मौजूद थे। अखाड़े के साधु-संतों पर जगह-जगह पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत और अभिनंदन किया गया।

आदि शंकराचार्य की प्रेरणा से 726 ईस्वी में स्थापित हुए श्री पंचायती निरंजनी अखाड़े की महाकुंभ में छावनी प्रवेश यात्रा का शुभारंभ प्रयागराज के बाघम्बरी गद्दी मठ से हुआ। छावनी प्रवेश यात्रा में सबसे आगे धर्म ध्वजा, अखाड़े का प्रतिनिधित्व करती हुई चल रही थी। उसके पीछे नागा संन्यासियों की टोली हाथों में चांदी के छत्र, छड़िया, भाले और तलवार लेकर ईष्ट देव भगवान कार्तिकेय की सवारी के साथ अगुवाई कर रही थी। ईष्ट देव की सवारी के पीछे ढोल-ताशे, लाव-लश्कर के साथ हाथी, घोड़ों और ऊंट पर सवार नागा संन्यासियों का जत्था चल रहा था। जो सभी नगरवासियों के लिए दुर्लभ दर्शन और आकर्षण का केंद्र बना।

छावनी प्रवेश यात्रा मठ बाघम्बरी गद्दी से निकल कर भरद्वाजपुरम् के लेबर चौहारे से मटियारा रोड होते हुए अलोपी देवी मंदिर तक पहुंची। यहां पर प्रवेश यात्रा के स्वागत के लिए प्रयागराज नगर निगम की ओर रंगोली बनाई गई थी और पुष्प वर्षा की जा रही थी। नागा संन्यासियों की टोली के साथ ही अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्री रविंद्र पुरी जी साधु-संतों के साथ चल रहे थे। उन्होंने बताया कि एकता और समरसता निरंजनी अखाड़े का मूल मंत्र है। महाकुंभ की छावनी साधु-संन्यासियों के लिये शिक्षा-दीक्षा का केंद्र होती है। इस महाकुंभ के अवसर पर निरंजनी अखाड़ा हजारों की संख्या में नये नागा संन्यासियों को दीक्षा देगा, जो आने वाले वर्षों में सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देंगे।

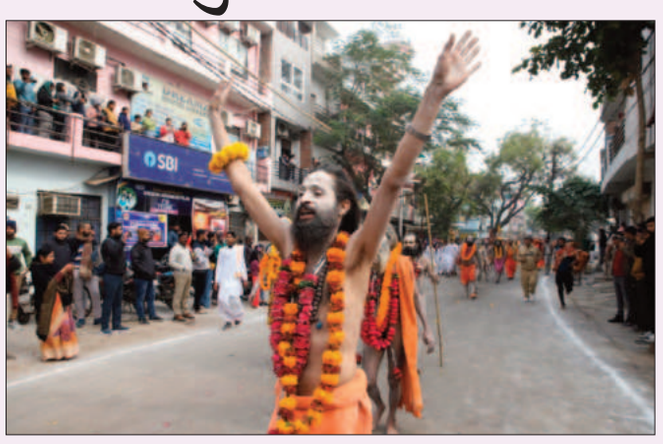

निरंजनी अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा में आनंद अखाड़ा भी परंपरा अनुसार साथ में ही प्रवेश करता है। प्रवेश यात्रा में अखाड़ों के आचार्य, मण्डलेश्वर फिर महामण्डलेश्व इनके बाद आचार्य महामण्डलेश्वर पद क्रमानुसार चल रहे थे। प्रवेश यात्रा में निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामण्डलेश्वर कैलाशानंद गिरी, बाघम्बरी गद्दी के पीठाधीश्वर बलबीर गिरी, साध्वी निरंजना ज्योति और सौकड़ों की संख्या में साधु-संन्यासी पैदल और रथों पर सवार होकर चल रहे थे। नगर प्रशासन और मेला प्राधिकरण के अधिकारियों ने साधु-संतों का माल्यार्पण और पुष्प वर्षा कर स्वगात किया। इसके पश्चात पांटून पुल से गुजर कर महाकुंभ के आखाड़ा परिसर में छावनी प्रवेश हुआ। बाजे-गाजे और मंत्रोच्चार-पूजन के साथ ईष्ट देव भगवान कार्तिकेय को छावनी में स्थापित कर, साधु-संन्यासियों ने हर-हर महादेव और गंगा मईय्या की जय का उद्घोष किया।

महाकुंभ के कोने-कोने में मिल रहा श्रद्धालुओं को उपचार

महाकुंभ में आए 10,000 मरीजों का अब तक हुआ उपचार

महाकुंभनगर, 04 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ के कोने कोने में श्रद्धालुओं को बेहतरीन उपचार की व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। महाकुंभ में सेंट्रल हॉस्पिटल के चिकित्सक पूरे उत्साह से मरीजों की देखभाल में लगे हैं। अभी तक 10 हजार से भी अधिक मरीजों का उपचार किया जा चुका है।

महाकुंभ मेला के नोडल चिकित्सा स्थापना डॉक्टर गौरव दुबे ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर महाकुंभ के कोने कोने में श्रद्धालुओं को बेहतर उपचार की व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में सेंट्रल हॉस्पिटल की ही तरह अरैल स्थित सेक्टर 24 में एक सब सेंट्रल हॉस्पिटल भी पूरी क्षमता से शुरू कर दिया गया है। यहां भी स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की तैनाती कर दी गई है। जिन्होंने देश दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं का विधिवत उपचार भी शुरू कर दिया है।

25 बेड वाला अरैल स्थित यह सब सेंट्रल हॉस्पिटल हाईटेक सुविधाओं से लैस है। यहां सेंट्रल हॉस्पिटल की ही तरह से मरीजों को उपचार की सुविधा मिलेगी। यहां पर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की तैनाती भी कर दी गई है। सबसे खास बात यह है कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि महाकुंभ के कोने कोने में श्रद्धालुओं को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। डॉक्टर गौरव दुबे ने बताया कि महाकुंभ में एक एक श्रद्धालु के स्वास्थ्य का ध्यान रखा जा रहा है। महाकुंभनगर में यहां सेंट्रल हॉस्पिटल में सिर्फ साल के पहले ही दिन 900 मरीजों की ओपीडी की गई। महाकुंभनगर के सेंट्रल हॉस्पिटल में देश से ही नहीं विदेश से भी लोग स्वास्थ्य लाभ के लिए पहुंचने लगे हैं। यहां कुंभ और गंगा के बाद जमुना प्रसाद ने भी जन्म ले लिया है। चिकित्सकों के अनुसार फतेहपुर निवासी दंपति सेंट्रल हॉस्पिटल पहुंचे थे, जिन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई है। दंपति अजय कुमार और पूजा ने इसे महाकुंभ का आशीर्वाद मानते हुए जमुना प्रसाद नाम दिया है। डॉक्टर गौरव दुबे ने बताया कि डॉक्टर जैस्मिन और सिस्टर इंचार्ज रामा ने यह सफल डिलीवरी कराई है। बच्चे का वजन 2.3 किलोग्राम है। चिकित्सकों के अनुसार बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ है।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सेवा करेंगी परिवहन निगम की 40 इलेक्ट्रिक बसें

महाकुम्भ नगर, 04 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को परिवहन सेवा सुलभ कराने के लिए योगी सरकार इलेक्ट्रिक बसों का संचालन करने जा रही है। महाकुंभ से पहले प्रयागराज में 10 से 15 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू हो जाएगा, जबकि 29 जनवरी को मौनी अवास्या के प्रमुख स्नान पर्व तक 30 और बसों को लखनऊ मुख्यालय से प्रयागराज भेज दिया जाएगा। इलेक्ट्रिक बसें विभिन्न रूटों पर श्रद्धालुओं को परिवहन सेवा उपलब्ध कराएंगी और उनके सफर को आसान बनाएंगी। उल्लेखनीय है कि 13 जनवरी से 26 फरवरी के बीच प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ में करोड़ों लोगों के आने का अनुमान है। ऐसे में ये इलेक्ट्रिक बसें परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के जीएम प्राविधिक अजीत कुमार सिंह ने बताया कि महाकुंभ मेला के प्रारंभ होने से पूर्व 10 से 15 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन प्रयागराज में शुरू हो जाएगा। वहीं, मौनी अमावस्या पर्व के पूर्व लगभग 30 से 40 बसें प्रयागराज पहुंच जाएंगी। इन बसों की सप्लाई स्विच मोबिलिटी द्वारा की जा रही है। बसों की लंबाई 12 मीटर है तथा एक चार्जिंग में यह लगभग 200 किलोमीटर से अधिक संचालित की जा सकेंगी। उन्होंने बताया कि नई इलेक्ट्रिक बसें जो परिवहन निगम को प्राप्त हो रही हैं उनको सीधे प्रयागराज क्षेत्र ही भेजा जा रहा है। पूर्व में इनका प्री डिलीवी इंस्पेक्शन कानपुर में किया जाता था, लेकिन महाकुंभ मेले के दृष्टिगत इन बसों का प्रयागराज क्षेत्र में ही प्रयाग डिपो के अंतर्गत चेकिंग की जाएगी तथा रजिस्ट्रेशन करने के उपरांत इनको वहीं पर संचालित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय प्रबंधक प्रयागराज द्वारा मार्गो को चिन्हित कर लिया गया है, जिन पर इनका संचालन कराया जाएगा। प्रयागराज परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी ने बताया कि इलेक्ट्रिक बसों के लिए शहर और बाहर दोनों का रूट प्लान तैयार है। उन्होंने बताया कि नेहरू पार्क, बेला कछार और अंदावा समेत प्रयागराज में बसों की चार्जिंग की 4 जगह व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है।

अत्याधुनिक उपकरणों से हो रही संगम की सुरक्षा और निगरानी

महाकुंभ 2025 के लिए योगी सरकार ने तैयार की जल पुलिस योजना

महाकुंभ नगर, 04 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने आ रहे करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा योगी सरकार की प्राथमिकता में है। इसी क्रम में गंगा और यमुना नदियों की सुरक्षा और निगरानी के लिए बड़ी संख्या में जल पुलिस के जवानों को तैनात किया गया है। इन जवानों को अत्याधुनिक उपकरणों से भी लैस किया गया है। अंडर वाटर ड्रोन और सोनार सिस्टम जैसे इक्विपमेंट्स के माध्यम से जल पुलिस संगम के चप्पे चप्पे पर निगरानी कर रही है। लाइफबॉय और एफआरपी स्पीड मोटर बोट जैसे इक्विपमेंट्स आपातकालीन परिस्थितियों में सहायक होंगे। किसी भी तरह की आपदा से निपटने के लिए वेल ट्रेन्ड जल पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं।

जल पुलिस योजना के तहत अब तक करीब 2500 जवान तटों की सुरक्षा के लिए तैनात कर दिए गए हैं। तीन जल पुलिस स्टेशन बनाए गए हैं जो श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 24 घंटे तत्परता से कार्यरत हैं। तटों पर सुरक्षा की मॉनीटरिंग जल पुलिस के कंट्रोल रूम से की जा रही है, जबकि पूरे मेला क्षेत्र में 17 जल पुलिस सब कंट्रोल रूम भी स्थापित किए गए हैं। इस मैनपावर में मेले की शुरुआत से पहले और इजाफा किया जाएगा और इसमें करीब 1300 जल पुलिस के जवान और जुड़ जाएंगे। इस तरह मेले के दौरान कुल मिलाकर 3800 जल पुलिस के जवान तटों की सुरक्षा में मुस्तैद रहेंगे।

तटों की सुरक्षा के लिए योगी सरकार ने जल पुलिस के जवानों को अत्याधुनिक उपकरणों से लैस किया है। 8 किमी. क्षेत्र में डीप वॉटर बैरीकेडिंग की गई है। 2 फ्लोटिंग रेस्क्यू स्टेशन बनाए गए हैं, जहां किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए जवानों की तैनाती की गई है। इसके अलावा संगम क्षेत्र की सुरक्षा के लिए 11 एफआरपी स्पीड मोटर बोट तैनात की गई हैं। 6 सीटर इस बोट में जवान हर समय संगम क्षेत्र की निगरानी करते नजर आ रहे हैं। आपातकालीन परिस्थितियों के लिए 4 वाटर एंबुलेंस भी तैनात कर दी गई हैं, जो तत्काल राहत पहुंचाने में समक्षम हैं। इसके अतिरिक्त 25 रिजार्जेबल मोबाइल रिमोट एरिया लाइटनिंग सिस्टम को भी तैनात किया गया है तो चेंजिंग रूम के साथ 4 अनाकोंडा मोटर बोट भी तैनात की जा रही है।

इसके अतिरिक्त जल पुलिस के जवान 2 किमी लंबी रिवर लाइन से भी लैस हैं, जो यमुना में ट्रैफिक कंट्रोल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसके अलावा उन्हें 100 डाइविंग किट, 440 लाइफबॉय, 3 हजार से ज्यादा लाइफ जैकेट, 415 रेस्क्यू ट्यूब, 200 थ्रो बैग विद रोप, 29 टॉवर लाइट सिस्टम, एक अंडर वाटर ड्रोन और एक सोनाल सिस्टम से लैस किया गया है। ये सभी अत्याधुनिक उपकरण जल पुलिस के जवानों को तटों की सुरक्षा के साथ-साथ जल में होने वाली हर तरह की गतिविधि की निगरानी और सुरक्षा में सक्षम बनाता है।

डाक का सफर

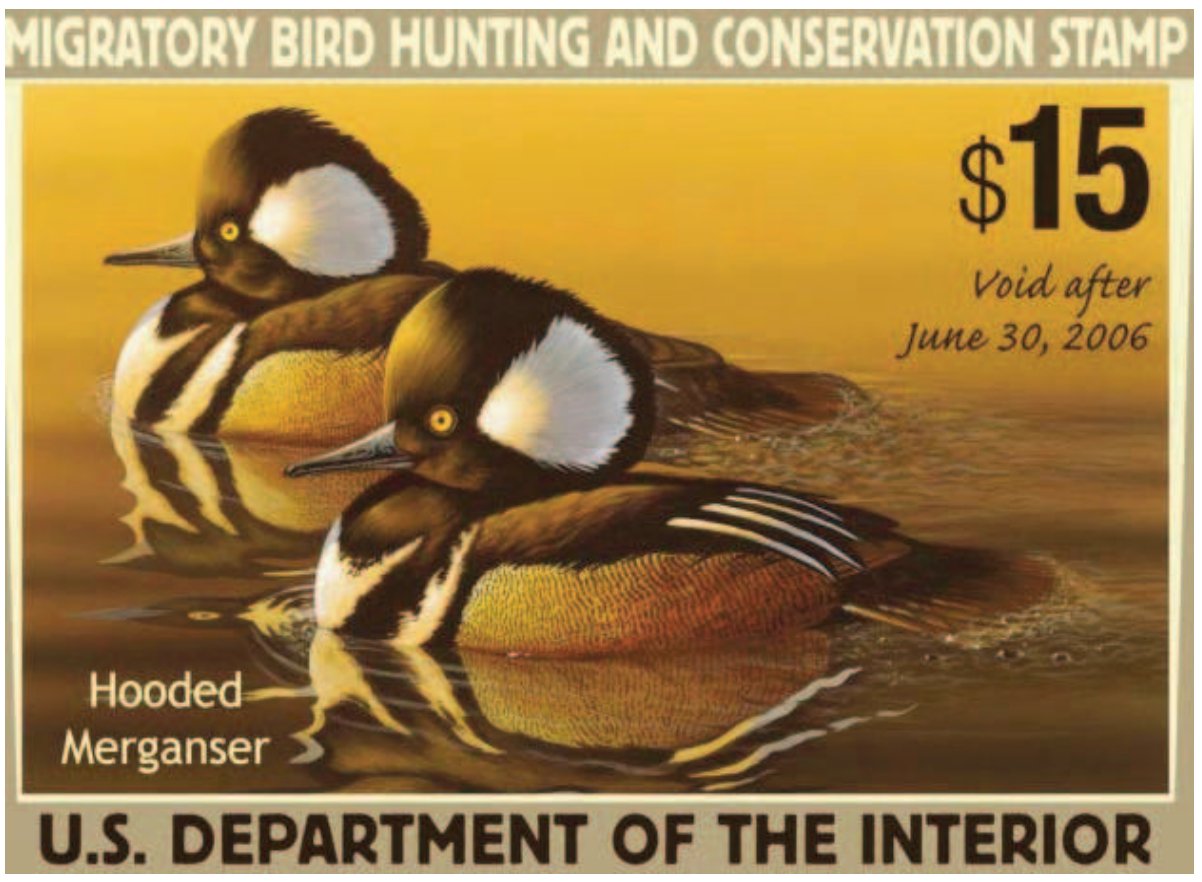

बच्चो, कंप्यूटर के इस युग में आप डाक टिकटों का प्रयोग न के बराबर करते हैं। पर एक बार याद रखें, यह हमारे सभ्याचार की प्रतीक होती हैं। इनकी सहायता से किसी देश के सभ्याचार आदि के बारे में आसानी से जाना जा सकता है। खास बात यह भी है कि डाक टिकट संग्रह करने का शौक दुनिया के अच्छे शौकों में गिना जाता है।

असल में डाक टिकट चिपकने वाले कागज से बना एक साक्ष्य है, जो यह दर्शाता है कि, डाक सेवाओं के शुल्क का भुगतान हो चुका है। आम तौर पर यह एक छोटा आयताकार कागज का टुकड़ा होता है, जो एक लिफाफे पर चिपका रहता है। यह टुकड़ा यह दर्शाता है कि प्रेषक ने प्राप्तकर्ता को सुपुर्दगी के लिए डाक सेवाओं का पूरी तरह से या आंशिक रूप से भुगतान किया है। डाक टिकट, डाक भुगतान करने का सबसे लोकप्रिय तरीका है; इसके अलावा इसके विकल्प हैं, पूर्व प्रदत्त-डाक लिफाफे, पोस्टकार्ड, हवाई पत्र आदि। डाक टिकटों को डाक घर से खरीदा जा सकता है। डाक टिकटों के संग्रह को डाक टिकट संग्रह या फिलेटली कहा जाता है।

फिलेटली

फिलेटली किसी भी राष्ट्र और राष्ट्र के लोगों, उनकी आस्था व दर्शन, ऐतिहासिकता, सांस्कृति, विरासत एवं उनकी आकांक्षाओं व आशाओं का प्रतिबिंब और प्रतीक है। जिसके माध्यम से वहां के इतिहास, कला, विज्ञान, व्यक्तित्व, वनस्पति, जीव-जन्तु, राजनयिक संबंध एवं जनजीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी मिलती है। वर्षों से फिलेटली महत्वपूण घटनाओं के विश्वव्यापी प्रसार, महान विभूतियों को सम्मानित करने एवं प्राकृतिक सौन्दर्य के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित करने के लिए कार्य कर रही है। डाक टिकट वास्तव में एक नन्हा राजदूत है, जो विभिन्न देशों का भ्रमण करता है एवं उन्हें अपनी सभ्यता, संस्कृति और विरासत से अवगत कराता है। निश्चित ही आज के व्यस्ततम जीवन एवं प्रतिस्पर्धात्मक युग में फिलेटली से बढ़कर कोई रोचक और ज्ञानवर्धक शौकनहीं हो सकता।

इतिहास

सबसे पहले इंग्लैंड में वर्ष 1840 में डाक- टिकट बेचने की व्यवस्था शुरू की गई। हालांकि इसके पहले ही डाक वितरण व्यवस्था शुरू हो चुकी थी, परंतु पत्र पहुंचाने के लिए पत्र भेजने वाले को पोस्ट ऑफिस तक जाना ही पड़ता था। पहले किसी भी पत्र भेजने वाले को पोस्ट- ऑफिस जाकर पत्र पर पोस्ट मास्टर के दस्तख्त करवाने पड़ते थे, पर डाक-टिकटों के बेचे जाने ने इस परेशानी से मुक्ति दिला दी। जब डाक-टिकट बिकने लगे, तो लोग उन्हें खरीदकर अपने पास रख लेते थे और फिर जरूरत पड़ने पर उनका उपयोग कर लेते थे। सन 1840 में ही सबसे पहले जगह-जगह लैटर-बॉक्स भी टांगे जाने लगे ताकि पत्र भेजने वाले उनके जरिए पत्र भेज सकें और पोस्ट-ऑफिस जाने से छुट्टी मिल गई।

विश्व में पहला डाक टिकट विश्व का पहला डाक टिकट 1 मई, 1840 को ग्रेट ब्रिटेन में जारी किया गया था, जिसके ऊपर ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया का चित्र छपा था। यह डाक टिकट काले रंग में एक छोटे से चौकोर कागज पर छपा था और उसकी कीमत एक पेनी रखी गई थी। उस समय इंग्लैंड के राजसिंहासन पर महारानी विक्टोरिया विराजमान थीं, इसलिए स्वाभाविक रूप से इंग्लैंड अपने डाक टिकटों पर महारानी विक्टोरिया के चित्रों को प्रमुखता देता रहा। रानी के चित्र छपने के कारण वहां की महिलाओं में अपनी रानी के चित्रवाले डाक टिकटों को इकट्ठा करने का जुनून सवार हो गया। ये महिलाएं ही डाक टिकट संग्रह के शौक की जननी बनीं।

एक पेनी मूल्य के इस टिकट के किनारे सीधे थे, यानी टिकटों को अलग करने के लिए जो छोटे-छोटे छेद बनाए जाते हैं, वे प्राचीन डाक टिकटों में नहीं थे। इस समय तक उनमें लिफाफे पर चिपकाने के लिए गोंद भी नहीं लगा होता था। यह डाक टिकट हालांकि पहली मई 1840 को बिक्री के लिए जारी किया गया था, लेकिन डाक शुल्क के लिए इसे 6 मई, 1840 से वैध माना गया। ये डाक टिकट विश्व के भी पहले डाक टिकट थे।

इस डाक टिकट की कहानी अत्यंत रोचक है। यदि हम डाक टिकटों के इतिहास का अध्ययन करें तो पेशे से अध्यापक सर रोलैण्ड हिल (1795-1878) को पहले डाक टिकटों का जनक कहा जाता है। जिस समय पत्रों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने का शुल्क तय किया गया और वह गंतव्य पर लिखा जाने लगा तो उन्हीं दिनों इंग्लैंड के एक स्कूल अध्यापक रोलैण्ड हिल ने देखा कि बहुत से पत्र पाने वालों ने पत्रों को स्वीकार करने से इंकार कर दिया और पत्रों का ढेर लगा हुआ है, जिससे कि सरकारी निधि की क्षति हो रही है। यह सब देखकर उन्होंने सन 1837 में डाक व्यवस्था में सुधार और डाक टिकटों द्वारा डाक

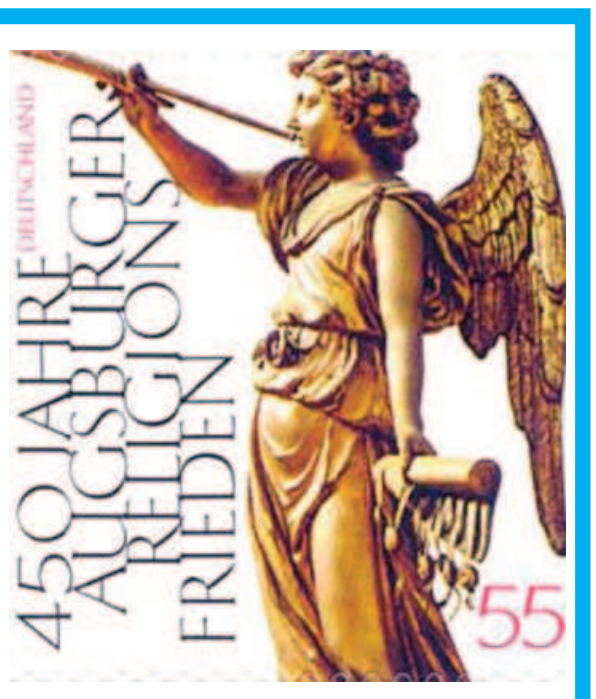

शुल्क की वसूली के बारे में दो शोधपत्र प्रकाशित किए। इनमें उन्होंने यह सुझाव दिया कि प्रत्येक आधे औंस के वजन के पत्र पर एक पेनी की समान डाक शुल्क दर लगाई जाए चाहे वह पत्र कितनी ही दूर जाता हो और यह डाक शुल्क पेशगी अदा की जाए। जहां तक डाक शुल्क का भुगतान करने का संबंध है, इस बारे में हिल ने मोहर लगे छोटे-छोटे लेबल जारी करने का सुझाव दिया, ताकि लोग पत्र भेजने के पहले उसे खरीदे और पत्र पर चिपका कर अपना पत्र भेजें। लेबल सिर्फ इतने बड़े होने चाहिए कि उन पर मुहर लग सके। गोंद लगे डाक टिकटों का उचित डिजाइन तैयार करने के लिए ब्रिटेन की सरकार ने प्रतियोगिता आयोजित की। इंग्लैंड शासित अनेक देशों के डाक टिकटों पर इंग्लैंड के शासकों के ही चित्र छपते थे। इससे डाक टिकटों में नीरसता आती गई। इसलिए इंग्लैंड में ही पहली बार जुलाई 1913 में जारी एक डाक टिकट 'ब्रिटेनिका' अलग तरह का नजर आना शुरू हुआ। इसके बाद तो टिकटों पर इतिहास, भूगोल, राजनीति, व्यक्ति, संस्कृति-सभ्यता, साहित्य-विज्ञान, जीव-जंतु, खेल-कूद, स्थापत्य-मूर्ति, चित्र-कलाओं आदि के विविध रंग-रूप देखने को मिलने लगते हैं।

भारत में पहला डाक-टिकट

चलते-चलते यह भी बता दें कि हमारे देश में डाक टिकटों की शुरुआत 1852 में हुई। 1 जुलाई, 1852 को सिन्ध के मुख्य आयुक्त द्वारा सिर्फ सिंध राज्य में और मुंबई कराची मार्ग पर प्रयोग के लिए 'सिंध डाक' नामक डाक टिकट जारी किया गया। आधे आने मूल्य के इस टिकट को भूरे कागज पर लाख की लाल सील चिपकाकर जारी किया गया था।

रास्ता ढूंढो

इस खूबसूरत महल तक पहुंचने के लिए आपको वो रास्ता तलाशना होगा, जो इस महल तक जाता है।

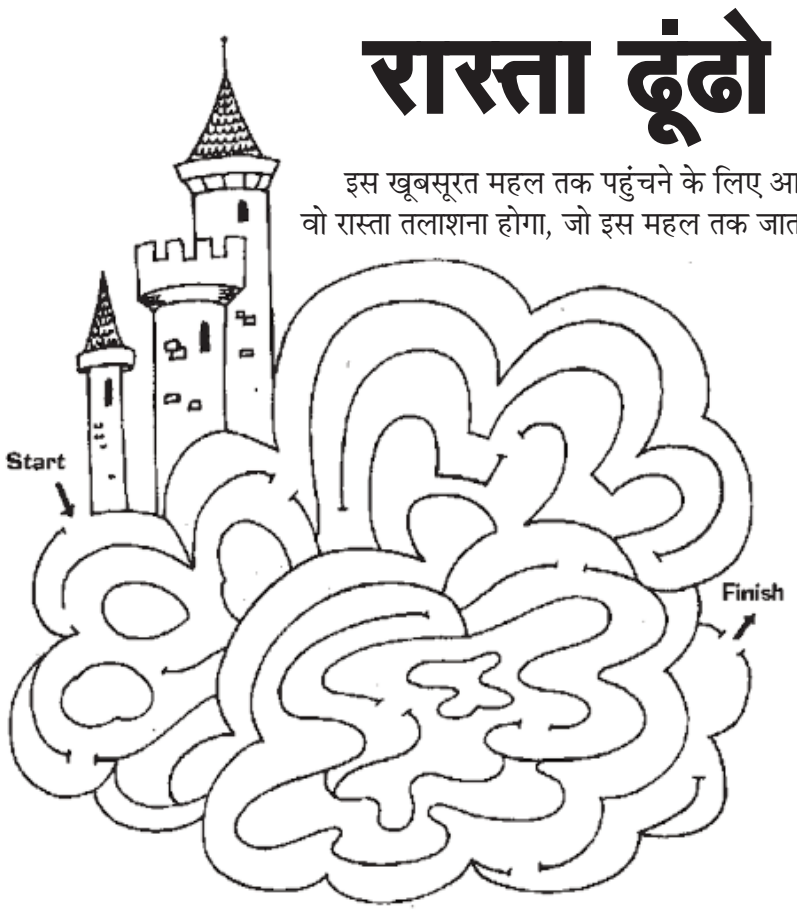

रंग भरो

राक्षस की हजामत...

जैसे ही नाई ने राक्षस को देखा उसकी सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई। वहीं राक्षस नरम-नरम मांस देखकर खशी से नाच रहा था। पर नाई ने अक्ल से काम लिया और राक्षस की हजामत कर डाली। कैसे किया उसने यह कमाल, जानने के लिए पढ़ें यह कहानी।

बहुत दिन पहले एक गांव में आलसी नाई रहता था। सारा दिन वह पुराने आईने के सामने बैठा टूटे कंघे से बाल संवारते हुए गंवा देता। उसके अलावा उसके घर में उसकी पत्नी और बूढ़ी मां भी रहती थीं। उसके इस आलसीपन से मां बहुत ही गुस्साती, पर बड़बड़ाने के अलावा कुछ कहती नहीं। एक दिन मां को बहुत ही गुस्सा आया और उसने नाई की झाड़ू से पिटाई कर दी। वहीं नाई की पत्नी ने भी मां का साथ देते हुए भला बुरा कहा। इस बात से आहत वह नाई घर छोड़कर जंगल की ओर चल पड़ा। उसने कसम खाई कि जब तक कुछ धन जमा नहीं कर लेगा, वह घर नहीं लौटेगा। पर उसे कोई काम तो आता नहीं था, सो सहायता के लिए भगवान से प्रार्थना करने लगा।

इससेप पहले कि वह प्रार्थना के लिए बैठता, उससे पहले ही एक ब्रह्मराक्षस आ धमका। उसे देख कर नाई के होश उड़ गए, पर उसने अपना डर जाहिर नहीं होने दिया। वह भी ब्रह्मराक्षस के साथ नाचने लगा।

हंसते हुए उसने राक्षस से पूछा- 'तुम क्यों नाच रहे हो? तुम्हें किस बात की खुशी है?' राक्षस हंसा- 'मैं इसलिए नाच रहा हूं कि मुझे तुम्हारा मांस खाने को मिलेगा। पर तुम क्यों नाच रहे हो?'

हंसते हुए नाई ने कहा- 'राजकुमार सख्त बीमार है। चिकित्सकों ने उसे एक सौ एक ब्रह्मराक्षसों के हृदय का रक्त पिलाने को कहा है। महाराज ने मुनादी करवाई है जो कोई यह दवा लाकर देगा, उसे वे अपना आधा राज्य देंगे। साथ ही उससे अपनी बेटी का विवाह भी करेंगे। बड़ी मुश्किल से मैंने एक सौ ब्रह्मराक्षस पकड़े हैं। तुम्हें मिलाकर एक सौ एक की संख्या पूरी हो जाएगी। और तुम्हारी आत्मा को मैंने पहले ही कब्जे में कर लिया है।' यह कहते हुए उसने जेब से छोटा आईना उसकी आंखों के सामने किया। राक्षस ने आईने में अपनी शक्ल देखी। थर-थर कांपते हुए उसने नाई से विनती की कि उसे छोड़ दे, पर नाई राजी नहीं हुआ। तब राक्षस ने उसे धन का लालच दिया। पर नाई ने अनिच्छा जताई। राक्षस ने कहा- 'खजाना ले लो, पर मुझे छोड़ दो।'

कहने के साथ ही हीरे-मोतियों से भरे सोने के सात कलश सामने ले आया। खजाने की चमक से नाई की आंखें चौंधिया गईं। पर अपनी भावनाओं को छुपाते हुए उसने रौब से उसे आदेश कि वह खजाने को उसके घर पहुंचा दे। राक्षस ने आदेश का पालन किया। फिर से राक्षस ने उसे छोड़ने के लिए कहा। पर नाई था तो चालू उसने राक्षस को फसल की कटाई करने को कहा।

ब्रह्मराक्षस जब फसल की कटाई कर ही रहा था कि दूसरा ब्रह्मराक्षस वहां से निकला। उसने अपने दोस्त की बुरी हालत का पूरा ब्यौरा लिया। दूसरा राक्षस बोला- 'पागल हो गए हो? राक्षस आदमी शक्तिशाली नहीं होते हैं। तुम मुझे उस आदमी का घर बातओ।'

पहले ब्रह्मराक्षस ने उसे दूर से ही घर दिखा दिया। और अपना काम करने लगा। इस बीच नाई भोज के लिए एक बड़ी मछली लेकर आया। पर बिल्ली आधी से ज्यादा मछली खा गई। गुस्से से सुलगती हुई नाइन बिल्ली को मारने के लिए झपटी, पर बिल्ली टूटी हुई खिड़की से भाग गई। उसने सोचा- बिल्ली इसी रास्ते से आएगी। सो वह मछली काटने की छुरी हाथ में लिए उसके लौटने का इंतजार करने लगी। उधर दूसरा राक्षस दबे पांव नाई के घर की ओर बढ़ा। उसी टूटी हुई खिड़की में से उसने अपना सिर भीतर घुसाया। बिल्ली की ताक में खड़ी नाइन ने तेजी से चाकू का वार किया और राक्षस की लम्बी नाक आगे से कट गई। दर्द से चिल्लाता वह भाग गया और शर्म के मारे फिर वह अपने मित्र के पास भी नहीं गया। पहले राक्षस ने पूरी फसल काटी और नाई के पास गया। नाई ने इस बार उल्टा शीशा दिखाया। राक्षस ने बड़े गौर से देखा। उसमें अपनी छवि न पाकर उसने राहत की सांस ली और नाचता-गुनगुनाता चला गया।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सजा पर फैसला 10 जनवरी को

न्यूयॉर्क, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हश मनी केस में 10 जनवरी को अदालत के समक्ष पेश होना होगा। जस्टिस जुआन एम. मर्चन ने इस केस में सजा पर फैसला सुनाने के लिए यही तारीख मुकर्रर की है। अदालत ने शुक्रवार को एक पोर्न स्टार को चुप रहने के लिए रकम देने के आरोप में ट्रंप को दोषी ठहराया।

जस्टिस जुआन एम. मर्चन ने संकेत दिया कि वह ट्रंप को बिना शर्त बरी करने के पक्ष में हैं। उन्होंने सजा की तारीख तय करते हुए ट्रंप को व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअली उपस्थित होने का आदेश दिया। सनद रहे, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप 20 जनवरी को शपथ ग्रहण करेंगे। विधि विशेषज्ञों का मानना है कि उन्हें सजा मिलेगी इसकी संभावना नहीं है।

ट्रंप की 10 जनवरी की पेशी अमेरिका के इतिहास में अलग तरह का परिदृश्य रखेगी। ट्रंप से पहले किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को किसी मामले में दोषी नहीं ठहराया गया है। उन्हें शर्मनाक अपराध में दोषी के तौर पर अदालत में पेश होना होगा। वह दोषी के तौर पर राष्ट्रपति पद को शोभायमान करने वाले पहले व्यक्ति होंगे।

मैनहट्टन जूरी मई में उन्हें व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के 34 मामलों में दोषी ठहरा चुकी है। जस्टिस मर्चन ने शुक्रवार को जूरी के फैसले को पलटने से इनकार करते हुए ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया कि उनकी चुनावी जीत से उनकी सजा रद्द हो जानी चाहिए।

विधि वेत्ताओं का कहना है कि इससे साफ है कि अदालत ने उन्हें बेदाग छवि के साथ व्हाइट हाउस लौटने का अवसर देने से इनकार कर दिया।

सजा की तारीख मुकर्रर होने के तुरंत बाद ट्रंप के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने कहा कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति को महत्वपूर्ण कर्तव्यों को निष्पादित करने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्हें कोई सजा भी नहीं होनी चाहिए। मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय के एक अधिकारी (जिसने ट्रंप पर मुकदमा चलाया) ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

माइक जॉनसन फिर अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर चुने गए

वाशिंगटन। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन से रिपब्लिकन पार्टी के नेता और सांसद माइक जॉनसन को शुक्रवार को दोबारा अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा का स्पीकर चुना गया। उन्होंने तीन मतों के मामूली अंतर से जीत दर्ज की। रिपब्लिकन पार्टी के पास सदन में 219, डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 215 सीट हैं। लुइसियाना के चौथे कांग्रेशनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले 52 वर्षीय जॉनसन को 218 और डेमोक्रेटिक पार्टी के हकीम जेफ्रीज को 215 वोट मिले। डोनाल्ड ट्रंप ने जॉनसन को दोबारा स्पीकर चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि अभूतपूर्व विश्वासमत हासिल करने के लिए माइक जॉनसन को बधाई। जॉनसन ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है। स्पीकर चुने जाने के फौरन बाद जॉनसन ने 119वीं कांग्रेस के सदस्यों को शपथ दिलाई। सूत्रों के हवाले से प्रसारित खबर में कहा कि ट्रंप ने राल्फ नॉर्मन और कीथ सेल्फ को जॉनसन के पक्ष में मतदान करने के लिए राजी किया। नॉर्मन और सेल्फ के मत ने जॉनसन की जीत का मार्ग प्रशस्त किया।

भारत के साथ चल रहे तनाव के बीच बांग्लादेश दुश्मन को बना रहा दोस्त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशहाक डार ने ऐलान किया है कि वह अगले महीने बांग्लादेश का दौरा करेंगे, जो 2012 के बाद किसी पाकिस्तानी मंत्री का पहला दौरा होगा। यह ऐलान पिछले महीने काहिरा में डी-8 शिखर सम्मेलन के इतर पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस की मुलाकात के कुछ सप्ताह बाद किया है। पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार 2012 में ढाका की यात्रा करने वाली पाकिस्तान की आखिरी विदेश मंत्री थीं। इस्लामाबाद में डार ने कहा कि 3-5 फरवरी तक मलेशिया दौरे से लौटने के बाद उनके 5 फरवरी या उसके बाद बांग्लादेश जा सकते हैं। यह देखते हुए कि पाकिस्तान और बांग्लादेश हसीना सरकार के पतन के बाद अपने संबंधों में सुधार का प्रयास कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि बांग्लादेश एक खोए हुए भाई की तरह है। हमारा लक्ष्य आर्थिक और व्यापार सहयोग को मजबूत करना है। डार ने काहिरा में एक बैठक के दौरान यूनुस और अपने बांग्लादेशी समकक्ष से अपने निमंत्रण का भी जिक्र किया। उन्होंने पुष्टि की कि यूनुस ने पारस्परिक रूप से सहमत तारीखों पर इस्लामाबाद की यात्रा करने के पाकिस्तान के निमंत्रण को भी स्वीकार कर लिया है। पिछले साल 5 अगस्त को छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन के बाद तत्कालीन पीएम शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद यूनुस ने मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यभार संभाला था। नई-नई दोस्ती के बाद करांची से पहला सीधा मालवाहक जहाज नवंबर के बीच में बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पर पहुंचा था, जिसके बारे में अधिकारियों ने कहा कि यह द्विपक्षीय व्यापार में एक बड़ा कदम है। दूसरा मालवाहक जहाज दिसंबर के अंत में पाकिस्तान से बांग्लादेश पहुंचा। बांग्लादेश ने पहले ही पाकिस्तान से जल्द ही सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने की घोषणा की है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से 1971 के मुद्दों को सुलझाने के लिए कहा था ताकि ढाका को भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमेशा के लिए इस्लामाबाद के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि मुद्दे बार-बार आते रहे हैं।

कनाडा में लिबरल पार्टी और प्रधानमंत्री ट्रूडो के खिलाफ असंतोष

ओटावा। कनाडा में इस साल अक्टूबर में होने वाले चुनाव से पहले देश की राजनीति में हलचल मची हुई है। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के नेतृत्व को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं और कुछ सर्वे उनके लिए मुश्किलें पेश कर रहे हैं। सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के प्रति समर्थन में कमी दिखाई दे रही है, और पार्टी सांसदों के बीच ट्रूडो के नेतृत्व को लेकर असंतोष भी बढ़ रहा है। इन सब के बीच, प्रधानमंत्री ट्रूडो की छुट्टियां खत्म हो चुकी हैं, लेकिन वह 16 दिसंबर से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। यह तारीख महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसी दिन उनकी सबसे भरोसेमंद सहयोगी और कनाडा की वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने अचानक इस्तीफा दे दिया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रूडो ने छुट्टियों का अधिकांश समय पश्चिमी कनाडा के एक स्की रिसॉर्ट में बिताया, और जनवरी के पहले सप्ताह में उन्होंने किसी भी आधिकारिक सार्वजनिक उपस्थिति की योजना नहीं बनाई है। उन्होंने अपने भविष्य के कदम की भी घोषणा नहीं की है।

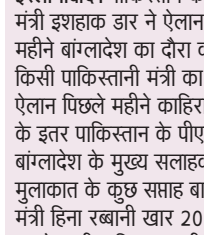

पाकिस्तान के कुर्रम में फिर भड़की हिंसा, गोलीबारी में उपायुक्त घायल

इस्लामाबाद, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले के उपायुक्त जावेदुल्ला महसूद बागान इलाके में हुई गोलीबारी में घायल हो गए। उपायुक्त महसूद जिले में दो कबायली समूहों के बीच छिड़े सशस्त्र संघर्ष को खत्म कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

खबर के अनुसार, बागान इलाके में युद्धरत जनजातियों के बीच एक जनवरी को हुए शांति समझौता होने के बाद अशांत क्षेत्र में फिर हिंसा भड़क उठी। क्षेत्र में शांति बहाल करने के प्रयासों में अहम भूमिका निभा रहे डिप्टी कमिश्नर को अस्पताल ले जाया गया है।

बताया गया है कि जिला उपायुक्त महसूद के नेतृत्व में आवश्यक वस्तुओं के वाहनों का काफिला पाराचिनार के लिए रवाना हुआ। ताल-पाराचिनार सड़क पर पहुंचते ही काफिले पर हुई गोलीबारी में महसूद घायल हो गए। सनद रहे, पहली जनवरी को हुए शांति समझौते के बाद पाराचिनार सहायता भेजने पर सभी पक्षों ने सहमति जताई थी।

इस गोलीबारी की घटना पर खैबर पख्तूनख्वा के मुख्य सचिव नदीम असलम चौधरी ने कहा कि शांति समितियां काफिले की सुरक्षा सुनिश्चित करने और समझौतों का पालन सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं। समितियों में स्थानीय निवासी, आदिवासी बुजुर्ग और सभी संप्रदायों और समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले राजनीतिक नेता शामिल हैं।

सरकारी सूत्रों ने खुलासा किया कि स्थानीय निवासियों ने चरणबद्ध प्रक्रिया के तहत 15 दिन के भीतर अपने हथियार सौंपने का वादा किया है। बंकरों को एक माह में नष्ट करने का लक्ष्य है। इस जिले में संघर्ष विराम लागू करने के लिए लंबे समय तक जिरगा में विचार-विमर्श हुआ है।

कुर्रम जिले में अलीजई और बागान कबायली समूहों के बीच संघर्ष 22 नवंबर को तब शुरू हुआ, जब पाराचिनार के पास यात्री वैन के काफिले पर हमला हुआ था। इस हमले में 47 लोग मारे गए थे।

इजरायल ने सीरिया में मिसाइल फैक्ट्री पर हमले की जिम्मेदारी स्वीकारी

तेल अवीव। इजरायल ने सितंबर महीने में सीरिया के मस्याफ क्षेत्र में एक मिसाइल निर्माण फैक्ट्री पर हमले की जिम्मेदारी स्वीकार की है। इस हमले को इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) के ऑपरेशन डीप लेयर के तहत अंजाम दिया गया था। यहां के एक स्थानीय दैनिक अखबार के मुताबिक इजरायली सेना ने इस ऑपरेशन की पुष्टि की, जो सीरिया में बशर अल-असद शासन के पतन के कुछ सप्ताह बाद हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार, यह फैक्ट्री ईरान की थी, और असद सरकार के ईरान के साथ घनिष्ठ संबंध थे। सीरिया की इस फैक्ट्री का उपयोग ईरान द्वारा हिजबुल्लाह के लिए सटीक मिसाइलों के निर्माण हेतु किया जा रहा था, और असद सरकार ने ईरान को सीरिया की जमीन पर हिजबुल्लाह को हथियार बनाने और वितरित करने की अनुमति दी थी। इजरायली वायुसेना की शालदाग यूनिट के कमांडो ने 8 सितंबर को इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। इसका मुख्य उद्देश्य सीरिया के मस्याफ क्षेत्र में स्थित वैज्ञानिक अध्ययन और अनुसंधान केंद्र को नष्ट करना था, जिसे पांच साल से अधिक समय से इजरायल द्वारा निगरानी में रखा गया था। इस ऑपरेशन के दौरान इजरायली सैनिकों ने सीरिया के पश्चिमी समुद्र तट से करीब 45 किलोमीटर दूर स्थित फैक्ट्री में हेलीकॉप्टर से हमला किया। उन्होंने फैक्ट्री के गेट पर तैनात कुछ गार्डों को मार डाला और फिर मिसाइल निर्माण केंद्र में घुसकर विस्फोटक सामग्री रखी।

इथोपिया में 5.5 तीव्रता का आया भूकंप, ज्वालामुखी के फटने से तबाही की आशंका

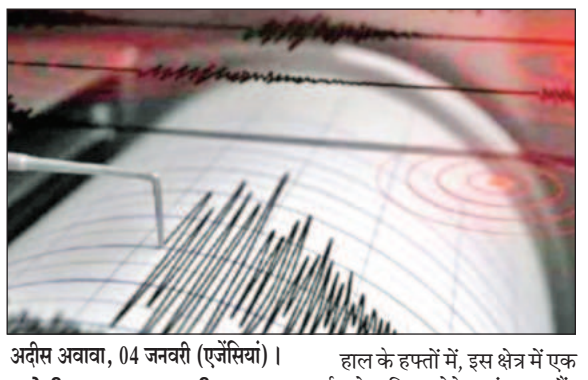

अदीस अबाबा, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक इथोपिया में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 10 किमी (6.21 मील) की गहराई पर था। इससे पहले दिन में, अनादोलु अजांसी ने इथियोपिया के केंद्रीय माउंट डोफन में ज्वालामुखी विस्फोट की सूचना दी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस क्षेत्र में हाल ही में लगातार छोटे-छोटे झटके महसूस किए गए हैं। लगातार आने वाले इन झटकों ने संभावित बड़ी आपदा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। खास तौर पर अवाश फेंटाले क्षेत्र में, जो अदीस अबाबा से लगभग 142 मील (230 किमी) दूर है।

हाल के हफ्तों में, इस क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक छोटे भूकंप आए हैं। इससे निवासियों को इस मुद्दे पर चिंता हो रही है। राज्य के स्वामित्व वाली फना ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्रीय प्रशासक अब्दु अली ने कहा है कि अधिकारी जोखिम वाले निवासियों को सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित करके हताहतों को रोकने के प्रयास कर रहे हैं। अली ने बताया कि भूकंप के झटके जारी हैं और अधिक शक्तिशाली होते जा रहे हैं।

सबसे हालिया झटके रात में अदीस अबाबा में महसूस किए गए। उन्होंने कहा कि क्रेटर से धुआं निकलना बंद हो गया है। लेकिन ज्वालामुखी से लावा अभी भी बह रहा है।

उन्होंने कहा कि लोगों और मवेशियों को निकाला गया है, लेकिन उन्होंने संख्या नहीं बताई। एडिस स्टैंडर्ड के अनुसार, सितंबर के अंत से अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इस क्षेत्र में 67 से अधिक भूकंप दर्ज किए हैं।

विशेष रूप से फैंटेल क्षेत्र में जो ग्रेट रिफ्ट वैली का हिस्सा है। प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों ने समाचार पत्र को बताया कि 30 से अधिक घर ढह गए हैं, जहां भूकंप के झटके अधिक बार और अधिक हिंसक हो गए हैं। एक स्थानीय निवासी ने समाचार पत्र को बताया, घर दिन-प्रतिदिन ढह रहे हैं।

आसमान में ड्रोन का विस्फोट

रूस के यूक्रेन पर हमले के बीच, रूसी ड्रोन हमले के दौरान कीव के आसमान में एक ड्रोन का विस्फोट देखा गया।

बांग्लादेश में तफ़सीरुल कुरान महफ़िल में भगदड़, तीस घायल

ढाका,04 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में तीन दिवसीय तफ़सीरुल कुरान महफ़िल के आखिरी दिन शुक्रवार रात मची भगदड़ में कम से कम 30 लोग घायल हो गए। इनमें एक व्यक्ति की हालत नाजुक बताई जा रही है। यह हादसा जशोर जिला के शरशा उपजिला के पुलेरहाट में एड-दीन सकीना मेडिकल कॉलेज अस्पताल और उसके आसपास हुआ।

शुक्रवार रात मशहूर वक्ता मिज़ानुर रहमान अज़हरी का भाषण होना था। उन्हें सुनने के लिए अप्रत्याशित रूप से बहुत अधिक लोग पहुंच गए। इस वजह से भगदड़ मची।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घायलों में से नौ को जशोर जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिन्हें भगदड़ के दौरान कुछ ज्यादा चोट आई है, उनमें 32 वर्षीय मैनुल इस्लाम, 18 वर्षीय उस्मान गनी, 21 वर्षीय जियान, मार्जान, 18 वर्षीय इब्राहिम, 40 वर्षीय मसूद, 26 वर्षीय सईदुल और 28 वर्षीय लबली शामिल हैं।

भगदड़ में घायल मैनुल इस्लाम ने बताया कि वह रात करीब आठ बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, लेकिन मुख्य द्वार बंद था। कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करने का इंतजार करते समय उन्हें किसी ने पीछे से धक्का दिया गया।

उनके गिरते ही अराजकता फैल गई। लोग आगे वालों को रौंदते हुए बढ़ने लगे। जशोर जनरल हॉस्पिटल इमरजेंसी की डॉक्टर डॉ. जुबैदा इस्लाम ने कहा कि घायलों में शामिल अफीफा की हालत सबसे गंभीर है।

महामारी के चलते श्मशानों पर लाशों का ढेर लगा, फिर भी झूठ पर झूठ बोल रहा है चीन

बीजिंग, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

कई बार प्रमाणित हो चुका है कि चीन झूठ बोलने में माहिर है। कोरोनाकाल में तमाम सबूत होने के बाद भी वो झूठ बोलता रहा। इस बार भी चीन में कोरोना वायरस जैसी बीमारी ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) तेजी से फैल रही है। वहां के अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं। यहां तक श्मशानों में भी शवों की दफनाने के लिए लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं, लेकिन चीन इस बात को मानने के लिए तैयार नहीं है।

उसने सोशल मीडिया पर प्रसारित इस तरह के वीडियो को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि जैसा दिखाया जा रहा है, वैसा कुछ भी नहीं। बीजिंग ने तो यहां तक कह दिया कि विदेशी टूरिस्टों के लिए चीन पूरी तरह से सुरक्षित है। चीन का यह बयान ठीक वैसा ही है, जैसा कि उसने पांच साल पहले कोरोना के समय दिया था। उसने कभी नहीं माना कि कोविड-19 वायरस उनके देश से फैला। चीन ने शुक्रवार को देश में बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरों को कमतर बताया, यह कहते हुए कि इस साल सर्दियों में होने वाली सांस संबंधी बीमारियों के मामले पिछले साल की तुलना में कम गंभीर हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेशियों के लिए चीन की यात्रा करना बिल्कुल सुरक्षित है।

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मीडिया को चीन में इन्फ्लूएंजा ए और अन्य श्वसन बीमारियों के प्रसार पर एक सवाल के जवाब में बताया, उत्तर गोलार्ध में सर्दियों के मौसम के दौरान श्वसन संक्रमण का प्रकोप बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, बीमारियां पिछले साल की तुलना में कम गंभीर और छोटे पैमाने पर फैलती दिख रही हैं। उन्होंने कहा, मैं आपको आश्वस्त कर सकती हूं कि चीनी सरकार चीनी नागरिकों और चीन में रहने वाले विदेशियों के स्वास्थ्य की परवाह करती है। चीन में यात्रा करना सुरक्षित है।

चीन ने विश्व की पहली सैटेलाइट आधारित अल्ट्रा-रिमोट सर्जरी डेवलप की

बीजिंग। चीन ने हाल ही में सेटेलाइट और रोबोट के जरिए सर्जरी किया है। चीन ने एक उन्नत किस्म की चिकित्सा विकसित की है। चीन ने विश्व की पहली सैटेलाइट आधारित अल्ट्रा-रिमोट सर्जरी डेवलप की है। चीन को इसके जरिए सर्जरी में सफलता मिली है। इसकी मदद से युद्ध के मैदान में घायल सैनिकों का आसानी से इलाज किया जा सकेगा। चीन की सरकारी टीवी के अनुसार, पृथ्वी से 36,000 किमी ऊपर एपस्टार-6डी ब्रॉडबैंड कम्यूनिकेशन उपग्रह का उपयोग करते हुए पीपुल्स लिबरेशन आर्मी जनरल अस्पताल के डॉक्टरों ने तिब्बत के ल्हासा, युन्नान के दाली और हैनान के सान्या से दूर से पांच ऑपरेशन किए। चीन ने बीजिंग में रहने वाले मरीजों के लीवर, गॉलब्लैडर या अग्न्याशय की सर्जरी की। ये सर्जरी स्वदेशी सर्जिकल रोबोट सिस्टम की सहायता से की गई। सर्जरी सफल रहा, सभी मरीज ठीक हो गए और अगले दिन उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। चीनी मीडिया के सर्जरी के दौरान रोबोट को डाटा ट्रांसफर में कुल 1,50,000 किलोमीटर की दूरी तय की। यह घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों मोर्चों पर पहली बार हुआ। चीन का यह सैटेलाइट शल्य चिकित्सा चीन के पर्वतों और जलडमरूमध्य तक फैली हुई है। यह चीन के घरेलू उपग्रह टेक्नोलॉजी और रोबोट प्रणालियों का उपयोग करके लंबी दूरी के जटिल ऑपरेशन को सफल अंजाम देती हैं।

ह्यूबर्ट हर्काज़, स्विएटेक ने पोलैंड को यूनाइटेड कप के फाइनल में पहुंचाया

सिडनी, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

इगा स्विएटेक ने शनिवार को सिडनी में सेमीफाइनल मुकाबले में अपने सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों में से एक एलेना रयबाकिना पर कड़ी जीत के साथ पोलैंड को लगातार दूसरे यूनाइटेड कप फाइनल में पहुंचा दिया।

शीर्ष 10 खिलाड़ियों और ग्रैंड स्लैम चैंपियन के बीच मुकाबले में, स्विएटेक ने कजाकिस्तान की एलेना रयबाकिना को 7-6(5), 6-4 से हराया, जिससे 2024 के फाइनलिस्ट के लिए 2-0 की अजेय बढ़त हासिल हुई। इससे पहले, ह्यूबर्ट हर्काज़ ने अलेक्जेंडर शेवचेंको पर शानदार जीत के साथ पोलैंड को 1-0 की बढ़त दिलाकर स्विएटेक के निर्णायक प्रदर्शन के लिए मंच तैयार किया।

एलेना रयबाकिना, उन कुछ खिलाड़ियों में से एक हैं जो लगातार पांच बार की प्रमुख चैंपियन स्विएटेक को चुनौती देती हैं, शनिवार के मैच में एक मजबूत रिकॉर्ड के साथ उतरीं, उन्होंने अपने पिछले छह मुकाबलों में से चार में जीत हासिल की थी। 2022 विंबलडन चैंपियन ने शुरुआत में ही अपनी खास ताकत का प्रदर्शन किया, और 5-3 की बढ़त हासिल की, जबकि स्विएटेक कई फोरहैंड त्रुटियों से जूझ रही थीं।

चुनौतियों का सामना करते हुए, स्विएटेक ने अपनी लय पाई, रैलियों में गति बढ़ाई और खेल के अपने चौथे ब्रेक पॉइंट पर 5-5 से वापसी की। स्विएटेक ने फिर 6-5 पर दो सेट पॉइंट अर्जित किए, लेकिन राइबाकिना ने संघर्ष किया और टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया। टाई-ब्रेक एक बैक-एंड-फॉरवर्ड मामला था, जिसमें पहले आठ अंक रिटर्नर के पास गए। हालांकि, रयबाकिना की लगातार दो बैकहैंड त्रुटियों ने स्विएटेक को सेट पॉइंट की एक और जोड़ी दी। स्विएटेक ने आखिरकार अपने चौथे अवसर का फायदा उठाया, 72 मिनट के गहन खेल के बाद शुरुआती सेट को अपने पक्ष में समाप्त किया।

दूसरे सेट में स्विएटेक ने शुरुआती दो ब्रेक मौके गंवाए लेकिन लव ब्रेक के साथ नियंत्रण हासिल कर 4-3 की बढ़त बना ली। बेहतरीन डिफेंस का प्रदर्शन करते हुए स्विएटेक ने जीत हासिल करने से पहले अंतिम गेम में ब्रेक पॉइंट को रोका।

इससे पहले दिन में, ह्यूबर्ट हर्काज़ ने पोलैंड के दबदबे की नींव रखी, शुरुआती मैच में अलेक्जेंडर शेवचेंको पर 6-3, 6-2 से शानदार जीत दर्ज की। इस जीत ने यूनाइटेड कप में हर्काज़ के शानदार प्रदर्शन और जीत की लय को जारी रखा।

न्यूज़ ब्रीफ

लेब्रोन जेम्स ने माइकल जॉर्डन के सबसे ज़्यादा 30-पॉइंट गेम का रिकॉर्ड तोड़ा

लॉस एंजिल्स। लेब्रोन जेम्स ने शुक्रवार रात अटलांटा के खिलाफ लॉस एंजिल्स लेकर्स के मैच के दौरान माइकल जॉर्डन के 30 अंकों के एनबीए रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। 5 :58 मिनट शेष रहते जेम्स ने अपने करियर में 563वीं बार नियमित सत्र में कम से कम 30 अंक बनाए, जिसने 2003 में जॉर्डन द्वारा स्थापित रिकॉर्ड को तोड़ दिया। जॉर्डन ने 15 सत्रों में 1,072 करियर खेलों में रिकॉर्ड बनाया, जबकि जेम्स ने 22 सत्रों में अपनी 1,523वीं उपस्थिति में यह रिकॉर्ड तोड़ा। जेम्स ने ओहियो के अक्रोन में अपने बचपन के दौरान जॉर्डन को अपना आदर्श माना, और जब उन्होंने मार्च 2019 में एनबीए की करियर स्कोरिंग सूची में जॉर्डन को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया, तो उस पल ने उन्हें लेकर्स की बेंच पर आंसू बहाए। संयोग से, जेम्स ने हॉक्स से लेकर्स की यात्रा के दौरान एनबीए के इतिहास में नियमित सत्र में खेले गए चौथे सबसे अधिक मैचों के डर्क नोविट्स्की (1,522) के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। जेम्स पिछले सप्ताह 40 वर्ष के हो गए, और वे उन कुछ सक्रिय खिलाड़ियों में से हैं जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से जॉर्डन को 1990 के दशक में शिकागो बुल्स के साथ उनके शीर्ष पर देखा था। जेम्स ने एक रात पहले पोर्टलैंड के खिलाफ़ 38 अंक बनाए और जॉर्डन के 30 अंकों के निशान की बराबरी की। जेम्स ने पिछले 18 वर्षों में लगातार 1,253 खेलों में कम से कम 10 अंक बनाए हैं, जो जॉर्डन द्वारा 1986 से 2001 (866) तक बनाए गए रिकॉर्ड से आगे है।

बिग बैश लीग के दौरान चोटिल हुए बैनक्रॉफ्ट, नाक और कंधे में लगी चोट

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कैमरून बैनक्रॉफ्ट को बिग बैश लीग (बीबीएल) मैच के दौरान टीम के साथी डेनियल सैम्स के साथ हुई टक्कर में कंधे और नाक की हड्डी टूट गई। उनकी टीम सिडनी थंडर ने शनिवार को उक्त जानकारी दी। शुक्रवार को पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ मैदान में कैच पकड़ने के दौरान हुई भिड़ंत के बाद बैनक्रॉफ्ट और सैम्स को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भिड़ने के बाद दोनों खिलाड़ी चोटिल हो गए और मैदान पर पड़े रहे। सलामी बल्लेबाज बैनक्रॉफ्ट, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 10 टेस्ट खेले हैं और 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गेंद से छेड़छाड़ के मामले में नौ महीने के लिए प्रतिबंधित किए गए थे, उनकी नाक से खून बह रहा था। ऑस्ट्रेलिया के लिए 10 टी20 मैच खेल चुके सैम्स को अपने साथी 32 वर्षीय खिलाड़ी के साथ सिर टकराने के बाद स्ट्रेचर पर ले जाया गया। टीम ने एक बयान में कहा, सिर में चोट लगने के अलावा, बैनक्रॉफ्ट की नाक और दाहिने कंधे की हड्डी में भी फ्रैक्चर है।

डबल ओलंपिक पदक विजेता फ्रेड केर्ली मियामी पुलिस के साथ कथित विवाद में गिरफ्तार

नई दिल्ली। डबल ओलंपिक पदक विजेता फ्रेड केर्ली को मियामी पुलिस ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार कर लिया और उन पर मारपीट के आरोप लगाए। पुलिस के साथ झड़प के दौरान उन पर टेजर से हमला किया गया। 29 वर्षीय अमेरिकी धावक ने 2024 पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा में कांस्य और 2020 टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता। वह रिले और 100 मीटर स्प्रिंट स्पर्धाओं में पूर्व विश्व चैंपियन भी हैं। स्थानीय समाचार चैनल फॉक्स 7 न्यूज ने मियामी पुलिस के हवाले से कहा कि केर्ली सक्रिय जांच स्थल पर पहुंचे और प्रयासों में बाधा उत्पन्न की। उन्होंने अपनी कार के बारे में चिंता व्यक्त की जो पास में ही खड़ी थी। धावक को क्षेत्र खाली करने के लिए कहा गया, लेकिन उसने मना कर दिया। पुलिस ने दावा किया कि वह आक्रामक हो गया और फिर उसने उसे बिजली के झटके दिए, यह बॉडी कैम फुटेज में देखा जा सकता है जिसे बाद में स्थानीय टीवी चैनलों पर दिखाया गया। पुलिस के एक बयान में कहा गया, स्थिति को शांत करने के अधिकारियों के प्रयासों के बावजूद, प्रतिवादी ने लड़ाई का रुख अपनाया और उनके वैध आदेशों की अनदेखी करना जारी रखा। जब अधिकारियों ने उसकी गिरफ्तारी को प्रभावी बनाने का प्रयास किया, तो उसने सक्रिय रूप से उनके प्रयासों का विरोध किया। नतीजतन, आपातकालीन बैक-अप का अनुरोध किया गया, एक डार्ट-फायरिंग स्टन गन को प्रभावी ढंग से तैनात किया गया, और प्रतिवादी को बिना किसी और घटना के गिरफ्तार कर लिया गया।

सिडनी टेस्ट

दूसरे दिन का खेल खत्म, भारत ने 141 रन पर खोए 6 विकेट, पंत का अर्धशतक

भारतीय टीम की कुल बढ़त 145 रन की हुई

सिडनी, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत ने यहां शनिवार को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल खत्म होने पर अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट पर 141 रन बना लिए हैं। रवींद्र जडेजा 8 और वाशिंगटन सुंदर 6 रन बनाकर नाबाद हैं।

भारत के अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए थे, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रनों पर सिमट गई और भारत को पहली पारी के आधार पर 4 रनों की बढ़त हासिल हुई।

दूसरी पारी में भारत को यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने सधी शुरुआत दिलाई। यशस्वी जायसवाल ने मिचेल स्टॉर्क को पहले ही ओवर में 4 चौके जड़ दिये। दोनों ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े। इसी स्कोर पर बोलैंड ने केएल राहुल (13) को बोल्ड कर भारत को पहला झटका दिया। राहुल के आउट होने के बाद जायसवाल भी चलते बने। 47 के कुल स्कोर पर बोलैंड ने उन्हें बोल्ड कर दिया।

विराट कोहली एक बार फिर असफल रहे और 59 के कुल स्कोर पर केवल 6 रन बनाकर बोलैंड का तीसरा शिकार बने। 78 के कुल स्कोर पर शुभमन गिल वेबस्टर को बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में एलेक्स कैरी को कैच थमा बैठे।

पंत ने 28 गेंदों में पूरा किया अपना अर्धशतक

दूसरी ओर पंत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में बल्लेबाजी करनी शुरु की और केवल 28 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने मिचेल स्टॉर्क की गेंद पर छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और अगली ही गेंद पर एक और जोरदार छक्का जड़ा। 124 के कुल स्कोर पर पैट कमिंस ने पंत की इस आतिशी पारी का अंत किया। पंत ने केवल 33 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्कों की बदौलत 61 रन बनाए।

पंत के आउट होने के बाद नीतीश रेड्डी भी कुछ खास नहीं कर सके और 129 के कुल स्कोर पर केवल 4 रन बनाकर बोलैंड का चौथा शिकार बने। इसके बाद सुंदर (नाबाद 6) और रवींद्र जडेजा (नाबाद 8) ने दिन का खेल समाप्त होने तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दिन के खेल की समाप्ति पर भारत ने 6 विकेट पर 141 रन बना लिए हैं। भारत की कुल बढ़त 145 रनों की हो गई है।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में स्टॉक बोलैंड ने 4, पैट कमिंस और वेबस्टर ने 1-1 विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 पर सिमटी, ब्यू वेबस्टर का अर्धशतक

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रनों पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए ब्यू वेबस्टर ने सर्वाधिक 57 रन बनाए। वेबस्टर के अलावा स्टीवन स्मिथ ने 33, सैम कोंस्टास ने 23 और एलेक्स कैरी ने 21 रन बनाए।

भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने 3-3, जबकि जसप्रीत बुमराह और नीतीश रेड्डी ने 2-2 विकेट लिया।

भारत की पहली पारी 185 रन पर सिमटी

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए। भारत के लिए ऋषभ पंत ने सर्वाधिक 40 रन बनाए। पंत के अलावा रवींद्र जडेजा ने 26, कप्तान जसप्रीत बुमराह ने 22 और शुभमन गिल ने 20 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्कॉट बोलैंड ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए। बोलैंड के अलावा मिचेल स्टॉर्क ने तीन, पैच कमिंस ने 2 और नाथन लियोन ने 1 विकेट लिया।

बार्सिलोना के कोच फ्लिक ने ओल्मो और पॉ विक्टर के टीम में शामिल नहीं होने से जताई नाराजगी

मैड्रिड, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

एफसी बार्सिलोना के कोच हांसी फ्लिक ने स्वीकार किया कि वह उस स्थिति से खुश नहीं हैं, जिसके कारण क्लब सीजन के दूसरे भाग के लिए स्पेन के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी डेनी ओल्मो और फॉरवर्ड पॉ विक्टर को पहली टीम में शामिल नहीं कर पाया है।

नए साल की पूर्वसंध्या से पहले वित्तीय निष्पक्ष खेल आवश्यकताओं को पूरा करने में बार्सिलोना की असमर्थता का मतलब था कि दोनों खिलाड़ियों को बार्का की पहली टीम के दल से हटा दिया गया था, नियमों के अनुसार एक खिलाड़ी को एक ही क्लब के साथ एक सत्र में दो बार पंजीकृत नहीं किया जा सकता है।

इसका प्रभावी रूप से मतलब है कि ओल्मो एक मुफ्त हस्तांतरण पर क्लब से दूर जा सकते हैं, और हालांकि खिलाड़ी के एजेंट ने शुक्रवार को जोर देकर कहा कि उनका क्लब छोड़ने का कोई इरादा नहीं है, जब तक कि स्पेनिश फुटबॉल महासंघ के लिए अपील सफल नहीं होती है।

शनिवार को कोपा डेल रे के तीसरे दौर के मुकाबले से पहले निचली लीग बारबास्ट्रो के खिलाफ़ होने वाले मैच से पहले कोच ने कहा, ईमानदारी से कहूँ तो मैं इस स्थिति से खुश नहीं हूँ, लेकिन हालात ऐसे ही हैं और हम पेशेवर हैं। मैं फ़ुटबॉल पर ध्यान केंद्रित करता हूँ, हमें कोच बनना है और खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करना है - सभी को अपना काम करना है।

उन्होंने कहा कि वे क्लब के अध्यक्ष जोआन लापोर्टा के साथ लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, मैं आशावादी हूँ, लेकिन अक्सर आपको निर्णय होने तक इंतज़ार करना पड़ता है। मुझे पूरा भरोसा है कि क्लब अपना काम करेगा।

फ्लिक ने प्रेस को बताया कि उन्होंने ओल्मो और विक्टर से भी बात की है, उन्होंने कहा, यह आसान स्थिति नहीं है, लेकिन वे दोनों बार्सा के लिए खेलना चाहते हैं और वे हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

यूनाइटेड कप टेनिस

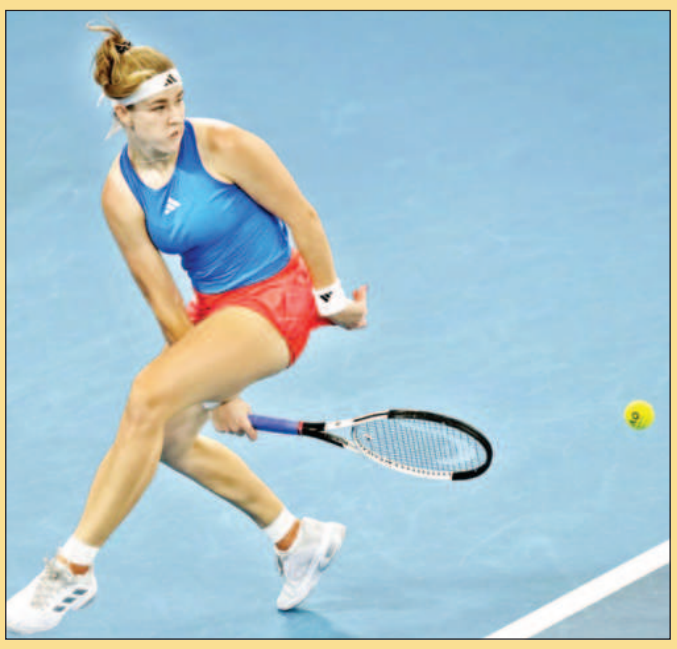

चेकिया की कैरोलिना मुचोवा ने सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट में अपने क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान इटली की जैस्मीन पाओलिनी के लिए अपने पैरों के बीच एक शॉट खेला।

लीजेंड 90 लीग : हरियाणा ग्लेडिएटर्स में शामिल हुए हरभजन सिंह

नई दिल्ली, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह फरवरी से शुरू हो रहे लीजेंड 90 लीग में हरियाणा ग्लेडिएटर्स की तरफ से जादू बिखेरते नजर आएंगे। 103 टेस्ट और 236 एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय मैच खेल चुके हरभजन का अनुभव निश्चित तौर पर ग्लेडिएटर्स के बहुत काम आने वाला है। इसके अलावा टीम में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेन डंक, श्रीलंकाई ऑलराउंडर असेला गुणरत्ने और गेंदबाज पवन सुयाल, अनुरीत सिंह और प्रवीण गुप्ता को भी शामिल किया गया है।

हरियाणा ग्लेडिएटर्स का स्वामित्व रियल स्टेट की अग्रणी फर्म शुभ इंफ्रा के पास है।

टीम के बारे में शुभ इंफ्रा के निदेशक हरीश गर्ग ने एक बयान में कहा कि हरियाणा ग्लेडिएटर्स साहस, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के मूल्यों पर बनी है। हम पूरी तरह से आश्वस्त हैं कि हरभजन सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी के नेतृत्व में हमारी टीम सफलता के नए आयाम स्थापित करेगी।

शुभ इंफ्रा के निदेशक सनी सहगल ने कहा कि हमारी टीम युवा ऊर्जा और अनुभव का बेहतरीन मिश्रण है। इस लीग का अनूठा प्रारूप क्रिकेट को अलग तरह से परिभाषित करने का एक बेहतरीन मंच है और ऐसे में इस यात्रा का हिस्सा बनना हमारे लिए गर्व की बात है।

इससे पहले पिछले महीने हरियाणा ग्लेडिएटर्स ने अपनी टीम के लोगो का अनावरण किया था। दहाड़ते हुए शेर से सजा लोगो साहस, शक्ति और लचीलेपन की शानदार छवि दर्शाता है।

लीजेंड 90 लीग 90 बॉल क्रिकेट का ऐसा ताबड़तोड़ प्रारूप है, जो न केवल क्रिकेट को नए तौर पर परिभाषित करता है, बल्कि क्रिकेट के पूर्व दिग्गजों का ऐसा उत्सव है, जो उन्हें फिर से उसी गौरव का अनुभव कराता है, जो कभी हुआ करता था। लीग में 7 फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी और लीग का प्रारूप जिस तरह से नजर आ रहा है, निश्चित तौर पर यह प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक अनुभव होने वाला है।

मेहदी हसन ने बांग्लादेश टी-20 टीम की कप्तानी के लिए पेश की दावेदारी

ढाका, 04 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी मेहदी हसन ने टी-20 कप्तानी के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि अगर मौका मिलता है तो वह इसका लुत्फ उठाने के लिए तैयार हैं।

यह घोषणा बीसीबी अध्यक्ष फारुक अहमद द्वारा आधिकारिक तौर पर घोषित किए जाने के कुछ घंटों बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे नए टी-20 कप्तान की तलाश कर रहे हैं, क्योंकि नजमुल हुसैन सबसे छोटे प्रारूप में टीम का नेतृत्व नहीं करना चाहते हैं।

फारूक ने शुक्रवार को शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में संवाददाताओं से कहा, चोट के कारण शांतो टीम से बाहर हो गए हैं और अगर वह वापस आते हैं तो वह कप्तान (टेस्ट और वनडे में) के रूप में वापसी करेंगे। उन्होंने हमें बताया कि वह टी-20 कप्तान के रूप में सहज नहीं हैं और हम इस पद के लिए किसी और के बारे में सोच रहे हैं। चूंकि हमें छह महीने बाद टी-20 खेलना है, इसलिए यह तत्काल मुद्दा नहीं है और हम इसके बारे में बाद में सोच सकते हैं, इसलिए हम इसके लिए इंतजार कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, मैं हमेशा सोचता हूं कि कप्तानी करने वाले क्रिकेट दिमाग और फॉर्म के बीच कोई संबंध नहीं है, लेकिन अगर कोई व्यक्ति लंबे समय तक फॉर्म में नहीं है तो यह चिंता का विषय है। हालांकि वह (लिटन) कप्तान के रूप में फॉर्म में नहीं आ सके, लेकिन उन्होंने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया और यह एक कप्तान का सबसे बड़ा गुण है कि उनका व्यक्तिगत प्रदर्शन उनकी कप्तानी को प्रभावित नहीं कर रहा है। मुझे उम्मीद है कि वह जल्दी ही फॉर्म में लौट आएंगे और जब हम कप्तानी के बारे में बात करेंगे तो वह सबसे आगे होंगे।

जब फारुक एसबीएनएस प्रेस बॉक्स में अचानक आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रेस को संबोधित कर रहे थे, तब मेहदी हसन, जिन्होंने वेस्टइंडीज में टेस्ट और वनडे में अंतरिम कप्तान की भूमिका निभाई थी, क्योंकि नजमुल चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए थे, ढाका कैपिटल्स के खिलाफ खुलना टाइगर्स की अगुआई कर रहे थे। उन्होंने अपने मैन-ऑफ-द-मैच प्रदर्शन के साथ अपनी टीम को 20 रन से जीत दिलाने में मदद की - अपने चार ओवरों में छह रन देकर तीन विकेट चटकाए।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह टी20 कप्तानी के लिए तैयार हैं, तो मेहदी इस संभावना से उत्साहित दिखे।

मेहदी ने कहा, देखिए, जब अवसर आता है तो उसका आनंद लेना महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि मैंने वेस्टइंडीज में भी कप्तानी की है और यहां भी कर रहा हूं और यह (टीम का नेतृत्व करना) मेरे लिए नया नहीं है। कप्तानी करना एक आदत की तरह है और अगर आप लंबे समय तक अंतराल देते हैं तो आपको निर्णय लेने में थोड़ा अधिक सोचना पड़ सकता है, लेकिन अगर आप इसमें बने रहते हैं (कप्तानी करते हैं) तो आप कुछ अच्छे निर्णय ले सकते हैं जैसे कि आप सुधार कर सकते हैं, आप ऐसा कर सकते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं हमेशा इसका (कप्तानी) आनंद लेने की कोशिश करता हूं।

उन्होंने कहा, टी20 में आपको बहुत जल्दी निर्णय लेने होते हैं और आईसीसी के नए नियमों के अनुसार एक मिनट के भीतर ओवर बदलना और गेंदबाजी शुरू करना मुश्किल है, जैसे कि आपको फील्ड सेट करने में बहुत समय लगता है और ऐसा करना मुश्किल है और इसलिए जल्दी से निर्णय लेना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, देखिए टी20 कप्तानी पूरी तरह से बोर्ड का निर्णय है और एक बात यह है कि चूंकि मैं बीपीएल में कप्तानी कर रहा हूं और अगर बोर्ड को लगता है कि वे मुझे कप्तानी दे देंगे या उनके पास कोई बेहतर (विकल्प) है जैसे कि लिटन दास ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में कप्तानी में अच्छा प्रदर्शन किया और टीम ने अच्छा प्रदर्शन भी किया, इसलिए निर्णय पूरी तरह से बोर्ड पर निर्भर करता है, लेकिन हां, चूंकि मैं बीपीएल में कप्तानी कर रहा हूं, इसलिए यह एक आदत बन गई है और इससे मुझे भविष्य में मदद मिलेगी।

कंपनी पर परिसमापन शुरू होने के बाद ईपीएफओ की कार्यवाही पर बंदिश नहीं : एनसीएलएटी

स्थगन के तहत संरक्षण मिलने के बाद ईपीएफओ कार्यवाही जारी नहीं रख सकता

नई दिल्ली,04 जनवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के मुताबिक दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत किसी भी कर्जदार कंपनी के खिलाफ परिसमापन प्रक्रिया शुरू होने के बाद ईपीएफओ एवं अन्य वैधानिक अधिकारियों की मूल्यांकन कार्यवाही पर कोई बंदिश नहीं है। हालांकि अपीलीय न्यायाधिकरण ने कहा कि किसी ऋणग्रस्त कंपनी के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू होने के बाद अगर उसे स्थगन के तहत संरक्षण मिल जाता है, तो कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ऐसी कार्यवाही जारी नहीं रख सकता है। ईपीएफओ की दो याचिकाओं को खारिज करते हुए एनसीएलएटी ने कहा कि एक बार जब किसी कंपनी को आईबीसी की धारा 14 (1) के प्रावधानों के अनुरूप स्थगन के तहत संरक्षण मिल जाता है तो बकाया राशि के निर्धारण के लिए मूल्यांकन कार्यवाही जारी नहीं रखी जा सकती है। एनसीएलएटी ने कहा कि हम मानते हैं कि धारा 14, उपधारा (1) के तहत स्थगन आने के बाद ईपीएफओ कोई मूल्यांकन कार्यवाही जारी नहीं रख सकता है। अगर परिसमापन का आदेश पारित होने के बाद धारा 33 की उपधारा (5) मूल्यांकन कार्यवाही शुरू करने या जारी रखने पर रोक नहीं लगाती है। इसने कहा कि स्थगन अवधि के दौरान किए गए मूल्यांकन के आधार पर कोई दावा कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत नहीं किया जा सकता है। हालांकि एनसीएलएटी ने कहा कि एक बार परिसमापन का आदेश पारित हो जाने के बाद, धारा 14 के तहत स्थगन समाप्त हो जाता है और धारा 33(5) के तहत स्थगन, जिसे अलग तरीके से लिखा गया है, लागू हो जाता है।

न्यूज ब्रीफ

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। देश की सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल डीजल की नई कीमतें जारी कर दी हैं। हालांकि, ये कंपनियां रोजाना सुबह 6 बजे नई दरों को जारी कर देती हैं। इन कंपनियों ने देश के चार महानगरों के साथ-साथ झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश के प्रमुख जिलों के लिए भी कीमतें जारी की है। हालांकि दिल्ली और मुंबई सहित देश के चारों महानगरों में शुक्रवार को भी तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.67 प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपेय प्रति लीटर और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

अप्रैल-दिसंबर 2024 में मॉयल का मैंगनीज अयस्क उत्पादन बढ़ा

उत्पादन 4.5 प्रतिशत बढ़कर 13.3 लाख टन हो गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। सार्वजनिक क्षेत्र की एमओआईएल (मॉयल) का मैंगनीज अयस्क उत्पादन चालू वित्तवर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि में सालाना आधार पर 4.5 प्रतिशत बढ़कर 13.3 लाख टन हो गया। चालू वित्तवर्ष के पहले नौ महीनों में मैंगनीज अयस्क की बिक्री भी एक साल पहले की अवधि की तुलना में 4 प्रतिशत बढ़कर 11.39 टन हो गई। इस्पात मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चालू वित्तवर्ष के पहले नौ महीनों में प्रदर्शन की बात करें तो मॉयल ने 13.3 लाख मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है, जो 4.5 प्रतिशत अधिक है। मॉयल ने 11.39 लाख टन की बिक्री की है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में की गई बिक्री की तुलना में 4 प्रतिशत अधिक है। बयान में कहा गया है क इस सार्वजनिक उपक्रम ने अपनी खोजपूर्ण कोर ड्रिलिंग में भी वृद्धि दर्ज की है जो 72,340 मीटर है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। मौजूदा समय में एमओआईएल महाराष्ट्र के नागपुर और भंडारा जिलों और मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में स्थित अपनी भूमिगत और खुली खदानों का संचालन करती है। कंपनी मैंगनीज अयस्क के विभिन्न ग्रेड का उत्पादन और बिक्री करती है।

अब सिर्फ 10वीं पास ही रेलवे के लेवल-1 पदों के लिए आवेदन कर सकेंगे

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने 'लेवल-1' (पूर्ववर्ती ग्रुप-डी) पदों पर भर्ती के लिए नये नियम बनाए हैं, जिसके मुताबिक दसवीं कक्षा पास उम्मीदवार या आईटीआई डिप्लोमा धारक या समकक्ष या राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) द्वारा प्रदान किया गया राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रमाणपत्र (एनएसी) धारक लेवल-1 पदों के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। इससे पहले तकनीकी विभागों के लिए आवेदक का दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना और एनएसी या आईटीआई डिप्लोमा होना आवश्यक था। बोर्ड की ओर से दो जनवरी को सभी रेलवे जोन को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि इस मुद्दे की समीक्षा की गई और पहले के निर्देशों को रद्द करते हुए यह निर्णय लिया गया। पत्र में कहा गया कि बोर्ड द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि लेवल-1 पदों (लेवल-1 भर्ती के लिए आगामी सीईएन सहित) में भविष्य की सभी भर्तियों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण या आईटीआई या समकक्ष या एनसीवीटी द्वारा प्रदान किया गया एनएसी होगी। रेलवे भर्ती बोर्ड ने हाल ही में लेवल-1 पदों पर लगभग 32,000 उम्मीदवारों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है, जिसके लिए आवेदन प्रक्रिया 23 जनवरी से 22 फरवरी तक चलेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बांग्लादेश के...

इस दिन को भी जानबूझकर चुना गया था। दरअसल, यह रमजान का अठारवां दिन था।

इसी दिन बद्र का युद्ध हुआ था। इस बद्र के युद्ध में पैगंबर मोहम्मद की सेनाओं ने कुरैशों से युद्ध किया था और हराया था। इसके चलते इस्लाम का अरब में कब्जा पक्का हो पाया था। इसी को ध्यान में रखते हुए सुहरावर्दी और जिन्ना ने यह दिन चुना। वह हिंदुओं को कुरैश दिखाना चाह रहे थे और भारत के मुस्लिमों को पैगम्बर मुहम्मद की फौज। उन्होंने अखबारों और सभाओं के जरिए खूब जहर उगला।

मुस्लिम लीग के मुखपत्र द स्टार इंडिया ने लिखा, मुसलमानों को याद रखना चाहिए कि यह रमजान ही था जब अल्लाह ने जिहाद की मंजूरी दी थी। रमजान में ही बद्र की लड़ाई लड़ी गई थी, जो इस्लाम और बुतपरस्तों के बीच पहला खुला युद्ध था, जिसे 313 मुसलमानों ने जीता था और फिर रमजान में ही पैगंबर के नेतृत्व में 10,000 मुसलमानों ने मक्का पर जीत हासिल की थी और अरब में जन्नत और इस्लाम के राज की स्थापना की। मुस्लिम लीग खुशकिस्मत है कि वह इस महीने और दिन पर अपनी कार्रवाई शुरू कर रही है।

16 अगस्त 1946 की सुबह कलकत्ता में हिंसा भड़क उठी। मुस्लिम लीग के नेताओं के भड़काऊ भाषणों ने हिंसा को और भड़का दिया। हुसैन शहीद सुहरावर्दी ने सभी मौलवियों को तकरीर देने का निर्देश दिया था, जिसमें जुम्मा के नमाजियों को पाकिस्तान बनाने के लिए हर कोशिश करने को कहा गया था। यहां हिंदुओं पर हमला करना साफ मकसद था। सुहरावर्दी ने मुसलमानों को यह साफ कहा था उन्हें कानूनी छूट मिलेगी और पुलिस हस्तक्षेप नहीं करेगी। इससे उन्हें हिंदू इलाकों में उत्पात मचाने का और भी हौसला मिला।

सुहरावर्दी ने पुलिस को काम नहीं करने दिया और इससे मुस्लिम गुंडों को बिना किसी डर अपने हमले करने की छूट मिल गई। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, स्थिति तेजी से बिगड़ती गई। लोहे की रॉड, तलवारों और अन्य हथियारों से लैस मुस्लिम भीड़ ने कोलकाता शहर भर में हिंदू घरों और व्यवसायों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। कॉलेज स्ट्रीट और बड़ा बाजार जैसे इलाके मुसलमानों के लिए सामूहिक हत्या, बलात्कार और आगजनी करने के लिए मुख्य निशाना बने।

सुहरावर्दी ने इस हिंसा में बड़ा रोल निभाया था। उसने नरसंहार से कुछ साल पहले बंगाल पुलिस में हेरफेर करके पंजाबी मुस्लिमों और पठानों को बड़ी संख्या में भरा था। कलकत्ता पुलिस में इससे पहले पारंपरिक रूप से आरा, बलिया, छपरा और देवरिया के हिंदू शामिल थे। सुहरावर्दी ने इसमें फेरबदल करके यह पक्का कर दिया कि दंगे के समय कार्रवाई हिंदुओं के खिलाफ हो और मुस्लिमों के अपराध पर वह आंख मूंद ले। इस हिंसा के लिए लम्बी योजना बनाई गई थी। पेट्रोल इकट्ठा करने और गुंडों को खाना-पानी के लिए भी विशेष इंतजाम था।

ब्रिटिश सरकार ने नरसंहार के 6 दिनों के बाद ही स्थिति संभालने के लिए सेना भेजी लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। यह हिंसा बाद में बिहार और पंजाब समेत बाकी इलाकों में फैली। बाद में यह हिंसा बिहार और पंजाब सहित अन्य क्षेत्रों में फैल गई। इसी के कुछ दिनों बाद मुसलमानों ने अक्टूबर और नवंबर 1946 में नोआखली नरसंहार की साजिश रची। सुहरावर्दी के सहयोगी और मुस्लिम लीग का नेता गुलाम सरवर हुसैनी इस नरसंहार के पीछे मास्टरमाइंड था। नोआखली में भी 5,000 से अधिक हिंदुओं की हत्या की गई।

अब सुहरावर्दी के कुकर्मों पर पर्दा डालने का प्रयास किया जा रहा है। सुहरावर्दी को डायरेक्ट एक्शन डे से अलग करने का भी प्रयास किया जा रहा है। उसे न केवल महिमामंडित किया जा रहा है, बल्कि इतिहास के प्रमुख आदमी के रूप में भी चित्रित किया जा रहा है। जबकि असल में सुहरावर्दी को कोलकाता में गुंडों के राजा के रूप में जाना जाता था। बंगाल के कसाई के रूप में उसकी करामातों को विभिन्न इतिहासकारों ने दर्ज किया है, लेकिन फिर भी मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार इसे छिपाने की कोशिश कर रही है।

जिन्हें किसी...

दो-तीन दिन पहले ही कैबिनेट ने पीएम फसल योजना को एक साल और बढ़ाने को मंजूरी दी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि के जरिए किसानों को तीन लाख करोड़ रुपए की आर्थिक मदद दी जा रही है। बीते 10 वर्षों में कृषि ऋण साढ़े तीन गुना बढ़ गए हैं। अब पशुपालकों और मछली पालकों को भी किसान क्रेडिट कार्ड दिए जा रहे हैं। हमने बीते 10 वर्षों में फसलों पर दी जाने वाली को बढ़ाया है। हमने स्वामित्व योजना जैसे अभियान चलाए हैं, जिनके जरिए गांव के लोगों को सम्पत्ति के दस्तावेज दिए जा रहे हैं। आज गांव के युवाओं को मुद्रा योजना, स्टार्टएप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया जैसी योजनाओं के जरिए मदद की जा रही है। किसानों को फसलों का सही दाम मिले, इसके लिए साल 2021 में अलग मंत्रालय का गठन किया गया।

पीएम मोदी ने कहा कि हाल ही में एक अहम सर्वे हुआ है, जिसमें पता चला कि साल 2011 की तुलना में अब ग्रामीणों की क्रय शक्ति करीब तीन गुना बढ़ गई है। अब गांव के लोग पहले की तुलना में ज्यादा खर्च कर रहे हैं। आजादी के बाद देश के ग्रामीण खाने पर 50 प्रतिशत आमदनी खर्च कर रहे थे। यह पहली बार है कि यह दर 50 फीसदी तक घट गई है।

ग्रामीण भारत महोत्सव 4 जनवरी से लेकर 9 जनवरी तक चलेगा। इसकी थीम विकसित भारत 2047 के लिए एक लचीले ग्रामीण भारत का निर्माण रखी गई है। इस महोत्सव के दौरान ग्रामीण भारत की उद्यमशीलता की भावना और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाया जाएगा। इस महोत्सव में विभिन्न चर्चाओं और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिनके जरिए ग्रामीण बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण और ग्रामीण समुदाय में नवाचार को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही इसका उद्देश्य सरकार टिकाऊ कृषि प्रथाओं को अपनाने के साथ ही उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना है।

दिल्ली की जनता...

इसपर उन बच्चों में से एक ने मुझे सुधारा और कहा, ऐसा नहीं हैं। केजरीवाल जी ने अपने लिए एक बहुत बड़ा शीश महल बनवाया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज नए कामकाजी महिला छात्रावास ब्लॉक सुषमा भवन का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने इस दौरान सुषमा स्वराज को पार्टी की महान नेताओं में से एक के रूप में याद किया। छात्रावास का नाम पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के नाम पर रखा गया है। वो दिल्ली की मुख्यमंत्री भी रही थीं। सुषमा भवन का उद्घाटन करने के बाद शाह ने कहा कि सुषमा जी को पार्टी की महान नेताओं में से एक के रूप में सदैव याद किया जाएगा।

अमित शाह ने सुषमा स्वराज को याद कर कहा, देश के राजनीतिक इतिहास में वह उन नेताओं में से एक हैं, जो एनडीए-1 और एनडीए-2 के दौरान मंत्री थीं और वह भी महत्वपूर्ण विभागों में। मगर, उन्हें केवल एक मंत्री के रूप में नहीं बल्कि विपक्ष के नेता के रूप में भी याद किया जाएगा। यह सुषमा जी ही थीं, जिन्होंने संसद में कांग्रेस के भ्रष्टाचार को उजागर किया था। शाह ने कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि विपक्ष के सभी नेताओं को उनके काम का अध्ययन करना चाहिए और उन्होंने जो किया उसका अनुसरण करने का प्रयास करना चाहिए। देश का लोकतांत्रिक इतिहास सुषमा स्वराज जी को एक संघर्षशील और प्रभावशाली विपक्षी नेता के रूप में याद रखेगा। विपक्ष के नेता के पद की महत्ता का उदाहरण जब दिया जाएगा, तो सुषमा जी का नाम अवश्य लिया जाएगा।

सीबीआई का...

के तहत अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य की ओर से सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति विभाजन के बाद नवगठित आंध्र प्रदेश राज्य पर स्वतः लागू नहीं होती है। हाईकोर्ट ने दोनों कर्मचारियों के तर्क से सहमति जताते हुए एफआईआर रद्द कर दी और इस बात पर जोर दिया कि आंध्र प्रदेश से नए सिरे से सहमति लेना आवश्यक है।

32 पेज का फैसला लिखने वाले जस्टिस सीटी रविकुमार ने हाईकोर्ट की व्याख्या से असहमति जताई। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने सीबीआई की जांच के लिए राज्य से नए सिरे से सहमति मांगने की बात कह गलती की। सुप्रीम कोर्ट ने एक सवाल तैयार किया था। क्या सीबीआई को किसी केंद्रीय अधिनियम के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए राज्य सरकार की सहमति की केवल इसलिए जरूरत है कि वह कर्मचारी किसी राज्य के क्षेत्र में काम करता है। शीर्ष अदालत ने फैसले में कहा कि ऐसी सहमति आवश्यक नहीं है क्योंकि संबंधित अपराध केंद्रीय कानून के तहत हैं और इसमें केंद्रीय सरकार के कर्मचारी शामिल हैं।

पद्मविभूषण...

वह 2001 से 2018 तक भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, 1990 से 1993 तक भाभा परमाणु अनुसंधान संस्थान (बीएआरसी) के निदेशक, 1993 से 2000 तक परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष रहे। वह परमाणु उर्जा विभाग के सचिव भी रहे। इसके अलावा, उन्होंने 1994 से 1995 तक अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के प्रमुख के रूप में भी काम किया।

डॉ. चिदंबरम ने भारत के परमाणु कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 1974 के पहले परमाणु परीक्षण में योगदान दिया और 1998 में पोखरण में दूसरी परमाणु परीक्षण के दौरान परमाणु ऊर्जा विभाग की टीम का नेतृत्व किया। परमाणु ऊर्जा विभाग के बयान में कहा गया, उन्होंने 1997 में देश के पहले परमाणु परीक्षण में अद्वितीय भूमिका निभाई और 1998 में दूसरे परमाणु परीक्षण के दौरान डीएई की टीम का नेतृत्व किया। उनके योगदान ने भारत को वैश्विक मंच पर एक परमाणु शक्ति के रूप में स्थापित किया। डॉ. चिदंबरम को साल 19975 में पद्म श्री पुरस्कार से नवाजा गया था। इसके बाद 1999 में उन्हें पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया। उन्हें विभिन्न विश्वविद्यालयों ने डॉक्टर की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया।

वह कई भारतीय और अंतरराष्ट्रीय अकादमियों के फेलो भी रहे।

परमाणु उर्जा विभाग के सचिव अजित कुमार मोहंती ने डॉ. चिदंबरम के निधन को अपूरणीय क्षति करार दिया। उन्होंने कहा, डॉ. चिदंबरम विज्ञान और प्रौद्योगिकी के पुरोधा थे, जिनके योगदान से भारत परमाणु शक्ति बना और आत्मनिर्भरता की रणनीति आगे बढ़ी। उनका निधन वैज्ञानिक समुदाय और देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

पाकिस्तान...

इस कार्यप्रणाली में समन्वित योजनाएं शामिल हैं, जहां विदेशियों की गतिविधियों पर हवाई अड्डे से बाहर निकलने के बाद नजर रखी जाती है। कई मामलों में, इन व्यक्तियों से पारगमन के दौरान या होटलों में ठहरने के दौरान उनकी नकदी लूट ली जाती है। चिंताजनक बात यह है कि कुछ होटल कर्मचारी, जिनमें रूम सर्विस और सफाई कर्मचारी शामिल हैं, इन गिरोहों के साथ मिलकर सामान या डिपॉजिट बॉक्स में सेंध लगाकर कीमती सामान चुरा लेते हैं।

आईएसआई के दबाव में पाकिस्तान के होटल भी विदेशी आगंतुकों को ब्लैकमेल करने की एक भयावह योजना में शामिल हो गए हैं। रिपोर्ट बताती है कि कई होटल मेहमानों के अंतरंग क्षणों को गुप्त रूप से रिकॉर्ड करते हैं, जिसका इस्तेमाल बाद में जबरन वसूली के लिए किया जाता है। खुफिया एजेंसियां अक्सर इन रिकॉर्डिंग का फायदा उठाती हैं, और धमकी देती हैं कि अगर पर्याप्त रिश्वत नहीं दी गई तो वे इन्हें सार्वजनिक रूप से जारी कर देंगी। चिंताजनक बात यह है कि कुछ होटलों पर इन रिकॉर्डिंग को अश्लील वेबसाइटों को बेचने का भी आरोप है, जिससे शोषण का एक और स्तर जुड़ जाता है।

इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) सहित पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों द्वारा अपनाई जाने वाली सबसे खतरनाक रणनीति में से एक है, नारकोटिक्स स्टिंग ऑपरेशन के जरिए अमीर विदेशियों को निशाना बनाना। इन मामलों में, कोकीन या हेरोइन जैसी नशीली दवाएं होटल के कमरों या अनजान आगंतुकों के सामान में रख दी जाती हैं। इसके बाद, छापे मारे जाते हैं और रखे गए नशीले पदार्थों की खोज की जाती है। इसके बाद विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया जाता है और उन्हें गंभीर कानूनी परिणामों की धमकी दी जाती है, जब तक कि वे भारी रकम का भुगतान नहीं करते, जो अक्सर 100,000 अमेरिकी डॉलर से लेकर 200,000 अमेरिकी डॉलर तक होती है। दूतावास आमतौर पर हस्तक्षेप करने में असमर्थ होते हैं, क्योंकि पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत किए गए मनगढ़ंत सबूत आरोपों का खंडन करना मुश्किल बनाते हैं।

एक और प्रचलित खतरा संगठित अपराध रैकेट से जुड़ा है जो एस्कॉर्ट और सेक्स सेवाएं प्रदान करने का दिखावा करते हैं। ये समूह मुख्य रूप से पंजाब, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और कराची से लोगों की भर्ती करते हैं। विदेशी ग्राहक जो एस्कॉर्ट किराए पर लेते हैं या इन कंपनियों के परिसर में आते हैं, उन्हें अक्सर बंदूक की नोक पर लूटा जाता है, बंदी बनाया जाता है या शारीरिक हमले का शिकार बनाया जाता है। पीड़ित जो इन घटनाओं की सूचना कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देते हैं, उन्हें अक्सर सहायता के बजाय और अधिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है।

पाकिस्तानी आईएसआई मानव तस्करी और अंग व्यापार सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय आपराधिक उद्यमों में गहराई से शामिल है। वैध यात्रा की आड़ में, आईएसआई मध्य पूर्व, चीन और पश्चिमी देशों में युवा महिलाओं की आवाजाही की सुविधा प्रदान करती है। इन महिलाओं को पर्यटक या व्यवसायी महिला के रूप में वीजा हासिल करने के लिए जाली दस्तावेज और बैंक स्टेटमेंट दिए जाते हैं। विदेश में पहुंचने के बाद इन महिलाओं को जबरन सेक्स वर्क में धकेल दिया जाता है, और उनकी कमाई का एक बड़ा हिस्सा आईएसआई ले लेती है। यह काम अक्सर मनी-एक्सचेंज शॉप, रेस्टोरेंट या सफाई सेवाओं के जरिए किया जाता है, जो अवैध गतिविधियों के लिए मुखौटे के रूप में काम करते हैं।

आईएसआई के सबसे जघन्य कृत्यों में से एक मानव अंग तस्करी में इसकी संलिप्तता है। विश्वसनीय सूत्रों से पता चलता है कि पाकिस्तान में संगठित नेटवर्क के माध्यम से हर साल हजारों किडनी निकाली जाती हैं। इन अंगों को अमीर स्थानीय खरीदारों या अंतरराष्ट्रीय अंग तस्करी गिरोहों को 25,000 से 30,000 अमेरिकी डॉलर में बेचा जाता है। पाकिस्तान में मानव अंगों के वाणिज्यिक व्यापार पर प्रतिबंध के बावजूद यह अवैध उद्योग पाकिस्तान में खूब फल-फूल रहा है। ज्यादातर किडनी प्रत्यारोपण पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में होते हैं, जहां ऐसे कानूनों का प्रवर्तन लगभग न के बराबर है। पाकिस्तान के नागरिकों की आर्थिक हताशा इस मुद्दे को और बढ़ा देती है, क्योंकि कई लोग तेजी से अस्थिर होती अर्थव्यवस्था में जीवित रहने के लिए अपनी किडनी बेचने को मजबूर हैं।

ये चिंताजनक घटनाक्रम पाकिस्तान के अराजकता की ओर बढ़ने और अंतरराष्ट्रीय अपराधों के केंद्र में तब्दील होने की भयावह तस्वीर पेश करते हैं। खुफिया एजेंसियों सहित राज्य संस्थाओं की मिलीभगत एक प्रणालीगत सड़न को उजागर करती है जो सुधार या जवाबदेही की किसी भी संभावना को कमजोर करती है। विदेशी नागरिक, खास तौर पर व्यापार या पर्यटन के लिए पाकिस्तान आने वाले लोगों को काफी जोखिम का सामना करना पड़ता है। सुरक्षा उपायों की कमी और इन आपराधिक गतिविधियों में सरकारी अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी के कारण पीड़ितों के लिए न्याय पाना लगभग असंभव हो जाता है। राजनयिक प्रोटोकॉल और मनगढ़ंत साक्ष्यों से बंधे दूतावास अक्सर अपने नागरिकों की सुरक्षा करने में असमर्थ हो जाते हैं।

सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को इन घटनाक्रमों का संज्ञान लेना चाहिए और पाकिस्तान पर अपनी सीमाओं के भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार और अपराध को दूर करने के लिए दबाव डालना चाहिए। कूटनीतिक उपाय, प्रतिबंध और सख्त यात्रा सलाह तत्काल निवारक के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को पीड़ितों का समर्थन करने और राज्य के संरक्षण में किए गए अपराधों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए तंत्र बनाने की दिशा में काम करना चाहिए।

विदेशियों के लिए चूहे के जाल में पाकिस्तान का तब्दील होना एक व्यापक संकट को दर्शाता है जो इसकी सीमाओं से परे तक फैला हुआ है। अगर इसे अनियंत्रित छोड़ दिया जाए, तो संगठित अपराध का अनियंत्रित प्रसार और अवैध गतिविधियों में राज्य संस्थानों की भागीदारी क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता के लिए भीषण खतरनाक साबित होगी।

पाकिस्तान का अंतरराष्ट्रीय अपराध और राज्य प्रायोजित भ्रष्टाचार के लिए एक आश्रय स्थल बन जाना सिर्फ एक स्थानीय संकट नहीं है, यह वैश्विक स्थिरता के लिए एक खतरा है।

विदेशी नागरिकों का बड़े पैमाने पर शोषण, अंग तस्करी जैसे जघन्य कृत्यों में राज्य संस्थाओं की संलिप्तता और पीड़ितों के खिलाफ डराने-धमकाने की रणनीति का इस्तेमाल, ये सभी शासन में व्यापक पतन के लक्षण हैं। यह संकट तत्काल अंतरराष्ट्रीय ध्यान और समन्वित कार्रवाई की मांग करता है।

सपने में सांप दिखना अच्छा होता है या बुरा!

अक्सर लोगों को सपने में सांप दिखाई देते हैं। कुछ लोग सपने में सांप दिखना अशुभ मानते हैं तो कुछ शुभ। लेकिन स्वप्न शास्त्र अनुसार सांप के सपनों का मतलब अच्छा भी हो सकता है और बुरा भी। अगर किसी को सपने में बहुत सारे सांप दिखाई देते हैं तो इस सपने का मतलब अशुभ होता है। ये सपना भविष्य में परेशानियां आने का संकेत देता है। सोते हुए सपने तो हम सभी देखते हैं। कभी-कभी हम सपनों की सुखद दुनिया में खो जाते हैं तो कई सपने ऐसे भी होते हैं जो नींद से जगा देते हैं और हम बुरी तरह डर जाते हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि किसी भी स्वप्न का संबंध हमारे जीवन में घटने वाली घटनाओं के साथ भी होता है। सपने हमें शुभ या अशुभ का संकेत देते हैं। यह आवश्यक नहीं है कि जो स्वप्न देखकर हम डर जाएं वह अशुभ हो और जो स्वप्न देखकर हमें सुखद एहसास हो वह शुभ हो इसका अर्थ कुछ और भी हो सकता है। अगर हम कोई भी स्वप्न देखते हैं तो हमें उसके बारे में जानने की जिज्ञासा होती है। कई ऐसे सपने हैं जिसे दिखाई देने पर आपको स्वास्थ्य और धन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। प्राचीन समय से ही ऐसा माना जाता है कि सपने हमें भविष्य की घटनाओं से रूबरू कराते हैं।

सपने में सांप आपका पीछा कर रहा है और आप घबराए हुए हैं तो इसका मतलब है कि आप किसी चीज को लेकर डरे हुए हैं। ये सपना भी अशुभ माना जाता है। अगर सपने में सांप डंस लेता है तो ये सपना गंभीर रोग होने का संकेत देता है। इस सपने को देखने के बाद आप सतर्क हो जाएं। यदि आप सपने में मरा हुआ सांप देखते हैं तो ये सपना शुभ माना जाता है। ऐसे सपने का

मतलब है कि आपने राहु दोष से उत्पन्न सारे कष्ट झेल रहे हैं। सपने में सांप के दांत दिखना भी अशुभ माना जाता है। इस सपने के आने का मतलब है कि आपको किसी से धोखा मिल सकता है। ये सपना नुकसान पहुंचने का भी संकेत देता है। यदि सपने में सांप और नेवले की लड़ाई देखते हैं तो इसका मतलब है कि आप किसी कानूनी पचड़े में फंस सकते हैं। ये सपना कोर्ट कचहरी के चक्कर लगने का भी संकेत देता है।यदि सपने में सफेद या सुनहरा सांप दिखाई दे तो इसका मतलब है कि आपकी किस्मत खुलने वाली है। यदि सपने में बार-बार सांप दिखाई दे तो इसका मतलब है कि आपको पितृदोष हो सकता है। यदि सपने में सांप बिल में जाते दिखाई दे तो इसका मतलब है कि आपको अचानक से धन की प्राप्ति हो सकती है। सांप फन उठाए दिखे तो इसका मतलब है कि आपको संपत्ति की प्राप्ति होगी। अक्सर आपने सपने में सांप देखें होंगे, परंतु क्या आप इसका अर्थ जानते हैं। आइए जानते हैं सपने में सांप दिखाओ देना किस बात का संकेत देता है।

बहुत सारे सांप देखना

अगर आप सपने में ढेर सारे सांप देखते हो तो इसका अर्थ है कि आप पर कोई संकट आने वाला है लेकिन अगर आप सपने में उन सांप को मार देते हो या उसे अपने पास से भगा देते हो तो इसका अर्थ है आप अपने आने वाले संकट पर आसानी से विजय प्राप्त कर लेंगे।

मरा हुआ सांप देखना

अगर सपने में आपको सांप मरा हुआ दिखाई दे तो इसका अर्थ है कि आगे आने वाला समय आपका अच्छा रहेगा। लेकिन इसके विपरीत यदि सपने में सांप के दांत दिखाई देने का अर्थ है कि आपका कोई करीबी आपको नुकसान पहुंचाने वाला है।

सफेद या सुनहरा सांप देखना

यदि आपको सपने में सफेद या सुनहरा सांप सपने में नजर आए तो इसका मतलब आपकी किस्मत खुलने वाली है। लेकिन अगर बार-बार आपको सांप दिखाई दे रहे हैं तो इसका मतलब आपको पितृदोष हो सकता है।

फन उठाया हुआ सांप देखना

अगर सपने में फन उठाए दिखे तो इसका मतलब संपत्ति की प्राप्ति के योग हैं। सपने में सफेद सांप का देखना और काटना शुभ माना जाता है। सपने में सांप को बिल में जाते देखना धन प्राप्ति का संकेत माना जाता है। अगर सपने में आपकी मृत्यु सांप के काटने से होती है इसका मतलब आपको दीर्घायु की प्राप्ति होगी।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

2 राशियों पर सूर्य देव रहते हैं मेहरबान बिजनेस में मिलती है अपार सफलता

सनातन धर्म में रविवार का दिन सूर्य देव को समर्पित है। सनातन शास्त्रों के अनुसार, रोजाना सुबह स्नान करने के बाद सूर्य देव को अर्घ्य देना उत्तम माना जाता है। इससे जातक पर हमेशा सूर्य देव की कृपा बनी रहती है। साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। धार्मिक मान्यता है कि सूर्य देव की उपासना करने से जीवन खुशियों से भर जाता है और मान-सम्मान मिलता है। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य देव की पूजा का महत्व बताया गया है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य देव को ग्रहों का राजा माना गया है।

व्यक्ति की कुंडली में सूर्य कमजोर होने पर जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है और सूर्य के मजबूत होने पर शुभ फल की प्राप्ति होती है और जीवन में नए सफलता के मार्ग

खुलते हैं। वहीं, ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, 2 राशियां ऐसी हैं, जिन पर सूर्य देव की कृपा सदैव बनी रहती है और मनचाहा करियर प्राप्त होता है। ऐसे में आइए जानते हैं उन 2 राशियों के बारे में।

मेष – ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य देव की कृपा मेष राशि के जातकों पर सदैव बनी रहती है। इस राशि के जातकों को मेहनत का पूर्ण फल प्राप्त होता है। साहसी, उर्जावान होते हैं। जीवन में चुनौतियों का सामना करना बेहद पसंद करते हैं। सूर्य देव की कृपा से अधिक मेहनत करने में मदद मिलती है, जिससे इन्हें सफलता प्राप्त होती है।

धनु – मेष के अलावा धनु राशि भी सूर्य देव की प्रिय है। धनु राशि के स्वामी बृहस्पति देव हैं। इस राशि के जातकों पर सूर्य देव मेहरबान रहते हैं। सूर्य देव की कृपा से जातकों को बिजनेस में सफलता मिलती है और धन लाभ के योग बनते हैं। ये लोग आत्मविश्वास के साथ जीवन को जीना चाहते हैं। इनमें व्यावहारिक बुद्धि अधिक होती है।

करें ये उपाय – अगर आप सूर्य देव को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो रविवार के दिन सूर्य देव की सच्चे मन से पूजा करें। इसके बाद मंदिर या गरीब लोगों में चावल, दूध और गुड़ समेत विशेष चीजों का दान करें। माना जाता है कि इस उपाय को करने से सूर्य देव प्रसन्न होते हैं। साथ ही उनकी कृपा से सभी मुरादें जल्द पूरी होती हैं।

कब से शुरू होगी जगन्नाथ रथ यात्रा क्या है इसका धार्मिक महत्व?

हर साल आषाढ़ माह में ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ रथ की यात्रा निकाली जाती है। इस यात्रा में अधिक संख्या में भक्त शामिल होते हैं। यात्रा के दौरान तीन रथों पर भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र विराजमान होते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, रथ यात्रा में शामिल या प्रभु के दर्शन करने से व्यक्ति को सभी पापों से छुटकारा मिलता है। साथ ही भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। आइए इस आर्टिकल में जानते हैं जगन्नाथ रथ यात्रा से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों के बारे में।

इस दिन से शुरू होगी जगन्नाथ रथ यात्रा

हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि की शुरुआत 26 जून को दोपहर 01 बजकर 25 मिनट से होगी। वहीं, तिथि का समापन 27 जून को सुबह 11 बजकर 19 मिनट पर होगा। ऐसे में जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत 27 जून से होगी।

इस वजह से निकाली जाती है रथ यात्रा

पौराणिक मान्यता के अनुसार, एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर को देखने की इच्छा जताई। ऐसे में भगवान जगन्नाथ ने अपनी बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर का भ्रमण कराया। इस दौरान वह अपनी मौसी के घर भी 7 दिन तक रुके। ऐसा माना जाता जाता है कि तभी से प्रत्येक साल भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को निकाली जाती है।

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा का महत्त्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा में शामिल होने से व्यक्ति के पाप खत्म हो जाते हैं। साथ ही रथ को खींचने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस रथ यात्रा में सबसे आगे बलराम जी का रथ, बीच में बहन सुभद्रा और सबसे पीछे भगवान जगन्नाथ जी का रथ चलता है।

जगन्नाथ रथ यात्रा की खासियत

भगवान जगन्नाथ रथ की आपको खास बात दें कि रथ को बनाने के लिए कील का प्रयोग नहीं किया जाता है, क्योंकि शास्त्रों के मुताबिक आध्यात्मिक काम के लिए कील या कांटे का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। ऐसा करना अशुभ माना जाता है। भगवान बलराम और देवी सुभद्रा का रथ लाल रंग का होता है और भगवान जगन्नाथ का रथ पीला या लाल रंग का होता है।

सबसे प्रमुख माना जाता है निरंजनी अखाड़ा

ये चीजें बनाती हैं इसे खास

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में दुनिया का सबसे बड़ा मेला महाकुंभ शुरू होने वाला है। इस बार यह 13 जनवरी को शुरू होगा और 26 फरवरी, 2025 तक रहेगा। इस भक्तिमय मेले में कई सारे पवित्र अनुष्ठान किए जाते हैं, जिनका हिस्सा बनने से व्यक्ति के सभी कष्ट समाप्त हो जाते हैं। वहीं, इस दौरान 13 अखाड़ों के सभी साधु-संत भी आते हैं, जिनमें से एक निरंजनी अखाड़ा भी है। इस अखाड़े की चर्चा हर बार खूब होती हैं, तो आइए यहां इसकी विशेषताएं जानते हैं।

दूसरों अखाड़ों से क्यों अलग है निरंजनी अखाड़ा

निरंजनी अखाड़ा के लोग भगवान कार्तिकेय को मानते हैं। इनके मठ और आश्रम इन प्रमुख स्थानों जैस - प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक, उज्जैन, मिर्जापुर, माउंटआबू, जयपुर, वाराणसी, नोएडा, वड़ोदरा आदि में बने हुए हैं। कहा जाता है कि निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वरों की संख्या 33 और नागा संन्यासियों की संख्या 10,000 से भी ज्यादा है। माना जाता है कि इनके पास करोंड़ों की संपत्ति है, जिससे वे अखाड़े के मठ, मंदिर और अन्य जरूरी कार्यों को करते हैं।

सबसे ज्यादा पढ़े-लिखे संत हैं इसमें शामिल

आपको बता दें, निरंजनी अखाड़े में सबसे ज्यादा पढ़े-लिखे साधु-संन्यासी शामिल हैं। सभी साधु अपनी-अपनी विशेष छवि के लिए जाने जाते हैं। वहीं, संगम नगरी प्रयागराज में आज यानी 4 जनवरी को महाकुंभ में निरंजनी अखाड़े की पेशवाई हो रही है। इस शोभायात्रा में अखाड़े के सभी साधु-संत भाग लेंगे। जानकारी के लिए बता गें, निरंजनी अखाड़े की स्थापना 726 ईस्वी (विक्रम संवत् 960) में गुजरात के मांडवी में हुई थी। इसकी शुरुआत महंथ अजि गिरि, मौनी सरजूनाथ गिरि, पुरुषोत्तम गिरि, हरिशंकर गिरि, रणछोर भारती, जगजीवन भारती, अर्जुन भारती, जगन्नाथ पुरी, स्वभाव पुरी, कैलाश पुरी, खड्ग नारायण पुरी, स्वभाव पुरी आदि महान संतों ने की थी।

दुर्गा चालीसा का पाठ करते समय इन बातों का रखें ध्यान, तभी पूजा होगी सफल

पंचांग के अनुसार, पौष माह में दुर्गा अष्टमी 07 जनवरी को मनाई जाएगी। इस शुभ तिथि पर मां दुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना करने का विधान है। ऐसे में आप इस दिन पूजा के दौरान सच्चे मन से दुर्गा चालीसा के पाठ से देवी दुर्गा की कृपा प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन पाठ करते समय कई बातों का विशेष ध्यान में रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

मासिक दुर्गाष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठें दिन और स्नान करने के बाद मंदिर की सफाई करें। इसके बाद दीपक जलाकर पूजा करें। मां दुर्गा को फूल, रोली, दीप, दूध व प्रसाद चढ़ाएं। आरती करने के बाद दुर्गा चालीसा का पाठ करें। फल और मिठाई समेत आदि चीजों का भोग लगाएं।

प्रदोष व्रत पर हो रहा है इन शुभ योग का निर्माण, व्रत का मिलेगा दोगुना फल

पौष हिंदू कैलेंडर का दसवां महीना है, जिसका अत्यधिक धार्मिक महत्व है। इस दौरान पड़ने वाले सभी तीज-त्योहार बेहद विशेष माने जाते हैं। ऐसे में प्रदोष व्रत आने वाला है, जिसका इंतजार शिव भक्तों को बेसब्री से है। मान्यता है कि इस व्रत को भक्ति और विधिपूर्वक करने से भगवान शंकर का आशीर्वाद प्राप्त होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, दिन शनिवार 11 जनवरी को शनि प्रदोष व्रत रखा जाएगा। इस दिन कई शुभ योग का निर्माण भी हो रहा है, जिस वजह से यह तिथि और भी फलदायी मानी जा रही है, तो आइए यहां जानते हैं कि इस दिन किन शुभ योग का निर्माण हो रहा है?

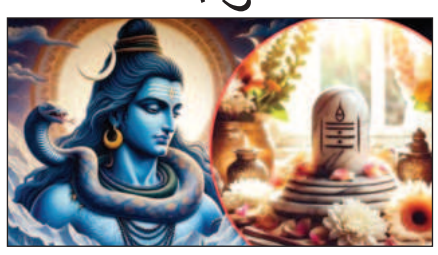

पौष प्रदोष व्रत कब है?

वैदिक पंचांग के अनुसार, पौष मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 11 जनवरी को सुबह 08 बजकर 21 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, 12 जनवरी को सुबह 06 बजकर 33 मिनट पर इसका समापन होगा। इस दिन प्रदोष काल के दौरान पूजा की जाती है। ऐसे में 11 जनवरी को प्रदोष व्रत रखा जाएगा। इसके साथ ही इस दिन गोधूलि बेला शाम 05 बजकर 43 मिनट से लेकर रात 08 बजकर 26 मिनट तक रहेगी, जो शिव पूजन के लिए बहुत खास है।

शनि प्रदोष व्रत शुभ योग

इस बार शनि प्रदोष व्रत पर सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 7 बजकर 15 मिनट से दोपहर 12 बजकर 29 मिनट तक रहेगा। इस समय में अमृत सिद्धि योग सुबह 07 बजकर 15 मिनट से दोपहर 12 बजकर 29 मिनट तक रहेगा। इसके साथ ही विजय मुहूर्त दोपहर 02 बजकर 14 मिनट से दोपहर 02 बजकर 56 मिनट तक रहेगा।

इसके अलावा अमृत काल सुबह 09 बजकर 27 मिनट से 10 बजकर 58 मिनट तक रहेगा। इस समय में किसी भी प्रकार का शुभ कार्य किया जा सकता है।

शनि प्रदोष पूजन मंत्र

ॐ नमः शिवाय।

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्।।

ऊँ हौं जूं स: ऊँ भुर्भव: स्व: ऊँ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।

ऊर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ऊँ भुव: भू: स्व: ऊँ स: जूं हौं ऊँ।।

गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने बताया है सुखी जीवन का राज, आसपास भी नहीं भटकेगा दुख

गीता के उपदेश असल में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को युद्ध की भूमि में दिया गया ज्ञान है। भगवद गीता की मान्यता केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि विदेशों में भी इसे पढ़ा और आत्मसात किया जा रहा है। गीता में वर्णन मिलता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने व्यक्ति को खुश रहने के कुछ तरीके बताते हैं। चलिए जानते हैं इस बारे में।

छोड़े दें ये आदतें

भगवत गीता में श्री कृष्ण, अर्जुन से कहते हैं कि यदि व्यक्ति को प्रसन्न रहना है, तो उसे दूसरों की आलोचना से दूर रहना होगा। इसी के साथ बेवजह दूसरों की शिकायत करना भी छोड़ दें। तभी आप जीवन में खुश रह सकते हैं।

खुश रहने का मूल मंत्र

कई बार व्यक्ति हर चीज में दूसरों से अपनी तुलना करता रहता है। इस विषय में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि वही व्यक्ति जीवन में प्रसन्न रह सकता है, जो अपनी तुलना दूसरों से नहीं करता। खुश रहने का मूल मंत्र यही है कि आप जैसे हैं, वैसे ही खुद को स्वीकार करें।

नहीं सताएगा कोई भी दुख

गीता का उपदेश देते समय भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा था कि व्यक्ति को कोई भी काम नि:स्वार्थ भाव से काम करना चाहिए। यानी आपको कोई भी काम बिना फल की इच्छा के करना चाहिए। ऐसे में अगर आप इस सीख को अपने जीवन में उतार लेते हैं, तो दुख का जीवन में कोई स्थान नहीं रह जाएगा।

खुश नहीं रहते ऐसे व्यक्ति

जो बीत चुका है, उसपर हमारा कोई नियंत्रण नहीं है। ऐसे में जो व्यक्ति अतीत के बारे में सोचता रहते है, वह जीवन में कभी सुखी नहीं हो सकता। इस विषय में गीता में कहा गया है कि अगर आप अतीत की स्मृतियों को अपने साथ लेकर चलते रहेंगे, तो जीवन में कभी खुश नहीं रह पाएंगे। इसलिए जितना जल्दी हो सके अतीत को भूलकर जीवन में आगे बढ़ें।

310 फिल्में करने वाले ओम प्रकाश के सामने सुपरस्टार दिलीप कुमार हो जाते थे नर्वस

बॉलीवुड इंडस्ट्री में हर एक्टर का कोई ना कोई मेंटॉर जरूर रहा हैं, जिनसे सीखकर या जिनके काम को देखकर वह फिल्म इंडस्ट्री का रुख करते हैं और यहां पर आकर अपनी किस्मत आजमाते हैं। ठीक इसी तरह से कई एक्टर-एक्ट्रेस के मेंटॉर रहे दिलीप कुमार किसके मुरीद थे। आज हम आपको बताते हैं इस एक्टर की कहानी, जिन्होंने 52 साल में 310 फिल्में की और उनके सामने दिलीप कुमार भी नर्वस हो जाते थे। उन्होंने बड़े पर्दे पर एक्टर होने के साथ-साथ अमिताभ बच्चन जितेंद्र जैसे एक्टरों के पिता का रोल भी निभाया था।

आज जिस एक्टर की बात हम कर रहे हैं उनका नाम है ओम प्रकाश, जिन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में लगभग हर प्रकार के रोल किए और

52 साल तक बॉलीवुड पर किया राज

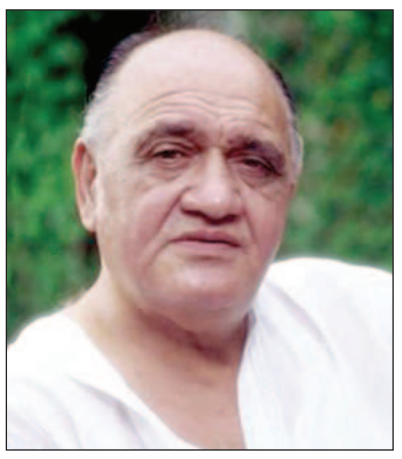

इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई। एक दौर ऐसा था कि ओम प्रकाश लगभग हर दूसरी फिल्म का हिस्सा होते थे और विलेन से लेकर कॉमेडियन, पिता, साइड एक्टर के रोल में भी वह नजर आ चुके हैं। एक बार दिलीप कुमार ने ओमप्रकाश के सम्मान में कहा था कि वैसे तो मुझे किसी भी एक्टर के सामने काम करने में असहज नहीं हुआ, लेकिन ओमप्रकाश के सामने जब वह काम करने गए तो उन्हें बहुत नर्वसनेस हुई थी, क्योंकि वह बहुत बड़े और काबिल एक्टर थे।

ओम प्रकाश बॉलीवुड इंडस्ट्री के सबसे सफल अभिनेताओं में से एक थे, जिन्होंने 52 साल के फिल्मी करियर में लगभग 310 फिल्मों में काम किया। 19 दिसंबर 1919 को जम्मू में जन्मे ओमप्रकाश ने 12 साल की उम्र में ही क्लासिकल म्यूजिक सीखना शुरू कर दिया था, इसके अलावा उन्हें थिएटर और फिल्मों में भी दिलचस्पी थीं। उन्होंने फिल्म दासी के जरिए अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की, इसके बाद आजाद, मिस मैरी, हावड़ा ब्रिज, 10 लाख, प्यार किए जा, खानदान जैसी बेहतरीन फिल्में की। इतना ही नहीं ओमप्रकाश एक बेहतरीन डायरेक्टर भी थे, 1960 के दशक में उन्होंने संजोग, गेटवे ऑफ इंडिया जैसी कई फिल्में डायरेक्ट की। हालांकि, 21 फरवरी 1998 को दिल का दौरा पड़ने से मुंबई के लीलावती अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई थी।

आयरा बंसल तेलुगु फिल्मों में डेब्यू करेंगी

गोविंदा और वरुण शर्मा की फ्राई डे फिल्म की को-स्टार आयरा बंसल ने हाल ही में अपनी तेलुगु डेब्यू फिल्म की शूटिंग पूरी की है, जो 2025 में रिलीज होगी। आगरा की रहने वाली और अभिनेत्री आयरा बंसल ने फ्राई डे, 36 फार्म हाउस और द जोया फैक्टर जैसी फिल्में की हैं और वह साउथ में डेब्यू करने के लिए काफी उत्साहित हैं।अपनी आने वाली फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मेरी तेलुगु डेब्यू एक एक्शन फिल्म है, जिसका नाम शिवा- द फाइटर है। इस फिल्म में मैं इंदुकुरी सुनील वर्मा, विकास वशिष्ठ और पोसानी कृष्ण मुरली के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर कर रही हूं। फिल्म की डबिंग और पोस्ट प्रोडक्शन का काम चल रहा है, एक बार यह जल्दी ही पूरा हो जाए तो मैं इसके बारे में और बात कर पाऊंगी।म्यूजिक वीडियो में काम करने से आयरा को और काम मिलने में मदद मिली। उन्होंने राजू खेर के साथ सिंगल मेरी बिटिया,अली मर्चेंट के साथ है कहाँ, विनय बावा के साथ बुके और दो पागल में काम किया है। आयरा को लगता है की भगवान की खास कृपा है उनपे, क्योंकि उन्हें अपनी पिछली फिल्मों में कई बहुमुखी प्रतिभा वाले अभिनेताओं के साथ काम करने का मौका मिला। मैं खुद को भाग्यशाली महसूस करती हूँ, क्योंकि मुझे अपनी फिल्म फ्राई डे में गोविंदा और वरुण शर्मा जैसे अभिनेताओं के साथ काम करने का मौका मिला। जैसा कि हम जानते हैं की उनकी कॉमिक टाइमिंग सबसे अच्छी है। दूसरी ओर, मुझे 36 फार्म हाउस में संजय मिश्रा और विजय राज जैसे गंभीर अभिनेताओं और विनीत कुमार सिंह, सौरभ शुक्ला और अन्य के साथ आधार में काम करने का मौका मिला। सेट पर उनके साथ जितना भी समय बिताने का मौका मिला, मैंने उनसे जितना हो सका सीखने की कोशिश की और खुद को एक अभिनेता के रूप में निखारा,आयरा ने अनुभवी अभिनेताओं के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने के बारे में चर्चा करते हुए कहा। फिल्मों और संगीत वीडियो के अलावा, आयरा ने भारत और अमेरिका में कई फैशन डिजाइनरों के लिए रैंप वॉक किया है। आयरा बंसल बिग बॉस सीजन 17 की प्रतिभागी और अभिनेत्री सोनिया बंसल की बहन हैं, लेकिन उन्हें अपना सारा काम ऑडिशन देकर और कास्टिंग एजेंसी की मदद से मिला है। वह खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उनकी बहन सोनिया उनसे पहले इंडस्ट्री में इंटर किया और जब भी उन्हें मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है, तो वह उनसे मार्गदर्शन ले सकती हैं।

2025 में सिंघम अगेन का बदला लेने आ रहे हैं अजय देवगन

एक्शन हो, कॉमेडी हो या रोमांस हो अजय देवगन का जवाब नहीं हैं, वह हर रोल के लिए एकदम परफेक्ट चॉइस हैं। ऐसे में नया साल शुरू होते से ही अगर फैंस के मन में ये सवाल उठ रहा है कि इस साल अजय देवगन की कौन सी फिल्में बड़े पर्दे पर आकर धमाल मचाने वाली हैं? तो चलिए आज आपकी इस कंफ्यूजन को दूर करते हैं और आपको बताते हैं रेड-2 से लेकर सन ऑफ सरदार तक अजय देवगन की फिल्मों के बारे में जो इस साल बड़े पर्दे पर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए आने वाली है।

अजय देवगन की आने वाली फिल्में

आजाद

साल 2025 की शुरुआत अजय देवगन की फिल्म आजाद के साथ होने वाली हैं, जो 17 जनवरी 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। इस फिल्म को अभिषेक कपूर ने डायरेक्ट किया हैं और इसमें अजय देवगन के साथ रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी डेब्यू करने वाली हैं। उसके अलावा अजय देवगन के भांजे अमन देवगन, डायना पेंटी, मोहित मलिक और पीयूष मेहरा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

रेड 2

अजय देवगन की ब्लॉकबस्टर फिल्म रेड का दूसरा पार्ट भी इस साल बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाला है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह फिल्म 1 मई 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी, जिसे राजकुमार गुप्ता ने डायरेक्ट किया हैं। इसमें अजय देवगन के अलावा वाणी कपूर, रितेश देशमुख और सौरभ शुक्ला जैसे कलाकार नजर आएंगे।

दे दे प्यार दे-2

साल 2019 में आई अजय देवगन, तब्बू और रकुल प्रीत की फिल्म दे दे प्यार डे एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर बेस्ड थी, इसका दूसरा पार्ट भी इस साल बड़े पर्दे पर आने वाला है। जिसमें अजय देवगन के साथ ही आर माधवन भी लीड रोल में नजर आएंगे, वहीं तब्बू और रकुल प्रीत भी फिर से इस फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म की रिलीज डेट अभी तक सामने नहीं आई है।

सन ऑफ सरदार 2

अजय देवगन, संजय दत्त और सोनाक्षी सिन्हा की ब्लॉकबस्टर फिल्म सन ऑफ सरदार का दूसरा पार्ट साल 2025 में बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाला है, लेकिन इस बार इस फिल्म में सोनाक्षी की जगह मृणाल ठाकुर हैं। वहीं, अजय देवगन और संजय दत्त की जोड़ी दोबारा दर्शकों को गुदगुदाने को तैयार हैं।

तीन फिल्में और तीनों की है ब्लॉकबस्टर की गारंटी

हिमेश रेशमिया की फिल्म बैडएस रवि कुमार का मोशन पोस्टर जारी

आज रिलीज होगा ट्रेलर

बैडएस रवि कुमार की दुनिया में गोता लगाने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि आपने सामने जल्द ही आ रही है एक हाई-ऑक्टेन एक्शन म्यूजिकल फिल्म, जो आपको 80 के दशक में वापस लाने का वादा करती है। फिल्म में आपको डायलॉगबाजी के साथ एक रेट्रो रैप्सोडी देखने को मिलेगी।फिल्म बैडएस रवि कुमार का जबर्दस्त रेट्रो लुक सामने आ चुका है। इस मोशन पोस्टर में फिल्म के सार को पूरी तरह से साफ कर दिया है कि सिंगर हिमेश रेशमिया अब एक रेट्रो एक्शन म्यूजिकल फिल्म में नजर आने वाले हैं।हिमेश रेशमिया को इस फिल्म के जरिए उनकी बॉलीवुड में वापसी मानी जा रही है। कभी फिरोज खान, राजीव राय और नासिर हुसैन जैसे दिग्गजों के साथ-साथ प्रसिद्ध आरडी बर्मन शैली के संगीत का जादू फिर से दिखाई देगा। फिल्म बैडएस रवि कुमार 80 के दशक की तरह की तस्वीर लेकर सामने आएगा।हाल ही में रिलीज हुए मोशन पोस्टर ने प्रशंसकों के बीच जबर्दस्त चर्चा बटोरी है,

जिसमें ट्रेलर रिलीज की तारीख 5 जनवरी बताई गई है। कीथ गोम्स द्वारा निर्देशित और हिमेश रेशमिया मेलोडीज द्वारा निर्मित, बैडएस रवि कुमार 7 फरवरी 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए होगी।बैडएस रवि कुमार के मोशन पोस्टर की रिलीज के बाद से सोशल मीडिया पर यूजर्स लगातार कमेंट कर रहे हैं और फिल्म को लेकर अपनी राय व्यक्त कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, अब मीम्स ही मीम्स मिलेगी देखना, एक और यूजर ने लिखा, सुपर एक्साइटेड हूं इसके लिए एक और यूजर ने लिखा, मैंने इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार किया है।इससे पहले वह हैप्पी हार्डी और हीर में नजर आए थे। यह फिल्म साल 2020 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म से पहले वह तेरा सुरूर, द एक्सपोज और खिलाड़ी 786 में नजर आ चुके हैं। म्यूजिक इंडस्ट्री में शोहरत पाने के बाद हिमेश ने साल 2007 में एक्टिंग की दुनिया में आने का फैसला किया था। फिल्म का नाम आपका का सुरूर था। इस फिल्म के गाने लोगों को काफी पसंद आए थे, लेकिन उनका अभिनय लोगों पर अपना जादू नहीं चला पाया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज के समय में अपने लिए वक़्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। किसी बच्चे या बूढ़े के स्वास्थ्य को लेकर हुई परेशानी अप्रत्यक्ष रूप से आपके वैवाहिक जीवन को प्रभावित कर सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। एकांत में वक्त बिताना अच्छा है लेकिन आपके दिमाग में कुछ चल रहा है तो लोगों से दूर रहकर आप और ज्यादा परेशान हो सकते हैं। इसलिए आपको हमारी सलाह है कि लोगों से दूर रहने से बेहतर होगा किसी अनुभवी शख्स से अपनी परेशानी के बारे में बात करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। दफ़्तर में आप तारीफ़ पाएंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। आपका वैवाहिक जीवन इससे अधिक रंगों से भरा कभी नहीं रहा है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी– लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। पिता का तल्ख़ बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें। इससे आपको फ़ायदा होगा। प्रेम–संबंध में गुलाम की तरह व्यवहार न करें। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ज़्यादा यात्रा करना झुंझलाहट पैदा कर सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। आज अपने ख़ूबसूरत कामों को दिखाने के लिए आपका प्रेम पूरी तरह खिलेगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। आज ऐसे बर्ताव करें जैसे कि आप 'सुपरस्टार' हैं, लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके क़ाबिल हैं। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी–ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। ऐसी जानकारी ज़ाहिर न करें, जो व्यक्तिगत और गोपनीय हो। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। आज आपकी कड़ी मेहनत कार्यक्षेत्र में ज़रूर रंग दिखाएगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर सफर कर रहे हैं तो अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें अगर आप ऐसा नहीं करते तो सामान के चोरी होने की संभावना है। परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। प्यार का बुख़ार आपके सर पर चढ़ने के लिए तैयार है। इसका अनुभव कीजिए। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। अपने जीवनसाथी के स्नेह से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको पैसे की बहुत आवश्यकता होगी लेकिन आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। घर पर कोशिश करें कि कोई आपकी वजह से आहत न हो और परिवार की ज़रूरतों के मुताबिक़ ख़ुद को ढालें। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

उम्रदराज़ लोगों को अपनी सेहत का ध्यान रखने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो आज घर के किसी बड़े से धन संचित करने की सलाह लें। रिश्तेदारों से अचानक तोहफ़ा मिल सकता है, लेकिन पूरी संभावना है कि वे इसके बदले में आपसे कुछ चाहते हों। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सेहत अच्छी रहेगी। व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। आपको बच्चों के साथ कुछ समय बिताने, उन्हें अच्छे संस्कार देने और उनकी ज़िम्मेदारी समझाने की ज़रूरत है। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठीक हो जाएगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा– कोई भी फ़ैसला करने से पहले अच्छाईयों और कमियों पर सावधानी से ग़ौर फ़रमाएँ। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन–साथी को तनाव दे सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। आस–पड़ोस की किसी सुनी–सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल–का–ताड़ बना सकता है।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 05 जनवरी 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पोष , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 08:17 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपदा रात्रि 08:18 तक
योग : व्यतिपात प्रातः 07:31 तक
करण : कौलव प्रातः 09:11 तक
चन्द्रराशि : कुंभ दोपहर 02:35 तक
सूर्योदय : 06:47 , सूर्यास्त 05:55 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:43 , सूर्यास्त 06:07 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:37, सूर्यास्त 05:58 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 05:48 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : धनुर्मास चालू है , पंचक चालू है

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन के नववर्ष स्नेह मिलन में शामिल हुए दत्तात्रेय

चंडीगढ़,04 जनवरी (एजेंसियां)। नववर्ष के अवसर पर शनिवार को हरियाणा आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन की ओर से हरियाणा निवास में दोपहर भोज का आयोजन किया गया, जिसमें राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। इनके अलावा, कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा और रणबीर गंगवा सहित तमाम आला अधिकारी भी मौजूद रहे। एसोसिएशन के अध्यक्ष और मुख्य सचिव डॉ विवेक जोशी और सचिव डॉ अमित अग्रवाल ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि भोज में विशेष रूप से श्रीअन्न से बने व्यंजनों को शामिल किया गया है। मोटा अनाज हमारी सदियों की विरासत की पहचान रहा है और आज के समय में भी ये उतना ही उपयोगी है। राज्य सरकार इन फसलों की खेती व इनसे बने उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि भारत के श्री अन्न की विरासत को हरियाणा सरकार निरंतर पहचान दिला रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन की प्रशंसा करते हुए सभी को नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज से बने व्यंजन न केवल सेहत के लिए लाभकारी हैं, अपितु मोटे अनाज से बने उत्पादों को बेचकर आज किसान भी आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे हैं। मोटा अनाज सेहत और पर्यावरण दोनों के लिए आवश्यक हैं। भारत की श्री अन्न की विरासत देशवासियों को स्वास्थ बनाने में कारगर सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने आईएएस अधिकारियों का आह्वान किया कि सभी अधिकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प को साकार करने में भूमिका अदा करें। इस नए वर्ष में नए संकल्प और नए विजन के साथ कार्य करें और सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाकर उन्हें उनका लाभ देने का काम करें। हरियाणा आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और मुख्य सचिव डॉ विवेक जोशी ने राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का स्वागत करते हुए कहा कि हमारी एसोसिएशन समय–समय पर प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाने के लिए सेमिनार, ट्रेनिंग प्रोग्राम व अन्य कार्यक्रम आयोजित करती रहती है। इसी कड़ी में आज का यह आयोजन किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरूण कुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में आईएएस अधिकारी मौजूद थे।

हैदराबाद के पत्रकार शेखावटी गौरव पुरस्कार से सम्मानित

शिमला (झुनझुनू, राजस्थान), 04 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। झुनझुनू जिल के शिमला में प्रसिद्ध साहित्यकार एवं पत्रकार स्व. टीसी प्रकाश की 92वीं जयंती महोत्सव पर हैदराबाद के राजेंद्र नगर क्षेत्र के स्वतंत्र पत्रकार पवन भारती (अग्रवाल) को पत्रकारिता एवं उत्कृष्ट समाज सेवा को लेकर शेखावाटी गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार राजेंद्र नगर के ही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रेसिडेंट एवं टीवी9 संवाददाता बालू सुब्रमण्यम को ट्विन सिटीज इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संगठन हैदराबाद ने उक विशेष समारोह में मुख्य अतिथि सिने अभिनेता अविनाश वदवान ने उत्कृष्ट सेवाओं के लिए भगत सिंह मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया । राजेंद्र नगर के दोनों पत्रकारों को मिले सम्मान से क्षेत्र की अनेक सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारीयो, राजेंद्र नगर प्रेस एसोसिएशन के पत्रकारों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दोनों को शुभकामनाएं दी।

ईआरसीपी से राजस्थान की 40 प्रतिशत आबादी होगी लाभान्वित : भजनलाल

डूंगरपुर,04 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में जल उपलब्धता बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल में अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। प्रदेश की 40 प्रतिशत आबादी को ईआरसीपी–पीकेसी लिंक परियोजना से पेयजल एवं सिंचाई के लिए जल मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में यमुना जल लाने के लिए एमओयू किया गया है। उदयपुर में देवास योजना के माध्यम से जल उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही, माही बांध से बांसवाड़ा–डूंगरपुर को पेयजल एवं सिंचाई के लिए योजना प्रारंभ की गई है।

शर्मा शनिवार को डूंगरपुर के खड़गदा में नदियों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु आयोजित श्रीरामकथा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर जन भागीदारी से जल संचय का अभियान शुरू किया गया है। प्रदेश के 40 हजार गांवों में जल संचय के कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खड़गदा एवं आस–पास के क्षेत्र के ग्रामीणों ने 9 महीने की कड़ी मेहनत और दृढ़संकल्प से एक किलोमीटर के दायरे में मोरन नदी को चौड़ा और गहरा कर जल की उपलब्धता बढ़ाकर अभूतपूर्व कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी को मिलकर गांवों में उपलब्ध पेयजल के पारंपरिक स्रोतों कुएं, तालाब, बावड़ी, नदी आदि के संरक्षण के लिए सहभागिता से काम करना चाहिए, ताकि हम इस पीढ़ी और आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करा सकें। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से खड़गदा वासियों ने प्रदेश को यह संदेश दिया है कि स्थानीय पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण किया जाना बहुत आवश्यक है।

शर्मा ने कहा कि पिछले साल जनवरी में 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भगवान श्रीराम अयोध्या के भव्य मंदिर में विराजमान हुए। उन्होंने कहा कि जिस तरह भगवान श्रीराम ने सत्य की जीत के लिए समुद्र पर सेतु बनाकर एक छोर को दूसरे छोर से जोड़ने का काम किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आम आदमी को पानी उपलब्ध कराने के लिए नदियों को जोड़ने का काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने कर्मभूमि से जन्मभूमि कार्यक्रम की पहल की है। इसमें प्रवासी राजस्थानियों द्वारा गांवों में भू–जल रिचार्ज हेतु सहयोग दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक नल से जल पहुंचाने का प्रयास कर रही है। इस मिशन के तहत डूंगरपुर जिले में लगभग 77 हजार कनेक्शन तथा 93 प्रतिशत स्कूलों में नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा डूंगरपुर जिले के विकास के लिए वर्ष 2024–25 के बजट में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। सागवाड़ा में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग का खंड खोला जाएगा तथा पेयजल के लिए विधानसभा क्षेत्रों में 2 वर्ष में कई हैंडपंप और ट्यूबवेल के निर्माण करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सोम–कमला–अंबा भीखाभाई सागवाड़ा फीडर परियोजना पर 125 करोड़ रुपये की लागत से 19 हजार 224 हेक्टेयर कमांड क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराए जाने की स्वीकृति भी जारी कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डूंगरपुर में 44 करोड़ रुपये की लागत से शिल्पग्राम बनाया जाएगा। इससे सोमपुरा मूर्तिकारों, बांसड (बांस की लकड़ियों से कलाकृति बनाने वाले) एवं पारेवा पत्थरों से कलाकृति बनाने वाले स्थानीय कलाकारों एवं अन्य प्रतिभाओं को जिला स्तर पर मंच एवं प्रोत्साहन प्राप्त होगा। साथ ही, जिले में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

जीएसटी संग्रह में 28% की वृद्धि के साथ देश के बड़े राज्यों में टॉप पर पहुंचा हरियाणा

चंडीगढ़,04 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश के राजस्व में लगातार वृद्धि हो रही है। दिसंबर 2024 में हरियाणा सरकार के आबकारी एवं कराधान विभाग ने जीएसटी संग्रह में 28% की शानदार वृद्धि दर्ज की है, जो देश के बड़े राज्यों में सबसे अधिक है। दिसंबर 2024 के दौरान हरियाणा ने 10,403 करोड़ रुपये का संग्रह किया, जिससे यह जीएसटी संग्रह के मामले में देशभर के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में चौथे नंबर पर पहुंच गया है वहीं अगर जीएसटी संग्रहण में बढ़ोतरी के प्रतिशत की बात करें तो हरियाणा तीसरे स्थान पर है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार और विभाग ने अपने कर संग्रह के दायित्वों को ईमानदारी और प्रतिबद्धता से निभाया है। राजस्व में हुई यह वृद्धि राज्य के विकास के लिए भी एक सकारात्मक संकेत है। साथ ही, यह राज्य की आर्थिक प्रगति को भी दर्शाता है।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि आबकारी एवं कराधान विभाग ने अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच कुल 46,188 करोड़ रुपये का शुद्ध संग्रह किया है। इसमें वैट और सीएसटी से 8,812 करोड़ रुपये, उत्पाद शुल्क से 9,527 करोड़ रुपये और एसजीएसटी से 27,849 करोड़ रुपये का योगदान शामिल है।

सरकारी स्कूलों को बंद करने में लगी है हरियाणा सरकार : सैलजा

सिरसा,04 जनवरी (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों की दयनीय स्थिति को देखते हुए लग रहा है कि सरकार सरकारी स्कूलों को बंद करने में लगी हुई है साथ ही वह किसी न किसी रूप में प्राइवेट स्कूलों को प्रमोट करने में लगी हुई है। हालात ये है कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कही विद्यार्थी नहीं है, विद्यार्थी है तो टीचर नहीं है और कही पर इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है। हालात ये है कि इन स्कूलों में एससी–बीसी और अल्पसंख्यक वर्ग के बच्चों की संख्या कम होती जा रही है। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि भाजपा सरकार शिक्षा को लेकर गंभीर नहीं है वह गरीब वर्ग को शिक्षा के अधिकार से वंचित करना चाहती है। सरकार

सरकारी स्कूलों की ओर ध्यान नहीं दे रही है, उसका पूरा ध्यान प्राइवेट स्कूलों को प्रमोट करने में लगा हुआ है। शिक्षा मंत्रालय की यूडीआईएसई की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि हरियाणा के 81 स्कूलों में एक भी विद्यार्थी नहीं है जबकि इन स्कूलों में 178 टीचर नियुक्त हैं। इसके साथ ही 867 स्कूल ऐसे है जहां पर एक ही अध्यापक तैनात है जबकि वहां पर 40828 बच्चे हैं। प्रदेश के 579 स्कूलों में लाइब्रेरी तक नहीं है तो 2198 स्कूलों में खेल का मैदान तक नहीं हैं, 599 स्कूल ऐसे है जहां लड़कियों के शौचालय तक नहीं हैं।

कुमारी सैलजा ने कहा कि इतना ही नहीं सरकारी स्कूलों में अल्पसंख्यक खासकर मुस्लिमों और लड़कियों के दाखिलों में कमी आई है।

दोनों के दाखिलों में गत वर्ष की अपेक्षा गिरावट आई है। कुमारी सैलजा ने कहा है कि शिक्षा मंत्रालय के आंकड़े खुद इस बात की गवाही दे रहे है कि प्रदेश में सरकारी स्कूलों और उनमें शिक्षा का स्तर क्या है कैसे देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ की जा रही है, किसी भी प्रदेश या देश की प्रगति वहां के शिक्षा के स्तर पर निर्भर करती है। सरकार को खुद सोचना चाहिए और मनन भी करना चाहिए कि प्रदेश के 81 स्कूलों में एक भी बच्चा क्यों नहीं है।

भाजपा राज में वेंटिलेटर पर पहुंची हरियाणा की स्वास्थ्य सेवाएं : हुड्डा

भिवानी,04 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा राज में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं खुद वेंटिलेटर पर पहुंच गई हैं। क्योंकि आज अस्पतालों में ना तो दवा है और ना डॉक्टर। ये कहना है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। भिवानी में डॉक्टरों के अभाव की खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए हुड्डा ने कहा कि जिले में डॉक्टर के 207 स्वीकृत पद हैं, लेकिन आधे खाली पड़े हुए है। भिवानी समेत पूरे हरियाणा में यही स्थिति है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में करीब 20 हजार पद खाली पड़े हैं। प्रदेश के अस्पतालों में 14000 डॉक्टरों की कमी है। गांवों में विशेषज्ञ डॉक्टरों के करीब 94 प्रतिशत पद खाली पड़े हुए हैं। स्टाफ और सुविधाओं के अभाव में रोज हजारों मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ हो रहा है। हुड्डा ने कहा कि अस्पतालों में मरीजों को लैब टेस्ट के लिए भी कई–कई दिन चक्कर काटने पड़ते हैं या मजबूरी में प्राइवेट लैब में जाना पड़ता है।

डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइन के मुताबिक प्रति 1000 लोगों पर एक डॉक्टर होना चाहिए, लेकिन हरियाणा में 2035 लोगों पर एक डॉक्टर है। 200 लोगों पर एक बेड की व्यवस्था होनी चाहिए, लेकिन प्रदेश में 2086 लोगों पर एक बेड उपलब्ध है। इस वजह से काफी जगह देखने में आता है कि एक–एक बेड पर दो–दो, तीन–तीन मरीज लेटे हैं और फर्श पर डिलीवरी हो रही है। प्रदेश में सीनियर मेडिकल ऑफिसर, मेडिकल ऑफिसर, डेंटल सर्जन के 5253 में से 1100 से ज्यादा पद खाली पड़े हैं। हुड्डा ने कहा कि 2014 में भाजपा ने वादा किया था कि वो सत्ता में आते ही हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनाएगी। हकीकत यह है कि पिछले 10 साल में भाजपा द्वारा घोषित एक भी नया मेडिकल कॉलेज पूरा बनकर शुरू नहीं हो सका है।

मां शब्द के विराट व अद्भुत स्वरूप के निर्माण से विश्व में बढ़ेगी श्री देवीकूप भद्रकाली मंदिर की महिमा : सैनी

कुरुक्षेत्र,04 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को कुरुक्षेत्र में श्री देवीकूप भद्रकाली मंदिर में मातृशक्ति को समर्पित माँ शब्द के 51 फुट विराट व अद्भुत स्वरूप की नींव रखी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने देवीकूप भद्रकाली मंदिर में स्थापित शक्तिपीठ पर मंत्रोच्चारण के बीच पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के लिए सुख शांति और उन्नति के लिए कामना की। मुख्यमंत्री ने कहाकि विश्व प्रसिद्ध श्री देवीकूप भद्रकाली मंदिर के परांगण में 'माँ' शब्द के 51 फुट विराट व अद्भुत स्वरूप के निर्माण से मंदिर की महिमा और बढ़ेगी। इस मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालु माँ के इस महा गौरव स्थल से प्रेरणा लेकर जाएंगे। मुख्यमंत्री ने महा गौरव स्थल पर भूमि पूजन करने के बाद यज्ञ में आहुति डाली। यहां पर मुख्यमंत्री ने माँ को समर्पित महा गौरव स्थल प्रोजेक्ट के मॉडल का अवलोकन किया और डाक्यूमेंट्री फिल्म के माध्यम से प्रोजेक्ट की बारीकियों की जानकारी ली।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश के 52 महाशक्ति पीठों में से कुरुक्षेत्र के श्री देवीकूप भद्रकाली मंदिर के परांगण में 'माँ' शब्द के विराट व अद्भुत स्वरूप की स्थापना के लिए भूमि पूजन कर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे है। माँ एक शब्द ही नहीं अपितु माँ ममता, प्रेरणा और प्रेम का अनोखा संगम है। इस संसार में हर साधन व संसाधन की पूर्ति हो सकती है लेकिन माँ शब्द की पूर्ति कभी नहीं हो सकती। माँ की कोख से ही महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी जैसे महान योद्धा पैदा हुए, इसलिए माँ की कल्पना का संसार असीमित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गुरुग्राम में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश व प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों की माताओं को सम्मानित किया गया। अब कुरुक्षेत्र की पावन धरा से पूरे विश्व को माँ के अदभुत और विराट स्वरूप से प्रेरणा मिले, ऐसी परियोजना को अमलीजामा पहनाने का कार्य किया गया है। इस परियोजना के पूरा होने से इस मंदिर की महिमा और बढ़ेगी तथा देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को मां से आशीर्वाद लेने के साथ–साथ प्रेरित होने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि श्री देवीकूप भद्रकाली मंदिर और मां के आशीर्वाद से प्रदेश के नागरिकों की सेवा करने का अवसर मिला है। इस विश्व प्रसिद्ध मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे है और यह मंदिर कुरुक्षेत्र की पूरे विश्व में पहचान बनाने में अहम भूमिका अदा कर रहा है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

आंदोलन के बीच 6000 अभ्यर्थियों ने दी 70वीं पीटी परीक्षा

इस माह के अंतिम सप्ताह तक आयेगा रिजल्ट

पटना (एजेंसियां)।

बिहार लोक सेवा आयोग आज यानी शनिवार को 70वीं पीटी परीक्षा ले रहा है। यह 13 दिसंबर को बापू परीक्षा परिसर में ली गई थी। लेकिन, गड़बड़ी होने के कारण हंगामा हुआ था। विवाद बढ़ा तो बीपीएससी ने बापू परीक्षा परिसर में ली गई परीक्षा को रद्द कर दिया गया था। आज यह परीक्षा एक ही शिफ्ट में ली जा रही है। अभ्यर्थियों को सुबह 11 बजे के बाद प्रवेश नहीं मिला। 12012 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होने वाले थे। इनमें से 8111 ने एडमिट कार्ड डाउनलोड किया। चौंकने वाली बात यह है धरना प्रदर्शन के बावजूद अभ्यर्थियों ने इस परीक्षा में रुचि दिखाई। पिछली बार यानी 13 दिसंबर को आयोजित परीक्षा के लिए डाउनलोड किए गए एडमिट कार्ड की संख्या से लगभग 1,200 अधिक है। इस बार 6000 छात्रों ने परीक्षा दिया।

इधर, बीपीएससी की ओर से कहा गया है कि दोनों परीक्षा के रिजल्ट एक साथ जारी किए जाएंगे। संभावना है कि जनवरी माह के अंत तक पीटी परीक्षा के रिजल्ट जारी कर दिए जाएं। इधर, प्रशासन की ओर से बताया गया कि परीक्षा के लिए पटना जिले में कुल 22 सेंटर बनाये गये थे। सभी जगह शांतिपूर्व तरीके से परीक्षा संपन्न हुई। किसी तरह की गड़बड़ी न हुई।

पटना जिलाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने कहा है कि परीक्षा केंद्र पर गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। इसके लिए कंट्रोल रूम बनाये गये हैं। सभी परीक्षा केंद्र मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गई है। जिला प्रशासन की ओर से जारी गाइडलाइन के मुताबिक 22 परीक्षा केंद्रों पर कुल 24 स्टेटिक मजिस्ट्रेट, 22 जोनल मजिस्ट्रेट, सात उड़नदस्ता दल को तैनात किया गया है। सशस्त्र बलों को भी तैनात किया गया है।

बिहार लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष परमार रवि मनु भाई ने कहा कि 912 सेंटर के चार लाख 75 हजार अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा शांतिपूर्व माहौल में संपन्न हुई। उन्होंने पूरी परीक्षा के दौरान पेपर लीक की बातों को खारिज करते हुए साफ कहा कि पूरी परीक्षा कैंसिल नहीं होगी, लेकिन एक केंद्र पर दोबारा परीक्षा ली जाएगी। दोबारा परीक्षा लेकर भी एक साथ ही परिणाम जारी किया जाएगा। बापू परीक्षा परिसर में कुछ उपद्रवी तत्वों ने परीक्षा बाधित करने की कोशिश की। बापू परीक्षा परिसर के जिस कक्ष में प्रश्न पत्र देर से पहुंचा, वहां अतिरिक्त समय देने की बात थी। लेकिन, करीब एक बजे से सवा एक बजे तक उपद्रवी तत्वों ने परीक्षा बाधित की। उनका प्रश्न पत्र उड़ा दिया। गड़बड़ी के कारण ही इस सेंटर पर ली गई परीक्षा को रद्द किया गया।

13 दिसंबर को 912 सेंटर पर 70वीं पीटी परीक्षा हुई थी। बापू परीक्षा परिसर पर हुई गड़बड़ी के बाद यहां एग्जाम रद्द कर दिया गया। इसके बाद अभ्यर्थी आक्रोशित हो गये। वह सभी सेंटर पर परीक्षा रद्द करने की मांग करने लगे। बात इतनी बढ़ गई कि अभ्यर्थी धरना देने के गर्दनीबाग में बैठ गये। पिछले 15 दिनों से लगातार प्रदर्शन हो रहा। इतना ही नहीं विपक्ष के नेता भी इस प्रदर्शन में कूद पड़े। दो दिन पूरे बिहार में चक्का जाम हुआ। जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर पिछले तीन दिनों से आमरण अनशन पर बैठे हैं। पप्पू यादव ने भी लड़ाई जारी रखने का एलान किया है। सभी लोग परीक्षा रद्द कराने और री-एग्जाम की मांग कर रहे हैं।

युवक की हत्या के विरोध में बक्सर-कोचस मार्ग जाम

पटना (एजेंसियां)।

बक्सर जिले में राजपुर थाने के भरखरा गांव के पास युवक की हत्या के विरोध में आक्रोशित परिजनों ने शव के साथ बक्सर-कोचस मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। हत्या के विरोध में परिजन उचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मृतक की पत्नी समेत कुछ राजनीतिक लोग भी घटना में शामिल होने की बात कर रहे थे। संजय की पत्नी बार-बार कह रही थी कि उसे घर से बुलाकर कुछ लोग साथ ले गए और हत्या कर दिया।

पुलिस ने इस मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम समाप्त कर दिया है। सड़क जाम करने के कारण बक्सर-कोचस मुख्य मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया। हालांकि, पुलिस आक्रोशित परिजनों को और अन्य ग्रामीणों को समझाने बुझाने में लगी हुई है, ताकि जाम हटाया जा सके।

राजपुर थाना क्षेत्र के भरखरा गांव के लापता युवक की हत्या एक जनवरी की गई थी। हालांकि, इसका खुलासा शुक्रवार शाम डीएसपी धीरज कुमार ने किया था। मृतक का नाम संजय पासवान है। उसकी हत्या का आरोप भरखरा गांव के ही सर्वानंद उपाध्याय पर लगा है। लापता संजय पासवान को परिजन पिछले दो दिनों से तलाश रहे थे। जब वे थक गए तो शुक्रवार दोपहर राजपुर थाने को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने युवक के मोबाइल की जांच शुरू की।

वैज्ञानिक जांच के दौरान जब सर्वानंद का नंबर मिला तो उन्होंने स्वयं पुलिस के सामने आकर घटना की जानकारी देते हुए बताया कि शव उसी के घर में पड़ा है।

इसके बाद पुलिस उसको अपने साथ लेकर घटना स्थल पर पहुंची और वहां से लापता युवक संजय पासवान के शव को बरामद किया। ग्रामीण सूत्रों के अनुसार, मृतक और आरोपी दोनों भरखरा गांव के ही रहने वाले हैं। एक जनवरी से दोनों युवक लापता थे।

हत्या के आरोपी सर्वानंद उपाध्याय ने अपना अपराध कबूल करते हुए पुलिस के सामने आत्म समर्पण कर दिया। उसने बताया कि न्यू ईयर का जश्न मनाने के लिए उसने मृतक संजय पासवान को बुलाया था। उसके घर में ही शव पड़ा था। दरवाजा बाहर से बंद था। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दी है। युवक हत्या एक जनवरी को न्यू ईयर का जश्न मनाने के लिए आयोजित पार्टी के दौरान ही हो गई थी। लेकिन मौके पर जांच के लिए पहुंचे सदर डीएसपी धीरज कुमार ने बताया कि मृतक के सिर पर किसी वजनदार सामान से वार किया गया है। सिर में लगी गहरी चोट के कारण उसकी मौत हुई है।

दुकान में लगी आग को बुझाने गए व्यक्ति की करंट लगने से मौत, दमकल टीम ने पाया काबू

दरभंगा (एजेंसियां)।

समस्तीपुर जिले में उजियारपुर थाना क्षेत्र के गावपुर वार्ड-6 मोहल्ला में किराना और डेकोरेशन दुकान में शनिवार सुबह अचानक आग लग गई। आग बुझाने के प्रयास में चपेट में आने से दुकानदार के पिता की करंट लगने से और झुलसकर मौत हो गई। मृतक गांव के हरे कृष्ण सिंह बतलाए गए हैं। उधर, ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है।

घटना के संबंध में मृतक के पुत्र रामविनय कुमार ने बतलाया कि उनके किराना दुकान में आग लगी हुई थी। उनके पिता हरे कृष्ण सिंह उसी रास्ते जा रहे थे। उन्होंने शोर मचाया, इसके बाद जुटे लोगों ने मुख्य गेट तोड़कर सामान निकालने लगे। अंदर में एक स्कूटी भी पड़ी हुई थी।

उनके पिता स्कूटी निकालने के लिए जैसे ही अंदर गए कि अंदर का सामान उनके शरीर पर गिर पड़ा। इस दौरान लोहा के गेट में करंट भी आ गया, जिससे वह उसकी चपेट में आ गए। फलस्वरूप उनकी झुलसने से और करंट के कारण मौत हो गई। बाद में बिजली विभाग की टीम को सूचना देकर लाइन कटवाई गई। वहीं, सूचना पर दमकल टीम भी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

अंदर से निकाले जाने के बाद उनके पिता को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाद में पुलिस ने उनके शव को जब्त कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। उजियारपुर थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने बतलाया कि आग बुझाने के दौरान यह हादसा हुआ है। शव को जब्त कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना को लेकर एक प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

अभियुक्त को गिरफ्तार करने गई पुलिस पर जानलेवा हमला, दो सब इंस्पेक्टर सहित एक सिपाही गंभीर जख्मी

दरभंगा (एजेंसियां)।

बिहार में दरभंगा जिले के लहेरियासराय थाने की पुलिस पर स्थानीय लोगों द्वारा जानलेवा हमला किया गया। इसमें दो दारोगा सहित एक सिपाही गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। हमले के दौरान सब इंस्पेक्टर आरके दूबे और अमित कुमार से सरकारी पिस्टल भी छीनने का प्रयास किया गया। हमले में घायल सिपाही नीतीश कुमार की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना के संबंध में बताया जाता है, समस्तीपुर कोर्ट से जारी वारंटी को गिरफ्तार करने गई पुलिस को स्थानीय लोगों ने पहले बंधक बनाया और फिर ईंट पत्थर से हमला कर दिया। इस दौरान हमलावरों ने गिरफ्तार आरोपी जितेंद्र कुमार को पुलिस गिरफ्त से छुड़ाकर भगा देने में कामयाब हो गए। इस हमले में घायल दोनों सब इंस्पेक्टर का इलाज डीएमसीएच में चल रहा है।

घटना के संबंध में बताया जाता है, समस्तीपुर फैमिली कोर्ट से जितेंद्र कुमार के खिलाफ कुर्की जब्ती करने गई पुलिस ने जैसे अभियुक्त को देखा तो गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने थाने के पुलिसकर्मियों को चारो तरफ से घेर लिया और पत्थरबाजी करते हुए हमला दिया। इसमें दो सब इंस्पेक्टर सहित एक सिपाही गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जिन्हें इलाज के लिए डीएमसीएच में भर्ती कराया गया है।

इस दौरान हमलावरों ने पुलिस की गिरफ्त से आरोपी जितेंद्र कुमार को भगा दिया है। इसके बाद भारी मात्रा में पहुंची पुलिस पर भी पथराव कर हमला कर दिया। इस दौरान पुलिस ने आत्मरक्षार्थ एक राउंड हवाई फायरिंग करने की बात मौके पर मौजूद सदर डीएसपी अमित कुमार ने बताई है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं, दोनों वारंटियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। घायल सब इंस्पेक्टर आरके दूबे ने बताया कि समस्तीपुर कोर्ट से जारी वारंटी को गिरफ्तार करने लहेरियासराय थाना क्षेत्र के अभंडा मोहल्ले में जितेंद्र कुमार को गिरफ्तार करने गए थे। इस दौरान स्थानीय लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते पत्थरबाजी करने लगे, जिसमें हम और दो सब इंस्पेक्टर गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

घटना के संबंध में डीएसपी सदर अमित कुमार ने बताया, लहेरियासराय थाने की पुलिस वारंटी को गिरफ्तार करने गई थी। इस दौरान पहले आरोपी के परिजनों ने मिलकर पुलिस पर हमला करते हुए आरोपी को भगा दिया और पुलिस पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में दो सब इंसपेक्टर और एक सिपाही गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उन्होंने कहा कि पुलिस पर पथराव भी किया गया है। इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं, दोनों वारंटी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ एक राउंड हवाई फायरिंग भी की है। इस मामले में पथराव करने वालों को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान की जा रही है।

ईंट-भट्ठा के मुंशी की गला रेतकर हत्या, इलाके में मचा हड़कंप

गया (एजेंसियां)।

बिहार के गया जिले से दिल दलहा देने वाली घटना सामने आई है। शुक्रवार देर रात ईंट-भट्ठा के मुंशी की अपराधियों ने धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना के बाद स्थानीय पुलिस वारदात स्थल पर पहुंची और छानबीन में जुट गई।

गया पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। वहीं, अपराधियों की पहचान के लिए वारदात स्थल पर जांच पड़ताल के लिए डॉग स्कॉड और एफएसएल की टीम को बुलाया गया है। घटना गया जिले के डोभी थाना क्षेत्र के पिरासिन गांव की है। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। वहीं, मृतक की पहचान ईंट- भट्ठा के मालिक गोवर्धन यादव के बहनोई के रूप में की गई है, जो ईंट-भट्ठा पर मुंशी का काम करते थे।

मिली जानकारी के मुताबिक, डोभी क्षेत्र के पिरासीन गांव के समीप स्थित ईंट-भट्ठा पर शुक्रवार की देर रात्रि मुंशी की अपराधियों ने धारदार हथियार से गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान ईंट-भट्ठा के मालिक गोवर्धन यादव के बहनोई के रूप में हुई है। वारदात शुक्रवार देर रात की है, जब मुंशी ईंट-भट्ठा पर काम कर रहे थे। उस दौरान अचानक अपराधी आ धमके और मौके का फायदा उठाकर धारदार हथियार से मुंशी की गला रेत दिया।

हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी घटना स्थल से फरार हो गए। शनिवार सुबह जब स्थानीय लोगों को इस घटना की जानकारी मिली तो इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। वहीं, अपराधियों को पकड़ने के लिए विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी। लेकिन खबर लिखे जाने के तक पुलिस के हाथ अपराधी नहीं आया।

इस संबंध में सीनियर एसपी ने बताया कि सुबह गया जिले के डोभी थाना को सूचना प्राप्त हुई कि पिरासिन गांव में ईंट-भट्ठा पर एक व्यक्ति की गला रेतकर हत्या कर दी गई है। उन्होंने बताया कि उक्त सूचना के बाद नगर पुलिस अधीक्षक, गया एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शेरघाटी-2 को घटना स्थल के निरीक्षण के लिए निर्देशित करते हुए नगर पुलिस अधीक्षक, गया के मार्गदर्शन में एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, शेरघाटी-2 के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

वहीं, उन्होंने बताया कि नगर पुलिस अधीक्षक, गया के द्वारा घटना स्थल पर पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। साथ ही शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मगध मेडिकल हॉस्पिटल गया भेजा गया। साथ ही, डॉग स्कॉड, ऋड्ड और तकनीकी टीम को भी घटना स्थल पर बुलाया गया है। उक्त गठित विशेष टीम के द्वारा एक आसूचना संकलन एवं तकनीकी अनुसंधान की जा रही है। जल्द ही इस कांड में संलिप्त अपराधकर्मियों की शिनाख्त कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस संबंध में डोभी थाना में मामला दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

हेलीकॉप्टर छोड़ गाड़ी से गोपालगंज पहुंचे सीएम नीतीश कुमार

138 करोड़ की योजनाओं की दी सौगात

पटना (एजेंसियां)।

बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के अंदर कोई शक-संशय नहीं है, यह दिखाते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा का दूसरा चरण शनिवार से शुरू हो गया। कोहरा-धुंध के कारण आसमान साफ नहीं था तो हेलीकॉप्टर की यात्रा रद्द करते हुए मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से गोपालगंज पहुंचे। राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद के ऑफर के बावजूद 'अमर उजाला' ने लगातार स्पष्ट किया था कि फिलहाल नीतीश कुमार एनडीए को लेकर किसी संशय में नहीं हैं। नीतीश की इस यात्रा के बाद 15 जनवरी से एनडीए के सभी पांचों दलों की सामूहिक यात्रा भी शुरू होने वाली है।

सीएम नीतीश कुमार का कार्यक्रम सिधवलिया प्रखंड की करसघाट पंचायत में शनिवार को 10 बजे से होना था। लेकिन, सीएम के सड़क मार्ग से आने के कारण करीब चार घंटे देर से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सीएम आज गोपालगंजवासियों को 138 करोड़ की लागत वाली 72 योजनाओं की सौगात दी। उन्होंने कुल 61 योजनाओं का उद्घाटन किया। मुख्य रूप से सिधवलिया में 21 करोड़ 60 लाख की लागत से बने आइटीआइ भवन का उद्घाटन किया। वहीं रिमोट कंट्रोल से जिले की 61 अन्य योजनाओं से होने वाले कार्य का उद्घाटन किया।

इसमें 3 करोड़ 51 लाख की राशि से बनने वाले जिला उत्पाद कार्यालय, चनावे जेल में एक करोड़ 62 लाख की लागत से बन रहे एक पुरुष कक्षपाल बैरक तथा एक करोड़ 39 लाख की लागत से बन रहे महिला कक्षपाल बैरक समेत अन्य निर्माण कार्य शामिल हैं। कई नवनिर्मित पंचायत सरकार भवन का भी उद्घाटन हुआ। जिले के अलग-अलग गांवों में तालाब, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल तथा अन्य भवनों के जीर्णोद्धार का उद्घाटन हुआ।

वहीं सिधवलिया प्रखंड के करसघाट पकड़ी टोला में अलग-अलग योजनाओं के तहत 63 लाख की लागत से हुए 13 कार्यों का उद्घाटन हुआ। इसमें पोखर, पशु शेड, बत्तख शेड, बकरी शेड, रनिंग ट्रैक, चिल्ड्रेन पार्क, पुस्तकालय, स्ट्रीट लाइट, आंगनबाड़ी केंद्र आदि शामिल हैं। सीएम के आगमन की प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। शुक्रवार शाम को ही डीएम प्रशांत कुमार डीएम प्रशांत कुमार जहां ड्यूटी पर तैनात पदाधिकारियों के साथ बैठक की। वहीं एसपी अवधेश दीक्षित ने पुलिस पदाधिकारियों के साथ सुरक्षा को लेकर बैठक की। सीएम की सुरक्षा को लेकर चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किये गये हैं।

परसदा गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, एफएसएल की टीम जांच में जुटी

पटना (एजेंसियां)।

बक्सर के धनसोई थाना क्षेत्र में शनिवार को परसदा गांव में एक 25 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही धनसोई थाने की पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई। हालांकि, कई लोग इसे फांसी लगाकर आत्महत्या भी बता रहे हैं।

हालांकि, मृतक के गले पर नाखून के निशान हैं। इसलिए पुलिस हत्या की आशंका से इनकार नहीं कर रही है। मामले की जांच को लेकर एफएसएल की टीम भी परसदा गांव पहुंच गई है। उसने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और पुलिस हत्या के एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। वहीं, इस घटना के बाद गांव में लोग तरह-तरह की चर्चा भी कर रहे हैं।

घटना के संदर्भ में मिली जानकारी के मुताबिक, धनसोई थाना के परसदा गांव निवासी 25 वर्षीय चतुरी चौधरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पत्नी ने यह बताया कि असहनीय पेट दर्द के कारण उनकी मौत हो गई है। हालांकि, स्थानीय लोगों ने इस बात की सूचना पुलिस को दी।

एफएसएल की टीम को साथ लेकर स्वयं मौके पर पहुंचे धनसोई थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। जल्द ही मामले की जांच पूरी कर ली जाएगी।

मृतक के गले पर कुछ निशान भी पाए गए हैं। ऐसे में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com